डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति पाक्षिक को प्रकाशित, भोपाल 05.12.2022 से 11.12.2022 • वर्ष-38 • अंक-40 • मूल्य ₹ 10.00

मध्यप्रदेश में जनता का राज चलेगा, गड़बड़ करने वाला नहीं बचेगा - मुख्यमंत्री

"नया जमाना आ रहा है। अब प्रदेश में जनता का राज चलेगा, गड़बड़ करने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं बचेगा। कमाने वाला खायेगा और लूटने वाला जेल जायेगा। मुख्यमंत्री, मंत्री, कमिश्नर और कलेक्टर जनता के पास जाकर उनका कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में गांव, पंचायत, वार्ड में शिविर लगा कर जनता को विभिन्न योजनाओं का लाभ और उनके अधिकार प्रदान किये जायेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैतूल जिले के ग्राम कुंडबकाजन में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में चिन्हित हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं।"

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बैतूल में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के दौरान हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करते हुये।

बैतूल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में हर पंचायत हर वार्ड में शिविर लगाए जाकर शासन की विभिन्न योजनाओं में स्वीकृति-पत्र वितरित किये जा रहे हैं। ग्रामीणों को उनके गांव पहुंचकर लाभ दिया जा रहा है। अब उन्हें अपने कार्यों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी शासकीय योजना में किसी को एक पैसा भी मत देना। यदि कोई मांगता है, तो सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत करना। जो भी गड़बड़ी करेगा उसे नौकरी करने लायक नहीं छोड़ूंगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य और खनिज से संबंधित शिकायतें भी मुझे मिली हैं। इन शिकायतों के आधार पर बैतूल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खनिज अधिकारी को भी निलंबित किया जाता है।

श्री चौहान ने कहा कि पेसा एक्ट प्रदेश के 89 जनजाति विकासखण्डों में लागू होगा। यह किसी के खिलाफ नहीं है, सबके हक का है। ग्राम सभा में गैर जनजातीय बंधु भी शामिल होंगे और फैसला लेंगे। पेसा एक्ट गरीबों की जमीन, जंगल, जल, सुरक्षा के अधिकार, महिलाओं के सशक्तिकरण के अधिकार दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेसा एक्ट के लागू हो जाने के बाद अब हर साल ग्राम की ग्राम सभा में पटवारी और फॉरेस्ट गार्ड नक्शा, खसरे की नकल, बी-1 की कॉपी लेकर आयेंगे और ग्रामवासियों को पढ़कर सुनायेंगे। गड़बड़ी पाई गई तो ग्राम सभा सुधार करेगी। गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

श्री चौहान ने कहा कि अब किस सरकारी कार्य, योजना के लिये जमीन देना है, यह ग्राम सभा तय करेगी। ग्राम की भूमि का बिना ग्राम सभा की अनुमति के भू-अर्जन नहीं किया जा सकेगा। किसी जनजातीय भाई की जमीन पर कोई व्यक्ति बहला-फुसला कर, शादी के माध्यम से अथवा धर्मांतरण द्वारा कब्जा नहीं कर पायेगा। मैं धर्मांतरण का चक्र मध्यप्रदेश की धरती पर नहीं चलने दूंगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत में एक वर्ष में जो पैसा आता है उससे क्या किया जाये, यह ग्राम सभा तय करेगी। यदि गांव के मजदूरों को कोई दूसरे स्थान पर ले जाता है तो उसे ग्राम सभा से इसकी अनुमति लेनी होगी।

वन समितियों को होगी वनोपज से आय

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब इमारती लकड़ी की बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का 20 प्रतिशत वन समितियों के खाते में जायेगा। हर्र, बहेड़ा, आंवला, गोंद, करंज आदि वनोपज संग्रह और बेचने का अधिकार ग्राम सभा को होगा। वह इनके मूल्य भी निर्धारित कर सकेगी। वनोपज की आमदनी भी ग्राम सभा के पास आयेगी। जनजातीय भाइयों को अब तेन्दूपत्ता तोड़ने और बेचने का अधिकार होगा। उन्हें इसका प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

ग्राम सभा तय करेगी खनन प्रक्रिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव की गिट्टी, पत्थर, रेती आदि की खदानों की नीलामी होनी है या नहीं यह ग्राम सभा तय करेगी। खदान पहले जनजातीय सोसायटी को, फिर ग्राम की बहन को और फिर पुरुष को प्राथमिकता के आधार पर दी जायेगी। गांव के तालाबों का प्रबंधन, उनमें मछली पालन, सिंघाड़ा उत्पादन आदि का अधिकार ग्राम सभा का होगा और प्राप्त आमदनी पर ग्रामवासियों का हक होगा। सौ एकड़ तक के सिंचाई तालाब और बांधों का प्रबंधन ग्राम सभा के पास होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग

साढ़े सात हजार प्राथमिक शिक्षकों की होगी भर्ती

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश में 7 हजार 500 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती करेगा। अकादमिक-सत्र वर्ष 2023-24 के लिए विभाग द्वारा पदों का विस्तृत विवरण, नियम, निर्देश, प्रक्रिया, आरक्षण, अर्हता आदि एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल https://trc.mponline.gov.in पर 28 फरवरी 2023 से उपलब्ध रहेगा। आयु की गणना एक जनवरी 2023 की स्थिति में की जाएगी। अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के प्रचलित निर्देश लागू होंगे।

आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभय वर्मा ने बताया कि प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड द्वारा प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2020 में अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों से स्कूल शिक्षा विभाग में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में लोक सेवकों के सेवानिवृत्त होने से उद्भूत होने वाले रिक्त पदों की पूर्ति की जानी है। पद पूर्ति की प्रक्रिया मार्च 2023 से आरंभ की जाएगी। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा रिक्त पदों की जानकारी उपलब्ध कराए जाने पर संयुक्त काउंसलिंग की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश को मिला कांस्य पदक

भोपाल, मध्यप्रदेश मंडप ने नई दिल्ली में हुए 41वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2022 में विशेष प्रस्तुति से कांस्य पदक प्राप्त किया है। मेले में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप सहित राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों, उपलब्धियों, सांस्कृतिक धरोहर, कला और संस्कृति का प्रदर्शन किया। साथ ही छतरपुर की माटी शिल्प और भोपाल की जरी-जरदोजी शिल्प कला के सजीव प्रदर्शन से राज्य की कला और सांस्कृतिक समृद्धि की झलक प्रस्तुत की गई।

राज्य सरकार का पेंशनरों के हित में बड़ा फैसला

भोपाल, राज्य शासन ने पेंशनरों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए पेंशनरों और परिवार पेंशनरों को 6वें और 7वें वेतनमान पर एक अक्टूबर 2022 से पेंशन पर महंगाई राहत की दर में वृद्धि कर दी है। बढ़ी हुई राशि नवम्बर 2022 से देय होगी।

छठवें वेतनमान में 12 प्रतिशत की वृद्धि के बाद महंगाई राहत की दर अब 201 प्रतिशत हो गई है। सातवें वेतनमान में 5 प्रतिशत की वृद्धि से महंगाई राहत दर 33 प्रतिशत हो गई है। वित्त विभाग ने इस आशय के आदेश जारी कर दिये हैं।

उल्लेखनीय है कि वित्त विभाग द्वारा आदेश जारी होने के पहले 6वें वेतनमान में मूल पेंशन एवं परिवार पेंशन पर 189 प्रतिशत की दर एवं 7वें वेतनमान में 28 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत मिल रही थी।

अंदर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

सुशासन

राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार पर अपनाई जीरो टॉलरेंस नीति

भोपाल, भ्रष्टाचार कोढ़ है, इसे पूरी तरह समाप्त करना है। राज्य सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति है। जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों, थानों में एफआईआर लिखे जाने और आपराधिक प्रकरणों पर कार्यवाही के मामलों में भ्रष्टाचार की प्रत्येक शिकायत या सूचना पर दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाओं का बिना लिए-दिए, समय पर लाभ मिले, सभी क्षेत्रों में सुशासन स्थापित हो। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देवास जिले में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे अधिकारी-कर्मचारी जो लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं अथवा जिनका आचरण ठीक नहीं है या जिनके विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतें हैं, उन्हें तत्काल चिह्नित किया जाए। राज्य सरकार जन-सामान्य के हित में व्यवस्थाएं संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बेहतर विद्युत व्यवस्था के लिए अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के संबंध में जागरूकता और बिजली बिलों के संशय के संबंध में कैम्प लगाकर प्रचार-प्रसार की गतिविधियां संचालित की जायें।

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में जिले में कार्यों की धीमी गति, पिछले 2 माह से पूरक पोषण आहार वितरण नहीं होने और ग्रामीण सड़कों की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। श्री चौहान ने जिले के सोनकच्छ अनुविभाग और देवास नगर निगम में संचालित गतिविधियों, पुलिस थानों में एफआईआर लिखने और दोषियों पर कार्यवाही की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

श्री चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन में पूर्ण हुई योजनाओं का लोकार्पण जन-सामान्य को जोड़कर किया जाए। योजनाओं के संधारण और प्रबंधन में जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। आमजन को सही समय पर जल कर का भुगतान करने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि प्रधानमंत्री आवास योजना सहित सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि थानों में एफआईआर नहीं लिखने, लिखने में विलंब और सही धारा नहीं लगाने जैसी शिकायतों की संवेदनशीलता से जांच की जाए।

सरपंचों को अधिकारों का उपयोग करने की जानकारी दें - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में सरपंच सम्मेलन के संबंध में बैठक करते हुये।

भोपाल, सरपंच सम्मेलन में जन-प्रतिनिधियों को ऐसी जानकारी दी जाए, जिससे वे सम्मान के साथ अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें। कार्यक्रम में आने वाले जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि आनंदित होकर वापिस जाएं, साथ ही उत्साह और उमंग के साथ क्षेत्र में कार्य कर सकें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आगामी सरपंच सम्मेलन तैयारियों की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता द्वारा चुने गए जन-प्रतिनिधियों को प्रभावशाली बनाने के लिए कार्यक्रम में हमारी ओर से पूरी कोशिश हो। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में मैं भी सरपंचों से रू-ब-रू होऊंगा। कार्यक्रम में नव निर्वाचित सरपंचों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण भी होगा। उन्होंने निर्देश दिये कि मध्यप्रदेश की त्रि-स्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था में ग्राम पंचायत सरपंच की भूमिका एवं कार्यों की विस्तृत जानकारी दी जाए।

श्री चौहान ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अन्य कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर योजना में मध्यप्रदेश आदर्श राज्य बने। उन्होंने 2500 अमृत सरोवरों के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी करने के भी निर्देश दिए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

26 नवम्बर

सुप्रीम कोर्ट ने आरटीआई के लिये पोर्टल किया शुरू

● सुप्रीम कोर्ट से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिये आरटीआई आवेदन दाखिल

करने के लिये सुप्रीम कोर्ट ने आरटीआई पोर्टल की शुरुआत की है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने इस पोर्टल के शुरू होने की जानकारी देते हुये कहा कि हम कहना चाहते हैं कि आरटीआई पोर्टल तैयार है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिक अदालत से संबंधित मामलों के लिये सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन दाखिल कर सकते हैं। पोर्टल का उपयोग केवल भारतीय नागरिकों द्वारा आवेदन करने, प्रथम अपील करने और आरटीआई अधिनियम के तहत शुल्क का भुगतान करने के लिये किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के लिये एक ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल की मांग को लेकर कई जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं।

● उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कहा कि रूसी हमले से रक्षा के लिये यूक्रेन को जब तक मदद की जरूरत होगी, तब तक नाटो उसकी मदद जारी रखेगा। स्टोल्टेनबर्ग ने बताया कि अमेरिका के नेतृत्व वाला 30 देशों का यह सैन्य संगठन युद्ध की शुरुआत से ही यूक्रेन की मदद कर रहा है। नाटो के सदस्य देशों की तरफ से यूक्रेन को अब तक 30 अरब डॉलर की सैन्य मदद दी जा चुकी है। इनमें से 20 अरब डॉलर की मदद अमेरिका ने दी है। स्टोल्टेनबर्ग ने बताया कि नाटो के सदस्य देश यूक्रेन को ईंधन, जनरेटर, चिकित्सा उपकरण, ठंडक से बचाव वाले उपकरण और ड्रोन जैमर उपकरण भेज रहे हैं।

27 नवम्बर

नासा का अंतरिक्ष यान चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा

● अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अंतरिक्ष यान ओरियन ने चंद्रमा की कक्षा में

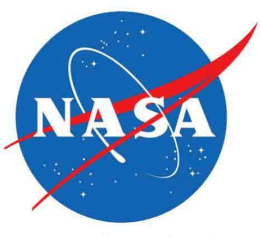

सफलतापूर्वक प्रवेश कर लिया है। नासा के आर्टेमिस मिशन के तहत भेजा गया यह यान चंद्रमा से 64 हजार 400 किलोमीटर ऊपर से उड़ान भरेगा। नासा ने बताया कि ओरियन के चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। नासा ने कहा कि ओरियन को चंद्रमा की आधी कक्षा पूरी करने में एक सप्ताह का समय लगेगा। यहां से यान वापसी की यात्रा के लिये चंद्रमा की कक्षा से बाहर निकल जायेगा। यह यान 11 दिसम्बर को प्रशांत महासागर में लैंडिंग कर अपनी यात्रा पूर्ण करेगा। नासा ने कहा कि ओरियन मनुष्य को अंतरिक्ष में ले जाने और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिये डिजाइन किया गया है। उल्लेखनीय है कि नासा वर्ष 2025 में चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने की योजना है।

● रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच रूसी सेना ने पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन के कई इलाकों में भीषण गोलाबारी की है। रूसी सेना ने इसी माह खाली किये गये खेरसान शहर पर भी हमले किये। खेरसान प्रांत के गवर्नर यारोस्लाव यानुशेविक ने कहा कि रूसी सेना ने क्षेत्र में 54 बार गोलाबारी की, जिनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुये हैं। यानुशेविक ने कहा कि रूस ने आम नागरिकों को भी निशाना बनाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार खेरसान में आवासीय भवन और शैक्षणिक संस्थान को भी नुकसान पहुंचा है।

28 नवम्बर

इसरो ने ओशियन सैट सहित नौ उपग्रहों का किया सफल प्रक्षेपण

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने विश्वसनीय रॉकेट पोलर

सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) की सहायता से ओशियन सैट-3 सहित नौ उपग्रहों को प्रक्षेपित कर अपनी-अपनी कक्षाओं में सफलतापूर्वक स्थापित किया है। ये वर्ष 2022 के लिये इसरो का पांचवां और अंतिम मिशन था। इसरो ने कहा कि पीएसएलवी-सी 54 ने ओशियन सैट श्रृंखला के अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट को उसके लक्षित ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित किया है। इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने कहा कि यह मिशन बेहद विशिष्ट है। वैज्ञानिकों ने पहली बार एक ही रॉकेट से दो कक्षाओं में उपग्रह प्रक्षेपित किये हैं। इस मिशन में ऑर्बिट चेंज थ्रस्टर्स (ओसीटी) का उपयोग किया गया है।

● केंद्र सरकार ने सड़कों पर वाहनों का बोझ कम करने के उद्देश्य से 15 वर्ष पुराने सरकारी वाहनों को कबाड़ बनाने का फैसला किया है। केंद्र सरकार ने ऐसे वाहनों का फिर से पंजीकरण नहीं करने को लेकर मसौदा प्रस्ताव जारी कर दिया है। यह नियम एक अप्रैल 2023 से लागू होगा। सड़क परिवहन मंत्रालय ने बताया कि यह नियम विभिन्न निगमों की बसों एवं अन्य वाहनों पर भी लागू किया जायेगा। परिवहन विभाग ऐसे वाहनों को कबाड़ में बदलेगा। मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गड़करी ने कहा कि इस योजना से संबंधित नीति को राज्यों को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि राज्यों को भी अपने स्तर पर इस नीति को अपनाना होगा।

29 नवम्बर

भारत बायोटेक की नेजल कोरोना वैक्सीन इनकोवैक को मिली मंजूरी

● दुनिया की पहली नेजल कोरोना वैक्सीन इनकोवैक को भारत में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने मंजूरी प्रदान की है। भारत बायोटेक की इस सुई रहित इंट्रानेजल वैक्सीन को देश में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों में आपातकालीन स्थिति में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत बायोटेक ने कहा कि केंद्रीय औषधि नियंत्रण संगठन ने सभी वयस्कों के लिये आपात स्थिति में नियंत्रित उपयोग के लिये मंजूरी दी है। कंपनी ने कहा कि इस वैक्सीन का तीन चरणों में सफल ट्रायल किया गया। भारत बायोटेक के अनुसार इस वैक्सीन को कम और मध्यम आय वाले देशों के लिये विकसित किया गया है। यह वैक्सीन भी दो डोज में ही दी जायेगी। दोनों डोज 28 दिन के अंतराल पर दी जायेगी। भारत बायोटेक ने कहा कि इन्कोवेक को स्टोरेज और डिस्ट्रीब्यूशन के लिये दो से आठ डिग्री सेल्सियस पर स्टोर किया जा सकता है।

● भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। देश में अब श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के इसरो परिसर में देश का पहला निजी स्पेस लॉन्चपैड और मिशन कंट्रोल सेंट्रल स्थापित किया है। इस लॉन्चपैड को चेन्नई स्थित स्पेस टेक स्टार्टअप अग्निकुल कासमास द्वारा डिजाइन किया गया है। इस लॉन्चपैड का संचालन निजी भागीदारी करेंगे। लॉन्चपैड और मिशन कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने किया। डॉ. सोमनाथ ने कहा कि भारत को अंतरिक्ष की उड़ान के लिये एक और लॉन्चपैड मिल गया है।

30 नवम्बर

चीन ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन के लिये रवाना किया

● अमेरिका के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच चीन ने अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के लिये तीन अंतरिक्ष यात्रियों को एक अंतरिक्ष यान के जरिये रवाना किया। शेनझोऊ-15 अंतरिक्ष यान को उत्तर पश्चिमी चीन स्थित जियुक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया है। चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के निदेशक ने बताया कि इस मिशन में फी जुनलॉन्ग, डेंग किंगमिंग और झांग लू अंतरिक्ष स्टेशन के लिये रवाना हुये हैं। फी जुनलॉन्ग मिशन का कमांडर बनाया गया है। यह दल लगभग छह महीने तक कक्षा में रहेगा। इस अवधि में निचली कक्षा में अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद है।

● भारत ने मालदीव को आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिये 10 करोड़ डॉलर की आर्थिक सहायता दी है। मालदीव में विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया कि भारत सरकार ने वित्तीय चुनौतियों से निपटने के लिये मालदीव की सरकार को 10 करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता सौंपी है। मालदीव को सहायता प्रदान करने में भारत प्रणाणिक देश बना हुआ है। भारत के विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर ने ट्वीट कर कहा कि दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे के कल्याण तथा हितों के लिये वास्तविक चिंता पर आधारित हमारी विशेष साझेदारी हर समय और खासतौर पर जरूरत के समय कारगर होती है।

1 दिसम्बर

सीमा पर निगरानी उपकरणों की खरीद के लिये 30 करोड़ रुपये स्वीकृत

● केंद्र सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगने वाली सीमा की रक्षा के लिये तैनात बलों के लिये निगरानी कैमरे, ड्रोन और अन्य निगरानी उपकरणों की खरीद के लिये 30 करोड़ रुपये के फंड को मंजूरी दी है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक पंकज कुमार सिंह ने कहा कि पश्चिमी सीमा (पाकिस्तान) के पास ड्रोन की अवैध गतिविधियां उनके लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने हाल ही में दो एसयूवी-माउंटेड जैमर, 1400 से अधिक थर्मल इमेजर और लगभग 100 ड्रोन खरीदे हैं। इससे सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा गतिविधियां और निगरानी व्यवस्था में तेजी आयेगी। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने निगरानी प्रणाली स्थापित करने के लिये कुल 635 संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की है। बीएसएफ प्रमुख ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में 5500 सुरक्षा कैमरे तैनात किये जा रहे हैं।

● केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के तीनों ही क्षेत्रों में 90 लाख नौकरियां सृजित की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अगले दो वर्षों में इन क्षेत्रों में रोज़गार की संख्या में वृद्धि की जाये, जिससे यह आंकड़ा एक करोड़ के पार पहुंच जाना चाहिये।

2 दिसम्बर

अफगानिस्तान में अधूरी परियोजनाओं पर काम शुरू करेगा भारत–तालिबान

● भारत अफगानिस्तान में रुकी हुई कम से कम 20 परियोजनाओं पर एक बार फिर काम शुरू करेगा। यह दावा अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने किया है। एक समाचार पोर्टल के अनुसार अफगानिस्तान के शहरी विकास एवं आवास मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूतावास ने संबंधों में सुधार और देश में रुकी पड़ी परियोजनाओं को फिर से शुरू करने में रुचि दिखाई है। शहरी विकास एवं आवास मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद कमाल अफगान ने कहा कि पूर्व सरकार के दौरान कई परियोजनाओं को भारत लागू कर रहा था, लेकिन राजनीतिक परिवर्तन के कारण उनमें बाधा पैदा हो गई थी। अब भारत ने उन परियोजनाओं पर फिर से काम शुरू करने पर रुचि दिखाई है। इस कदम से रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे और अफगानिस्तान में विकास की रफ्तार बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि भारत अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान का कब्जा हो गया था, जिसके बाद भारत ने अफगानिस्तान में दूतावास बंद कर दिया था। भारत ने जून, 2022 में दूतावास में तकनीकी टीम तैनात करके राजनयिक उपस्थिति फिर से स्थापित की है।

● रेल मंत्रालय भारत गौरव ट्रेनों के किराये में 33 प्रतिशत तक की छूट देने जा रहा है। मंत्रालय की ओर से किराया घटाने की मंजूरी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) को दी गई है। रेलवे ने कहा कि भारत गौरव ट्रेनों के किराये में लगभग एक तिहाई तक रियायत दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि देश में रेल पर्यटन एवं धार्मिक यात्रा को बढ़ावा देने के लिये भारत गौरव ट्रेनों की शुरुआत की गई थी। यह ट्रेनें ऐतिहासिक स्थानों पर धार्मिक रूटों पर चलाई जा रही है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

SACRED HEART COLLEGE OF ARTS & SCIENCE

Affiliate to DAVV, Indore & Rec. by The Govt. of M.P.
Mission Road, Dhani, Dhamnod, Dist.- Dhar (M.P.) 454552
E-Mail:- sacredheartcollegedhani@gmail.com,
Mo.-62 62 63 02 02

FACULTY REQUIRED FOR

M.A. (English Lit.), M.A.(Political Science), B.A.- Plain and Computer Application, B.Sc.- Plain & Computer Science

Principal-1, Mathematics-1, Physics-1, Chemistry-1, Botany-1, Zoology-1, Computer App.-1, Economics-1, History-1, Political Science-1, Sociology-1, Hindi-1, English-1, Librarian- 1, Sports Officer- 1

Appointment shall be done as per UGC norms and under Code-28 of DAVV. Ph.D.or Net/Set qualified candidates will be given first priority.
Interested candidates may mail or contact with resume other testimonials and two latest passport size photo within 15 days.

Management

R-47833/2022

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण

में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	13.36	18.70
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई - 25 सेंटीमीटर
लंबाई - 37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर - 925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 49 05.12.2022 से 11.12.2022

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

सीहोर गौरव दिवस कार्यक्रम

सभी के सहयोग से सीहोर को भारत के अग्रणी नगरों में एक बनाया जायेगा। सीहोर के विकास में कोई कमी नहीं रखी जायेगी। यहां औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जायेगा। भोपाल के उपनगर के रूप में सीहोर का विकास किया जायेगा। भोपाल से सीहोर को लाइट मेट्रो के माध्यम से जोड़ा जायेगा। यहां के प्रसिद्ध चिंतामन गणेश मंदिर का भी श्री महाकाल लोक की तरह विकास किया जायेगा। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीहोर वीरों की भूमि है, अमर शहीद चैन सिंह ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिये। सीहोर में जिस स्थान पर शहीदों को तोप से उड़ा दिया गया था, वहां जलियांवाला बाग की तरह भव्य स्मारक का निर्माण किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने 32 हस्तियों को गौरव सम्मान से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीहोर का शरबती गेहूं दुनियाभर में मशहूर है। इसके निर्यात को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है। सीहोर कृषि विज्ञान केंद्र में ही सोयाबीन की दो किस्में जवाहर 9305 और 15601 विकसित की गई। सीहोर की कचौरी, कढ़ी पूरी, शीरा सेव और मंगोड़े प्रसिद्ध हैं। सीहोर में कृषि यंत्र बनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में बेटियों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। बेटियों के प्रति दुराचार करने वालों को फांसी की सजा का प्रावधान है। अभी तक 89 व्यक्तियों को फांसी की सजा सुनायी गई है। बेटियों की उच्च शिक्षा की फीस सरकार भरती है। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना में 12वीं में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाने वालों को सरकार लैपटॉप तो देती ही है, साथ ही उनकी फीस भी सरकार भरती है। प्रदेश में बड़ी संख्या में सरकारी भर्तियों के अलावा उद्योगों से रोज़गार सृजित किये जा रहे हैं। स्व-रोज़गार के लिये भी व्यापक अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। प्रदेश में ऐतिहासिक फैसला लेते हुये मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिन्दी में की गई। मुख्यमंत्री ने सीहोर के विकास के लिये रखी गई विभिन्न मांगों, नगर में सी.सी. रोड निर्माण, फुटपाथ निर्माण, नाला सौंदर्यीकरण, दो पुल निर्माण, स्ट्रीट लाइट्स में एलईडी लगवाने, तालाब गहरीकरण और मार्ग निर्माण आदि को पूरा करने की घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को नगर को आगे बढ़ाने, नगर को स्वच्छता में नंबर एक बनाने और नशा मुक्ति आदि का संकल्प दिलाया। मुख्यमंत्री की प्रेरणा पर नगर के विभिन्न समाज के लोगों ने नगर के विकास में योगदान करने का संकल्प लिया। राठौर समाज ने 11 कन्याओं का विवाह, चौरसिया समाज ने सफाई कर्मियों को गणवेश देने, जैन समाज ने प्रवेश द्वार के निर्माण, आईईएस स्कूल द्वारा दो चौराहों के सौंदर्यीकरण, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर द्वारा प्रत्येक गली में दुकानों के आगे डस्टबीन रखवाने, ब्राह्मण समाज द्वारा 4 आंगनवाड़ियों को गोद लेने, संडे सुकून ग्रुप द्वारा नगर में बड़े गमले रखवाने और सेल्फी प्वॉइंट बनवाने, किराना व्यापारी संघ ने सभी चौराहों पर डस्टबीन रखवाने का, अग्रवाल समाज द्वारा प्रमुख चौराहे के सौंदर्यीकरण, पेट्रोल पंप संघ द्वारा कचरा गाड़ी देने, क्रिश्चियन समाज द्वारा तहसील चौराहे का सौंदर्यीकरण और मुस्लिम समाज द्वारा नगर के सौंदर्यीकरण के लिये बिजली व्यवस्था का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक गांव और शहर में गौरव दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। इस दिवस के अवसर पर गांव और शहर की बेहतरी के लिये अनेक कार्य किये जाते हैं।

खून जांचने से पता चलेगा कैंसर रोग

कैंसर एक धातक बीमारी है। इस रोग से ग्रस्त व्यक्ति बीमारी के साथ-साथ तनाव से भी गुजरता है, क्योंकि अभी भी इस बीमारी का सटीक इलाज खोजने का क्रम जारी है। कैंसर के साथ एक बात यह भी है कि यदि इसकी पहचान शुरुआती दौर में ही कर ली जाये, तो इसका इलाज संभव है, लेकिन अक्सर इसके पहचानने में देरी होती है और मरीज का बचना मुश्किल हो जाता है। इसके लिये कई तरह की जांचें भी जिम्मेदार हैं, लेकिन अब अमेरिका के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में बताया है कि खून की केवल एक जांच से कई तरह के कैंसर की शुरुआती अवस्था के बारे में ही पता चल जायेगा। वैज्ञानिकों ने बताया कि शरीर में सभी कोशिकाएं मरने पर डीएनए खून के प्रवाह में आने लगती हैं। जिसे एमसीईडी परीक्षण के जरिये ट्रेस कर देखा जा सकता है। इस घूमते हुये कोशिकामुक्त डीएनए से इस बात की जानकारी होती है कि यह किस तरह के उतकों से आया है और क्या वह सामान्य उतक हैं, वाशिंगटन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर कोलिन प्रिस्चार्ड का मानना है कि निकट भविष्य में एमसीईडी परीक्षण कैंसर की जांच को पूरी तरह से बदल सकता है। एमसीईजी टेस्ट की खास बात यह है कि वे अलग-अलग डीएनए मिथाइलेशन पैटर्न के जरिये कई तरह के कैंसर की पहचान कर सकते हैं। फिलहाल कई तरह के एमसीईटी विकसित किये जा रहे हैं और क्लीनिकल ट्रायल के दौर में हैं। इनका कैसे उपयोग होगा यह अभी तय नहीं हुआ है। इसे तय होने में लंबा वक्त लग सकता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि एमसीईडी परीक्षण लिक्विड बायोप्सी की तुलना में अलग है। यह शुरुआती स्तर के कैंसर की पहचान करने का काम करते हैं। जब शरीर में ज्यादा ट्यूमर कोशिकाएं विकसित नहीं हुई होती है। इसके अलावा उम्र के साथ खून में असामान्य डीएनए भी प्राकृतिक रूप से मिलने लगते हैं, जिससे भ्रम की स्थिति बन सकती है, लेकिन नये परीक्षणों में यह समस्या नहीं है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय दासता निवारण दिवस 2 दिसम्बर

दासता का निवारण हमारा सामाजिक दायित्व है

विश्व के सर्वांगीण विकास के बाद भी यदि विश्व में दासता मौजूद है उसका तात्पर्य यही है कि विकास की पहल में हमारी कोशिश में कहीं न कहीं कमी है, और इसी कमी से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र हर वर्ष दासता निवारण की वैश्विक अपील करता है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव का मानना है कि दासता का निवारण हमारा सामाजिक दायित्व है। दासता के निवारण के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के एक संकल्प को 2 दिसम्बर, 1949 को अपनाया गया था। इस संकल्प का निहितार्थ सम्प्रदाय की दासता से मानव मात्र को मुक्त करना था और उसी संकल्प को चिन्हित करते हुए प्रति वर्ष 2 दिसम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय दासता निवारण दिवस' मनाया जाता है। किसी भी विषय, मुद्दे अथवा समस्या पर अंतर्राष्ट्रीय दिवस अथवा सप्ताह के आयोजन का तात्पर्य उस वैश्विक चिन्ता के मुद्दों पर जनता को शिक्षित करना और उस वैश्विक समस्या को दूर करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधनों को जुटाना होता है। इस आयोजन के माध्यम से हम मानवता की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं और यह आयोजन इन उपलब्धियों को सुदृढ़ करने का अवसर भी प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय दिवस के आयोजन का अस्तित्व संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पहले का है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें एक सशक्त समर्थन उपकरण के रूप में अपनाया है और संयुक्त राष्ट्र के अन्य पर्यवेक्षणों को भी चिन्हित करता है।

दासता में जीवनयापन करने वालों की संख्या बढ़ी

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के नवीनतम अनुमानों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में जबरन श्रम और जबरन विवाह के कारण दासता में जीवनयापन करने वालों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 2016 के वैश्विक अनुमानों की तुलना में वर्ष 2021 में दस मिलियन अधिक लोग दासता के इस प्रचलित भाष्य की अवस्था में थे, जिससे दुनियाभर में कुल पचास मिलियन लोग दासता की सीमा में आ गए हैं। महिलाओं और बच्चों की स्वरक्षा प्रणाली कमजोर होती है अतः वे सहज ही दासता का शिकार हो जाते हैं। दासता के मौजूदा भाष्य को यद्यपि कानून में परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन इसका उपयोग एक समग्र स्थिति के रूप में किया जाता है, जिसमें जबरन श्रम, ऋण बंधन, जबरन विवाह और मानव तस्करी जैसी कुप्रथाएं शामिल हैं। अनिवार्य रूप से यह शोषण की स्थितियों को संदर्भित करता है, जिससे कोई व्यक्ति धमकी, हिंसा, जबरदस्ती, धोखे और शक्ति के दुरुपयोग के कारण दासता के दुष्चक्र में फंस जाता है। दासता के प्रचलित भाष्य पर यदि हम विचार करें तो ऐसी दासता सार्वभौमिक है और लगभग हर देश में ऐसी दासता के मामले सामने आते हैं।

जातीय, सांस्कृतिक और धार्मिक कारणों से भी ऐसी दासता पनपती है। जबरन श्रम के कुल मामलों में से 52 फीसदी और जबरन विवाह के करीब 25 फीसदी मामले, ऊपरी-मध्य आय या उच्च आय वाले देशों में दर्ज किए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने जबरन श्रम से जुड़ी दासता को खत्म करने के वैश्विक प्रयासों को मजबूत करने के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रोटोकॉल को भी अपनाया है, जिससे दासता के निवारण में सहायता मिलती है।

अट्ठारहवीं सदी से विश्व में बनने लगा था दासता विरोधी माहौल

विश्व में अट्ठारहवीं शती में पश्चिम में दासता निवारण सम्बन्धी वातावरण बनने लगा था। अमरीकी स्वातंत्र्य युद्ध का एक प्रमुख नारा मनुष्य की स्वतंत्रता था और फलस्वरूप संयुक्त राज्य के उत्तरी राज्यों में वर्ष 1804 तक दासता विरोधी वातावरण

बनाने में मानवीय मूल अधिकारों पर घोर निष्ठा रखने वाली फ्रांसीसी राज्यक्रांति का सबसे अधिक महत्व रहा। अमरीकी महाद्वीपों के सभी देशों में दासता विरोधी आंदोलन प्रबल होने लगे थे। संयुक्त राज्य अमरीका के उदारवादी उत्तर राज्यों में दासता का विरोध जितना प्रबल होता गया उतनी ही प्रतिक्रियावादी दक्षिण के दास राज्यों में दासों के प्रति कठोरता बरती जाने लगी तथा यह तनाव इतना बढ़ा कि अंततः उत्तरी तथा दक्षिणी राज्यों के बीच गृहयुद्ध छिड़ गया। इस युद्ध में अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में दास विरोधी एकतावादी उत्तरी राज्यों की विजय हुई। वर्ष 1888 के अधिनियम के अनुसार संयुक्त राज्य में दासता पर खड़े पुर्तगाली ब्राजील साम्राज्य का पतन हुआ। शनैः शनैः अमरीकी महाद्वीपों के सभी देशों से दासता का उन्मूलन होने लगा। वर्ष 1890 में ब्रसेल्स के अट्ठारह देशों के सम्मेलन में हब्श दासों के समुद्री व्यापार को अवैधानिक घोषित किया गया, वर्ष 1919 के सैंट जर्मेन सम्मेलन में तथा वर्ष 1926 के लीग ऑव नेशंस के तत्वावधान में किए गए सम्मेलन में हर प्रकार की दासता तथा दास व्यापार के संपूर्ण उन्मूलन संबंधी प्रस्ताव पर सभी प्रमुख देशों ने हस्ताक्षर किए। ब्रिटिश अधिकृत प्रदेशों में वर्ष 1833 में दास प्रथा समाप्त कर दी गई। अन्य देशों में कानूनन दासता की समाप्ति का जहां तक सवाल है भारत में वर्ष 1846, स्वीडन में वर्ष 1859 में, ब्राजील में वर्ष 1871 में अफ्रीकन संरक्षित राज्यों में वर्ष 1897 और वर्ष 1901 में, फिलिपीन में वर्ष 1902 में, अबीसीनिया में वर्ष 1921 में कानूनन दासता समाप्त हुई थी। बीसवीं शती में प्रायः सभी राष्ट्रों ने दासता को अमानवीय तथा अनैतिक मानकर उसके उन्मूलनार्थ कदम उठाए थे।

दासता किसी भी स्वरूप में हो उसे स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता

मौजूदा परिप्रेक्ष्य में दासता की यदि हम बात करें तो दासता विश्व के पूरे इतिहास में अलग-अलग तरीकों से विकसित और प्रकट हुई है। आज भी दासता के कुछ पारम्परिक रूप पहले के सादृश्य ही कायम हैं। जबकि दासता के कुछ नये प्रारूप भी देखने को मिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकाय ने दासता के पुराने रूपों का व्यापक दस्तावेजीकरण किया है, जो पारम्परिक मान्यताओं और रीति-रिवाजों के छद्म में मौजूद हैं। दासता के ये रूप समाज में सबसे कमजोर समूहों के खिलाफ लम्बे समय से चले आ रहे भेदभाव का परिणाम हैं, जैसे कि निम्न जाति, आदिवासी, अल्पसंख्यक और देशी लोगों को बड़ी सुगमता से दासता की बेड़ी में जकड़ा जा सकता है। दासता किसी भी स्वरूप में हो उसे स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है।

वैश्विक समुदाय, स्थानीय सरकारें और स्वयंसेवी

संस्थाएं भी लगातार हर स्वरूप की दासता को समाप्त करने की दिशा में प्रयत्नशील हैं। दासता का सबसे निन्दनीय स्वरूप बाल श्रम के रूप में दासता है। दुनियाभर में दस में से एक बच्चा काम करता है। अधिकांश बाल श्रम आर्थिक शोषण का सबसे चिन्तनीय पहलू है। बाल अधिकारों की वैश्विक उद्घोषणा में बच्चों को आर्थिक शोषण से बचाने को सबसे प्रमुख अधिकार बताया गया है। ऐसे काम को करने से रोकने को है जो खतरनाक हो सकते हैं या बच्चे की शिक्षा में हस्तक्षेप कर सकते हैं, या हानिकारक हो सकते हैं उसे बाल अधिकार संरक्षण में शामिल किया गया है। बच्चे का स्वास्थ्य या शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, नैतिक या सामाजिक विकास बच्चे का मूल अधिकार है।

दासता के विभिन्न स्वरूप पर कार्यवाही की अनुशंसा

दासता विरोधी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं- वॉक फ्री और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन के बीच सहयोग कर आईएलओ के माध्यम से एक रिपोर्ट भी तैयार की गई थी। रिपोर्ट में कई कार्रवाइयों की अनुशंसा के प्रस्ताव भी पारित किये गये, जो एक साथ और तेजी से दासता के विभिन्न स्वरूपों को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को चिन्हित करेंगे। इनमें कानूनों और श्रम निरीक्षणों में सुधार करना और उन्हें लागू करना, सरकार द्वारा थोपे गए बेगार को समाप्त करना, जबरन श्रम और व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं में मानव तस्करी से निपटने के लिए मजबूत उपाय, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार, और कानूनी सुरक्षा को मजबूत करना भी शामिल किया गया था। रिपोर्ट में बिना किसी अपवाद के विवाह की कानूनी उम्र बढ़ाकर अट्ठारह वर्ष करना शामिल है। अन्य उपायों में प्रवासी श्रमिकों के लिए तस्करी और जबरन श्रम के बढ़ते जोखिम को कम करना, दासता से बचाव के लिए निष्पक्ष और नैतिक संव्यवहार को बढ़ावा देना और महिलाओं, लड़कियों और कमजोर व्यक्तियों के लिए अधिक समर्थन देना भी शामिल था। इस रिपोर्ट में जबरन श्रम के दासता के पारम्परिक रूपों, जैसे बंधुआ मजदूरी और ऋण बन्धन के प्रकरणों में कार्रवाई की भी अनुशंसा की गई है। इनमें प्रवासी श्रमिकों की दासता प्रमुख है जिनका विश्व अर्थव्यवस्था में हर प्रकार के आर्थिक शोषण के लिए तस्करी की गई है। घर में काम करने वाले व्यक्तियों निर्माण उद्योग, खाद्य और परिधान उद्योग और कृषि क्षेत्र में दासता और जबरन वेश्यावृत्ति के रूप में शारीरिक और मानसिक दासता का भी उल्लेख है।

दासता निवारण की रिपोर्टिंग और आईएलओ की टूलकिट

किसी भी जनसमस्या के समाधान में सत्ता, समाज और स्वैच्छिक संगठनों के समान ही मीडिया की भी प्रमुख भूमिका होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का भी मानना है कि दासता निवारण जैसे मुद्दे पर भी पत्रकारों की जो अहम् भूमिका होती है वह बेहद महत्वपूर्ण होती है। दासता की अपमानजनक प्रथाओं के खिलाफ तो मीडिया अपनी आवाज उठाता ही है वह दासता के कारण मानव और श्रम अधिकारों के हनन के पहलू को भी उजागर करता है। इसी परिप्रेक्ष्य में आईएलओ ने मीडिया के लिए एक टूल किट भी तैयार किया है। यह टूलकिट मीडिया पेशेवरों को जानकारी और सलाह देगा खासतौर पर श्रमिकों की दासता पर प्रभावी ढंग से रिपोर्ट कैसे करें। टूलकिट में माइग्रेशन पर मीडिया-फ्रेंडली शब्दावली भी शामिल है। इस टूलकिट के मनोभाव का अनुसरण कर दासता निवारण पर पिछले दिनों कार्टून विधा का भी उपयोग किया गया। पुर्तगाल, उज्बेकिस्तान और तुर्की के तीन कार्टूनिस्टों ने दासता निवारण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक अंतर्राष्ट्रीय कार्टून प्रतियोगिता में शीर्ष पुरस्कार जीते। उन्हें पैंसठ देशों के कार्टूनिस्टों की चार सौ साठ प्रविष्टियों में से निर्णायकों और आम जनता के एक पैनल द्वारा चुना गया। कार्टून से अपना मंतव्य स्पष्ट करने का यह एक अच्छा प्रयास था। इसी प्रतियोगिता में पुर्तगाली कार्टूनिस्ट, गार्गालो वास्को को शीर्ष पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021
परीक्षा दिनांक 06.11.2022 (रविवार)

परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्रमांक 10351/40/2022/अनु.-10 **इंदौर, दिनांक : 29.11.2022**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021, हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। जिसका विवरण निम्नानुसार है -

(01) विज्ञापन क्रमांक-17/2021/30.12.2021 ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 01.03.2022।

(A) शुद्धि पत्र क्रमांक 01/17/2021, दिनांक 30.05.2022 (शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 हेतु रोज़गार पंजीयन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आयु सीमा छूट तथा ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना।

(B) शुद्धि पत्र क्रमांक 02/17/2021, दिनांक 11.10.2022 (शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 की परीक्षा के आयोजन विषयक सूचना।

(C) शुद्धि पत्र क्रमांक 01/12-13-17-18/2021, दिनांक 27.01.2022 (आयुर्वेद, होम्योपैथी, शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी परीक्षा-2021)।

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 जिला मुख्यालय इंदौर के केंद्रों पर दिनांक 06.11.2022 (रविवार) को एक सत्र में दोपहर 12.00 बजे से 03.00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है:-

शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021
Branch Officer/Estate Manager Exam-2021

क्र.	पद का नाम	रिक्त पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पदों की संख्या				कुल पदों की संख्या
		UR	SC	ST	OBC	EWS	UR	SC	ST	OBC	EWS	OH	VH	HH	MD	
1.	शाखा अधिकारी/ संपदा प्रबंधक	3	2	2	3	1	1	1	1	1	-	-	1	-	-	11

04. राज्य सेवा परीक्षा 2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के 'पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 29 सितम्बर, 2022' के प्रकाश में आयोग द्वारा अपनी बैठक में दिनांक 29.09.2022 के निर्णय क्र.-26 में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन करते हुये राज्य सेवा एवं अन्य भर्ती परीक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया -

परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जाये -

1. सर्वप्रथम सभी विज्ञापनों में अन्य पिछड़ा वर्ग के वर्तमान विज्ञापित पदों को 27 प्रतिशत मान्य करते हुये उन्हें 14 प्रतिशत मुख्य भाग हेतु एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग हेतु गणना कर पृथक-पृथक किया जाये। साथ ही समस्त विभागों से 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के विज्ञापित पदों का विभाजित विवरण मांग लिया जाये।
2. उपरोक्त विभाजित 14 प्रतिशत पदों को अन्य वर्गों हेतु विज्ञापित पदों में जोड़कर कुल विज्ञापित पदों के 87 प्रतिशत पदों को मुख्य भाग लेकर परीक्षा परिणाम घोषित किया जाये।
3. उपरोक्त (1) की गणना के अनुसार प्राप्त अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष 13 प्रतिशत पदों के लिये अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को लेकर विज्ञापित पद संख्या के आधार पर प्रावधिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जाये। सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पात्रतानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शार्टलिस्टेड) प्रावधिक अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे।
   माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गये 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
4. समस्त चयन प्रक्रियाओं में साक्षात्कार आयोजन के समय तक संबंधित विभागों से सामान्य प्रशासन विभाग के संदर्भित पत्र के संदर्भ में पुनरीक्षित अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विभाजित पद विवरण सहित सभी पदों का विज्ञापित पद विवरण अनिवार्यतः मांग लिया जाये। विभागों से पुनरीक्षित पद विवरण प्राप्त होने के उपरांत विज्ञापित पदों के मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के पदों की विज्ञप्ति प्रकाशित की जाये।
5. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का वचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाये।
6. साक्षात्कार के उपरांत माननीय न्यायालय को वस्तुस्थिति से अवगत करवाते हुये अंतिम परीक्षा परिणाम जारी करने के पूर्व पूर्वानुमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाये।
7. तत्पश्चात् मुख्य भाग (87 प्रतिशत) का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर अनुशंसा संबंधित विभागों को प्रेषित की जाये।
8. प्रावधिक भाग का अंतिम चयन परिणाम दोनों वर्गों (अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग) के लिये तैयार कर दो पृथक-पृथक सीलबंद लिफाफों में रख दिया जाये। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के पश्चात जिस भी वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में निर्णय होता है वह लिफाफा खोलकर चयन परिणाम घोषित कर विभागों को अनुशंसा प्रेषित की जाये।
9. सभी लंबित लिखित परीक्षाओं/साक्षात्कार होने वाले या सम्पन्न हो चुके भर्ती परीक्षाओं के परिणाम यथाशीघ्र घोषित किये जायें।
10. उपरोक्त प्रक्रिया का पालन करने के पूर्व सामान्य प्रशासन विभाग के संदर्भित पत्र का उल्लेख करते हुये परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया से संबंधित विज्ञप्ति प्रकाशित की जाये।
11. समस्त परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका डब्ल्यू.बी.-5901/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन होंगे।

05. शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार दो भागों में है- (अ) मुख्य भाग (87 प्रतिशत) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु रखे जाने हैं)। तदानुसार अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद-3 है, जिसका मुख्य भाग में 14 प्रतिशत के मान से 2 पद तथा प्रावधिक भाग में 13 प्रतिशत के मान से 1 पद लिया गया है।

मुख्य भाग-अ

मुख्य भाग-अ के लिये शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 हेतु उपरोक्त पदों के 03 गुना + समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल अभ्यर्थियों की श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार हैं -

श्रेणी	03 गुना + समान अंक
अनारक्षित (UR)	11
अनुसूचित जाति (SC)	7
अनुसूचित जनजाति (ST)	4
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	9
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	3
कुल	**34**

शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 के परीक्षा परिणाम में मुख्य भाग-अ के लिये प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाये गये **कुल-34** आवेदकों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार हैं-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
BRANCH OFFICER/ESTATE MANAGER EXAMINATION 2021 PART A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES QUALIFIED FOR INTERVIEW

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	100002	8.	100372	15.	100512	22.	100863	29.	101453
2.	100019	9.	100376	16.	100527	23.	100876	30.	101509
3.	100063	10.	100408	17.	100529	24.	100896	31.	101571
4.	100158	11.	100412	18.	100558	25.	101006	32.	101606
5.	100262	12.	100437	19.	100661	26.	101336	33.	101705
6.	100274	13.	100464	20.	100687	27.	101400	34.	101751
7.	100289	14.	100468	21.	100768	28.	101411		

प्रावधिक भाग-ब

शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 के परीक्षा परिणाम में प्रावधिक भाग-ब हेतु उपरोक्त पदों के 03 गुना + समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल अभ्यर्थियों की श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार हैं-

श्रेणी	03 गुना + समान अंक
अनारक्षित (UR)	4
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	3
कुल	**7**

शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 के परीक्षा परिणाम में प्रावधिक भाग-ब के लिये प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाये गये **कुल-7** आवेदकों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार हैं-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
BRANCH OFFICER/ESTATE MANAGER EXAMINATION 2021 PART B (PROVISIONAL)
ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES QUALIFIED FOR INTERVIEW

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	100024	3.	100727	5.	100747	7.	101446
2.	100621	4.	100731	6.	101241		

अभिलेख प्रेषित करने हेतु निर्देश :-

01 उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।
02 उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
03 व्यक्तिगत विवरण-01 मूल प्रति व 5-छायाप्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
04 अनुप्रमाणन-फॉर्म 03 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
05 शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
06 घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा में विवर्जित होने संबंधी-01 मूल प्रति) (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
07 अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाले घोषणा पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
08 हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा की अंकसूची।
09 किसी भी संकाय में उपाधि + मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)।
10. मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की प्रति (प्रमाण पत्र में गोल सील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख आवश्यक है।)
11 आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मध्यप्रदेश शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने का दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (केन्द्र शासन की सेवाओं हेतु मान्य जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे। मध्यप्रदेश शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण पत्र मान्य होंगे।)
12 ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी की पात्रता रखने वाले आवेदक ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र।
13 मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में मध्यप्रदेश रोज़गार कार्यालय के जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति।
14 महिला आवेदकों हेतु विवाहोपरांत/उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति।
15 शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति। (अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त न हुआ हो, तो विभाग को अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु प्रस्तुत पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करें।)
16 अन्य कोई प्रमाण पत्र (यदि हो, जिसका ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख हो की छायाप्रति।)

06 उपरोक्तानुसार क्रम में प्रमाण पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर दिनांक 30.12.2022 तक आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन आवेदकों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही आवेदक को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की तिथि पृथक से घोषित की जाएगी।

महत्वपूर्ण टीप :-

01. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक है। यदि अभ्यर्थी शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं, तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
02. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
03. महिला आरक्षण में आरक्षित वर्ग की वे महिला अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
04. **शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021** के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी। साक्षात्कार की विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर जारी कर दी जाएगी।
05. **न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।**
06. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणामस्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
07. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह प्रत्याशियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा।
08. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई भी तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है, तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।
09. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी.-5901/2019 एवं संबंधित अन्य याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
10. आवेदकों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख दिनांक 30.12.2022 तक निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति, सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी एरिया, इंदौर (म.प्र.)-452001

लिफाफे पर **शाखा अधिकारी/संपदा प्रबंधक परीक्षा-2021** के साक्षात्कार हेतु अभिलेख अवश्य लिखें।

जी-19874/47825/2022 **उप परीक्षा नियंत्रक**

वन विभाग के अंतर्गत वन रक्षक एवं क्षेत्र रक्षक (कार्यपालिक) एवं जेल विभाग के अंतर्गत जेल प्रहरी (कार्यपालिक) पदों की सीधी भर्ती परीक्षा-2022-23 के संबंध में

आवेदन पत्र भरने की तिथि	ऑनलाइन परीक्षा पद्धति	आवेदन पत्र में संशोधन करने की
20.01.2023 से 03.02.2023 तक	समय सारणी	तिथि 20.01.2023 से 08.02.2023

परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
11.05.2023	प्रथम	प्रातः 08:00 से प्रातः 09:00 बजे तक	प्रातः 10:00 से दोपहर 12:00 बजे तक (02 घंटे)
से प्रारम्भ	द्वितीय	दोपहर 1:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	दोपहर 03:00 से सायं 05:00 बजे तक (02 घंटे)

परीक्षा शहर :- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रतलाम, सागर, सतना, खण्डवा, सीधी एवं रीवा।

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा की विस्तृत नियम पुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.peb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.peb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **परीक्षा शुल्क**

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/-
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	रु. 250/-
ऑनलाइन आवेदन - कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉग-इन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-
सीधी भर्ती-बैकलॉग	कोई शुल्क नहीं

विशेष निर्देश :

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पेन कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अतः जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक है वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, घड़ी एवं नकल पर्चा आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु पीईबी की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.बी. द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अतः कंम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णतः प्रावधिक (Provisional) होगी।
10. उपरोक्त सभी पदों के लिये अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य होगा।
11. मध्यप्रदेश के विशेष आदिम जनजाति समुदाय जैसे बैगा, सहारिया/सहरिया एवं भारिया अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को वनरक्षक एवं क्षेत्र रक्षक (कार्यपालिक) पदों के लिये अपने आवेदन पत्र समस्त आवश्यक प्रमाण-पत्र संलग्न करते हुये हार्डकॉपी में (नियम पुस्तिका के प्रारूप-3 में) आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि तक मंडल को न भेजते हुए सीधे संबंधित विभाग को पृथक-पृथक आवेदन प्रेषित करना होगा। मण्डल को प्रेषित आवेदन पत्र अमान्य माना जावेगा।
12. जेल विभाग के पद कार्यपालिक होने की स्थिति में भर्ती हेतु आदिम जनजाति, (बैगा, सहारिया/सहरिया एवं भारिया) के अभ्यर्थियों को परीक्षा से छूट का प्रावधान नहीं होगा वे अभ्यर्थी अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन करें। (ऐसी स्थिति में नियम पुस्तिका की बैगा, सहारिया एवं भारिया से संबंधित सभी कण्डिकाएं विलोपित मान्य होंगी।

विशेष नोट- मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

म.प्र.पत्र/107451/2022

विज्ञापन क्र. 33/2022 **संचालक**

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

R-47834/2022

Madhya Pradesh Employees Selection Board (MPESB)

'चयन भवन' मेन रोड नं.-1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल-462011, FAX : +91-0755-2550498, Website : www.peb.mp.gov.in

---

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

ईमेल : eervskvv@gmail.com, फोन: 0751-2970502 (O), 0751-2970504 (FAX)

क्र./जन.सं./का.यं./2022/1963 दिनांक : 29/11/2022

//प्रेस विज्ञप्ति//

निविदा सूचना क्रमांक/**1920** दिनांक **26.11.2022** रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अन्तर्गत भवन निर्माण/अन्य कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा **2022_RVSKV_235416_1 (Const. of seed godown, Labour Toilet and fecing work at KVK Alirajpur), 2022_RVSKV_235417_1 (Const. of Cold Storage building at KVK Morena),** एवं **2022_RVSKV_235418_1 (Renovate the old Structure of Honey Processing Unit/plant, Packing and branding chamber at KVK Morena)** आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि **23.12.2022** तक है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल **https:www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। ATUL

कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

R-47846/2022

मान ग्रुप ऑफ कॉलेज

सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल–462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

इंडियन नर्सिंग कांउसिल, नई दिल्ली, मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन कांउसिल, भोपाल, म.प्र. पैरामेडिकल कांउसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश जारी सत्र 2022-23

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ नर्सिंग **(एम.एस.सी नर्सिंग)**– योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग	2 वर्ष
2.	मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन **(एम.एम.एल.टी.)** योग्यता बी.एम.एल.टी.	2 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी **(एम.पी.टी.)** –योग्यता बी.पी.टी.	2 वर्ष
4.	बैचलर इन फिजियोथेरेपी **(बी.पी.टी.)**– 6 माह इंटर्नशिप	4½ वर्ष
5.	बी एस, सी इन एक्स–रे **(बी.एक्स.आर.टी)**	3 वर्ष
6.	सर्टिफिकेट इन **एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन**	1 वर्ष

क्रमांक 4 से क्रमांक 6 के लिए योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछडे वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। LAKECITY

R-47831/2022

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्र.-03, भोपाल-462003
Mobile : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआआविनि/863/पयं/भोपाल-03/तशा/2022 भोपाल, दि. : 29.11.2022

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत निविदा क्रमांक.-09/2022-23 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक-235065) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 09.12.2022 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107456/47835/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधो.वि. निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./1386/तशा/प.यं./2022 दिनांक : 29.11.2022

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में विभिन्न निर्माण/मरम्मत/उन्नयन कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक (1) 2022_MPPHC_235260_1, (2) 2022_MPPHC_235261_1 **दिनांक 10.12.2022 तक समय 17.00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107481/47839/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक 02, भोपाल
मोबा. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र. मप्रपुआआविनि/722/पयं/भोपाल-02/तशा/2022 भोपाल, दिनांक 30.11.2022

प्रेस विज्ञप्ति

शासकीय चन्द्रशेखर आजाद हायर सेकेन्ड्री स्कूल भोपाल के उन्नयन कार्य हेतु निविदा क्रमांक 08/2022-23 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No- 2022_MPPHC_235390_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 07.12.2022 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107498/47842/2022 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011

IFB No. - WB –44/1032

No./16984/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated : 02.12.2022

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for construction and up-gradation of Rural Roads of Gravel Standard Constructed under CMGSY to Black top Standards under World Bank and AIIB Financed MPRC Project P-157054, as under :

S. No.	Name of District	Number of Packages	No. of Roads	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Narsinghpur	1	4	19123000/-

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **02.12.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/107520/47849/2022 **(TENDER)**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02
डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002
E-mail : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 18/2022-23 (30 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जयसिंह नगर जिला शहडोल का 50 बिस्तर सिविल अस्पताल में बाह्य विद्युतीकरण कार्य 2×200 KVA ट्रान्सफार्मर मय उच्च दाब एवं निम्न दाब सहित कार्य संपन्न करना (ऑनलाइन निविदा क्र. 2022_MPPHC_235659) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 08.12.2022 दोपहर 12:00 बजे तक** सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/107514/47844/2022 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./16633/22/D-12/MPRRDA/2022
Bhopal, Dated : 29/11/2022

NOTICE INVITING TENDER No. 1031 (PMGSY-III, Batch-I, Year 2021-22)

Online item rate Tenders for Construction/Up-gradation of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in**. as detailed below :

- **Name of work** - Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY using "Full Depth Reclamation (FDR) by in-situ Stabilization using cement/cement with additives", including maintenance for Five Year after construction.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Indore	1	232832000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase **online from 01.12.2022 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **16.12.2022 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

Madhyam/107467/47836/2022

म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

कार्यालय महाप्रबंधक, परि. क्रिया. इकाई क्र.1, रीवा
(RRNMU भवन, वार्ड क्र. 4, चन्द्रलोक होटल के पीछे चोरहटा, रीवा)

विज्ञप्ति

क्रमांक 1497/ग्रा.स./स्था/2022 **रीवा, दिनांक : 29.11.2022**

मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय रीवा एवं महाप्रबंधक, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परि. क्रिया. इकाई क्र. 1, रीवा में सहायक ग्रेड 1/2 का 01 पद रिक्त है। पद की पूर्ति प्रतिनियुक्ति एवं संविदा पर कार्य विभाग में कार्यरत कर्मचारियों अथवा सेवा निवृत्त कर्मचारियों से की जाना है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पदनाम	नियुक्ति का प्रकार	प्रतिनियुक्ति के लिए अर्हता/वेतन विवरण	संविदा नियुक्ति के लिए अर्हता/वेतन विवरण/आयु सीमा आदि
1.	सहायक ग्रेड 1/2	प्रतिनियुक्ति/संविदा	म.प्र.कार्य विभाग में कार्यरत सहायक ग्रेड 2 जिन्हें इस पद पर 5 वर्ष का अनुभव हो प्रतिनियुक्ति हेतु मूल विभाग में देय वेतन भत्ते पर।	म.प्र. के कार्य विभाग से सेवानिवृत्त कार्यालय सहायक ग्रेड-2 **वेतन-** संविदा हेतु सेवानिवृत्ति के पूर्व देय कुल वेतन से पेंशन एवं राहत राशि घटाकर, शेष राशि। **आयु-** अधिकतम 63 वर्ष (विज्ञापन दिनांक को)

प्रतिनियुक्ति से पद की पूर्ति न होने की स्थिति में इन्हें संविदा आधार पर भरा जाना प्रस्तावित है। अतः इच्छुक अभ्यर्थी इस हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

इच्छुक अभ्यर्थी प्रतिनियुक्ति हेतु उचित माध्यम से (विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित) आवेदन पत्र प्रस्तुत करें एवं संविदा पदस्थापना हेतु सीधे आवेदन प्रस्तुत किए जाएं। आवेदन पत्र जमा करने की **अंतिम तिथि 15.12.2022** है।

म.प्र. माध्यम/107471/47837/2022 **महाप्रबंधक**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31, गोविन्दपुरी
सचिन तेन्दुलकर मार्ग, गोविन्दपुरी चौराहा, सिटी सेंटर, ग्वालियर, पिन-474011
mpphcchambalmp@gmail.com

क्रमांक /1531/निविदा/तशा./म.प्र.पु.आ.अधो.वि.नि./2022 **ग्वालियर, दिनांक : 01.12.2022**

नीलामी विज्ञप्ति सूचना क्रमांक 15/2022-23

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित लोक भवन के तोड़े जाने एवं निकलने वाली भवन सामग्री की नीलामी संभागीय कार्यालय में दिनांक 16.12.2022 को दोपहर 02:00 बजे से की जावेगी।

स. क्र.	भवन का नाम व स्थान का विवरण जिसे ध्वस्त (डिस्मेन्टल) किया जाकर भवन सामग्री की नीलामी प्रस्तावित है।	सरकारी बोली की राशि	अमानत राशि	एफ.डी.आर. एवं कागजात जमा करने का दिनांक	नीलामी का दिनांक
1.	सी.एम. राईज विद्यालय हेतु चयनित स्थल पुरानी गल्ला मंडी भिण्ड में स्थित टीन शेड, सुलभ कॉम्पलेक्स एवं म.प्र. एग्रो गोडाउन भवन के ध्वस्तीकरण(डिस्मेंटल) करने बावत्।	1125383/-	393885/-	14.12.2022	16.12.2022

शर्तें :-

1. नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को अमानत राशि की एफ.डी.आर./बैंक ड्राफ्ट राष्ट्रीयकृत/अनुमोदित बैंक से जारी जो **'परियोजना यंत्री, म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग क्रमांक 02, ग्वालियर'** के पक्ष में देय हो, जिसमें बोलीदाता का नाम स्पष्ट रूप से अंकित हो, नीलामी की दिनांक के पूर्व **दिनांक 14.12.2022 सायं 05:00 बजे तक** संभागीय कार्यालय में जमा करना होगा।
2. बोलीदाता को अपना पहचान-पत्र (आइडेण्टी प्रूफ) पेन नम्बर, ड्राइविंग लाइसेंस आदि भी प्रस्तुत करना होगा।
3. जिस बोलीदाता की नीलामी बोली उच्चतम होगी, उसे बोली की सम्पूर्ण राशि बोली स्वीकृति सूचना दिनांक से 03 दिवस के अन्दर जमा करना होगी, अन्यथा बोली निरस्त मानी जावेगी एवं जमा अमानत राशि शासन के पक्ष में राजसात की जाकर बोली पत्रक के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।
4. बोलीदाता श्री ब्रजेश कुमार जाटव, सहायक यंत्री (सिविल) से सम्पर्क कर डिस्मेंटल किये जाने वाले भवनों का निरीक्षण किया जाकर वांछित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, ताकि कार्य सम्पादन के समय कोई असमंजस की स्थिति निर्मित न हो।
5. समयावधि में कार्य न करने की स्थिति में ठेकेदार के कारण जितने दिवस विलम्ब होगा उसके लिये रु. 1000/- (एक हजार रुपये) प्रति दिवस क्षतिपूर्ति के रूप में राशि जमा करनी होगी।
6. डिस्मेंटलिंग कार्य हेतु तोड़ी गयी पूरी भवन सामग्री को हटाने (साइट क्लीयरेंस सहित) का कार्य 10 दिवस में पूर्ण करना होगा, अन्यथा विभाग को होने वाले किसी भी नुकसान की क्षतिपूर्ति बोलीदाता द्वारा विभाग को की जावेगी।
7. अमानत राशि की एफ.डी.आर. कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही वापिस की जावेगी।
8. किसी भी विवाद के निराकरण के लिये मुख्य परियोजना यंत्री, म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, भोपाल का निर्णय मान्य होगा।
9. शेष शर्तें एवं जानकारी कार्यालयीन समय में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

म.प्र. माध्यम/107497/47841/2022 **परियोजना यंत्री**

MAHARANA PRATAP SCHOOL OF NURSING

VILLAGE AMLA SARVAR ROAD NEAR RATIBAD BHOPAL
(Recognized by Indian Nursing Council New Delhi, and affiliated to MP Nurse Registration council Bhopal)
Contact: 9425651620

REQUIRED

- **PRINCIPAL- 01** (MSC Nursing Mini. 15 Yrs Experience)
- **VICE PRINCIPAL- 01** (MSC Nursing Mini. 12 Yrs Experience)
- **ASSOCIATES PROFESSOR - 02** (MSC Nursing Mini. 8 Yrs Experience)
- **ASSISTANT PROFESSOR - 04** (MSC Nursing Mini. 4 Yrs Experience)
- **TUTOR TEACHER-** (BSC Nursing Mini. 3 Yrs Experience)
- **TELECALLER -1, DOCTOR BHMS - 1**
- **ADMIN ASSISTANCE/SCHOLARSHIPS INCHARGE**

Send resume -mpsnbhopal@gmail.com **Chairman**

Vikalpadvt. R-47851/2022

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (i) Ltd.)
CIN : U51102MP1977SGC001392
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452001
(M.P.) Ph. : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax : 0731-2972629
Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in

No. MPIDC/ROIND/TECH/22/8892 **Date : 29.11.2022**

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for the following work. The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Name of Work	Probable amount of contract (in Lakh)	EMD (in Rs.)	Cost of Tender form (in Rs.)	Last date of Submission of Tender
Balance work of Turnkey Project of Common Effluent Treatment Plant Capacity 0.4 MLD based on 100% ZLD concept (MEE) with complete infrastructure on turnkey basis, including 1 year operation & maintenance at I/A Meghnagar Distt. Jhabua **(III Call)**	500.00	500000/-	17700/-	21.12.2022
Providing Wire fencing & Metal Beam Crash Barrier at Sector – 5 & 6, I/a Pithampur	231.00	231000/-	17700/-	29.12.2022

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.

M.P. Madhyam/107472/47838/2022 **EXECUTIVE ENGINEER**

पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेन्टर

(मध्यप्रदेश सोसायटी एक्ट 1973 के तहत)
दीक्षा भवन, गोविन्दपुरा भोपाल (म.प्र.)-462023, फोन : 0755-2602033-36, Ext. : 259, 260, 261)

विज्ञप्ति
स्नातक एवं डिप्लोमा/तकनीकी अप्रेंटिस प्रशिक्षु के नियोजन बाबत्

पावर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेन्टर, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड भोपाल का एक स्वशासी प्रशिक्षण केन्द्र है। पी.डी.टी.सी. के द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में शासकीय मान्यता प्राप्त संस्थान अथवा पालीटेक्निक कॉलेजों से स्नातक अथवा डिप्लोमा उत्तीर्ण उम्मीदवारों से एक वर्ष के अप्रेंटिस प्रशिक्षण हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं:-

क्र.	पाठ्यक्रम का विवरण	स्नातक अप्रेंटिस (शिष्यावृत्ति रु. 9000/-प्रतिमाह)					डिप्लोमा/तकनीकी अप्रेंटिस (शिष्यावृत्ति रु. 8000/-प्रतिमाह)					
		सामान्य	अ. पि.व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल	सामान्य	अ. पि.व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल	कुल योग
1.	सिविल	1	0	1	1	3	0	0	0	1	1	4
2.	इलेक्ट्रिकल्स/इलेक्ट्रिकल्स व इलेक्ट्रोनिक्स	14	3	3	4	24	4	1	4	2	11	35
3.	आई.टी.	2	0	1	0	3	-					3
	योग	**17**	**3**	**5**	**5**	**30**	**4**	**1**	**4**	**3**	**12**	**42**

i. अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण पर माननीय उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश के निर्णयानुसार रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

ii. उक्त रिक्तियों की संख्या परिवर्तनशील है तथा पी.डी.टी.सी. को रिक्तियां भरने या न भरने का अधिकार रहेगा।

योग्य इच्छुक उम्मीदवार आवेदन पत्र कंपनी की वेबसाइट **portal.mpcz.in** से डाउनलोड कर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेन्टर दीक्षा भवन, गोविन्दपुरा भोपाल (म.प्र.)-462023) में **दिनांक 31.12.2022 सायं 5:30 बजे तक** प्रस्तुत कर सकते हैं। विस्तृत विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/107493/47840/2022 **निदेशक (पी.डी.टी.सी.)**

मध्यप्रदेश के इतिहास में बिजली की सर्वाधिक मांग 15748 मेगावॉट का नया रिकॉर्ड दर्ज

भोपाल, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश के इतिहास में 27 नवम्बर को प्रातः 10.53 बजे सर्वाधिक बिजली मांग का नया रिकॉर्ड कायम हुआ। इस दिन प्रदेश में बिजली की मांग 15748 मेगावॉट दर्ज हुई। इससे पूर्व प्रदेश में सर्वाधिक बिजली की मांग 24 दिसंबर 2021 को 15692 मेगावॉट दर्ज हुई थी।

प्रदेश में जब बिजली की मांग 15748 मेगावॉट पर दर्ज हुई उस दौरान मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (जबलपुर, सागर तथा रीवा संभाग) में 4319 मेगावॉट, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (भोपाल एवं ग्वालियर संभाग) में 4808 मेगावॉट और मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (इंदौर एवं उज्जैन संभाग) में बिजली की अधिकतम मांग 6313 मेगावॉट दर्ज हुई। रेलवे को 308 मेगावॉट बिजली दी गई।

चोइथराम कॉलेज

ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़
Affiliated to DAVV, Indore
धार रोड, इंदौर

REQUIRES

Assistant Professor / Associate Professor / Professor for Yoga, English, Biotech, Mass Communication, Physics, Chemistry, Zoology, Maths, Hindi, Management & Commerce, Computer Science, Sociology, MSW, Geology, Librarian, Sports, Lab. Attendants.

Email CV with Photo to HR Manager
career@choithramfountaintrust.com
call:9926999547

Adcom R-47832/2022

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, रीवा (म.प्र.), Phone- 9425601523/8871571988

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत वाह्य विद्युतीकरण कार्य आर.एफ.एस.एल. रीवा जिला रीवा एवं वाह्य विद्युतीकरण कार्य 1सी+12एफ+32एच आवासगृह पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय रीवा, जिला रीवा के कार्य हेतु निविदा क्रमांक 15/2022-23 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHC/TENDER NO. 2022_MPPHC_235722_1 & 235725) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.12.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107522/47850/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mob. No. 9425601534, ई-मेल - bhopaldivision2@gmail.com

क्र.- मप्रपुआअविनि/728/प.यं/भोपाल-02/तशा/2022 भोपाल, दिनांक 01.12.2022

प्रेस विज्ञप्ति

"सीएम राईज योजना अंतर्गत जिला भोपाल में शासकीय बालक उ.मा.वि. बैरसिया भोपाल का निर्माण एवं उन्नयन कार्य हेतु निविदा क्रमांक-11/2022-23 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक- MPPHCL/TENDER NO-2022_MPPHC_235624_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.12.2022 समय 5.00 बजे** तक ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107519/47848/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक 02, भोपाल
मोबा. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com

क्र. मप्रपुआअविनि/723/पयं/भोपाल-02/तशा/2022 भोपाल, दिनांक 30.11.2022

प्रेस विज्ञप्ति

'जिला राजगढ़ में नवीन वर्कशॉप एवं रिब्राउनिन्ग हॉल के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-09/2022-23 ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2022_MPPHC_235397_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 12.12.2022 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107499/47843/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा–2020

संशोधित चयन - सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

क्रमांक 10355/05/2022/चयन इन्दौर, दिनांक : 29.11.2022

पदनाम - सहायक यंत्री, सिविल

01/ आयोग के विज्ञापन क्रमांक 05/2020 दिनांक 29.12.2020 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन के विभिन्न 04 विभागों के लिए कुल 72 पद (अनारक्षित-20, अ.जा.-12, अ.ज.जा.-13, अ.पि.वर्ग-20, ई.डब्ल्यू.एस.-07) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-06, अ.जा.-04, अ.ज.जा.-04, अ.पि.वर्ग-06, ई.डब्ल्यू.एस.-02) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित-02, श्रवणबाधित-01 एवं दृष्टिबाधित-01 पद दिव्यांग के लिए आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। विभागवार पदों का वर्गवार विवरण उक्त विज्ञापन एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि में उल्लेखित है। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2020 दिनांक 14.11.2021** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 28.01.2022 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में, शासन के विभिन्न विभागों के अंतर्गत पदनाम - सहायक यंत्री, सिविल हेतु अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 27.06.2022 से 01.07.2022 तक आयोजित किए गए।

02/ म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन के संबंधित विभिन्न विभागों से प्राप्त पत्रों में उल्लेखित रिक्तियों के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 06/05/2020 दिनांक 17.11.2022 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 05/2020 दिनांक 29.12.2020 के अंतर्गत विज्ञापित विभागवार पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का विभागवार पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित विभागवार तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 17.11.2022 के विन्दु क्रमांक 3 में उल्लेखित कंडिका के अनुसार प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।

03/ पदवार चयन सूची क्रमांक 9812/05/2022/चयन इन्दौर, दिनांक 18.11.2022 को घोषित की गई है साथ ही प्राप्तांकों की सूची भी क्रमांक 9813/05/2022/चयन इन्दौर, दिनांक 18.11.2022 को घोषित की गई है। प्राप्तांकों की सूची पूर्ववत् यथावत् है।

04/ उक्त दिनांक 18.11.2022 को घोषित चयन सूची में आंशिक तकनीकी त्रुटि आयोग के संज्ञान में आने के उपरांत दिनांक 18.11.2022 को घोषित चयन सूची में उल्लेखित टीप क्रमांक 3 – "चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्युटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।" के परिप्रेक्ष्य में दिनांक 18.11.2022 को घोषित चयन सूची तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए पदवार (केवल 87 प्रतिशत पदों - मुख्य भाग) संशोधित चयन सूची निम्नानुसार घोषित की जाती है -

1. सहायक यंत्री (सिविल) (लोक निर्माण विभाग)

पद विवरण तालिका

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	4	2	3	2	1	12
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	1	1	1	0	
कुल पदों में से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद						1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	100360	RAJAT SHRIVASTAVA	M	UNR	UNR
2	109605	SOURABH GOUR	M	UNR	OBC
3	103961	RAHUL YADUWANSHI	M	OBC	OBC
4	111151	JITENDRA PANDEY	M	EWS	EWS
5	112314	ADITI RAI	F	UNRF	UNR
6	100644	KUNDAN MANDLOI	M	ST	ST
7	102888	VIKASH KANESH	M	ST	ST
8	105445	DEEPTI SEWAIWAR	F	OBCF	OBC
9	111250	ABHISHEK AHIRWAR	M	SC	SC
10	109192	PRIYANKA ROHITAS	F	SCF	SC
11	102812	PRATIBHA SINGH DODVE	F	STF	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	110123	SHIVSHANT TRIPATHI	M	UNR
2	113088	SAUR SHRIVASTAVA	M	UNR
3	103718	SHUBHAM PATEL	M	OBC
4	102274	SOMBRAT ARJARIYA	M	EWS
5	105303	RAMAGYA GUPTA	F	UNR
6	103279	SANJAY SOLANKI	M	ST
7	107582	TUSHAR MARAVI	M	ST
8	107256	DHARAM DAS AHIRWAR	M	SC
9	107570	ARCHANA DEVI LODHI	F	OBC
10	100878	SAKSHI TANTWAY	F	SC
11	105331	SARITA EVANE	F	ST

2. सहायक यंत्री (सिविल) (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग)

पद विवरण तालिका

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	6	3	3	2	2	16
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	2	1	1	1	1	
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद					1	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	112323	MOHAMMED FAIZAN ALAM KHAN	M	UNR	UNR
2	106869	MEEN KUMAR CHATURVEDI	M	UNR	UNR
3	112651	RAUNAK SINGH CHAUHAN	M	UNR	UNR
4	100529	MO HARUN	M	OBC	OBC
5	112780	RAMESH KUMAR PANDEY	M	EWS	EWS
6	103279	SANJAY SOLANKI	M	ST	ST
7	109761	DHARMENDRA KUMAR	M	SC	SC
8	112640	SHIKHA PANDEY	F	UNRF	UNR
9	111623	AMRITA AGNIHOTRI	F	UNRF	UNR
10	104919	URJA PATEL	F	OBCF	OBC
11	100506	LINKAN ALAWA	M	SC	SC
12	107320	PRATIBHA GUPTA	F	EWSF	EWS
13	111749	MADHU JATAV	F	SCF	SC
14	100178	GAURAV DAWAR	M	ST	ST
15	110158	AMIT TYAGI	M	UNRHD श्रवणबाधित	UNR
16	103790	SHIVANI DAWAR	F	STF	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	104282	PUNEET KUMAR LITORIYA	M	UNR
2	102244	SHIVAM DUBEY	M	UNR
3	108064	NEELENDRA SINGH	M	OBC
4	100854	GAURAV GUPTA	M	EWS
5	105321	SHUBHANGI TIWARI	F	UNR
6	110490	APEKSHA SISODIA	F	UNR
7	112015	POOJA PATIDAR	F	OBC
8	104800	RISHABH NIRAPURE	M	SC
9	106503	AMAN JAISWAL	M	SC
10	103290	SAYSINGH BARDE	M	ST
11	106615	ITI GUPTA	F प्रावधिक	EWS
12	102711	AVINASH RAWAT	M	ST
13	112071	PRACHI GHURE	F	SC
14	100797	SHAKUNTALA DAWAR	F	ST
15	109976	YOGENDRA SHARMA	M प्रावधिक श्रवणबाधित	UNR

3. सहायक यंत्री (सिविल) (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग)

पद विवरण तालिका

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	0	3	1	4	1	9
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	0	1	0	1	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	103718	SHUBHAM PATEL	M	OBC	OBC
2	108430	SATYAM PATEL	M	OBC	OBC
3	113299	SAKET SUHANE	M	EWS	EWS
4	102158	GAJRAJ SINGH CHAUHAN	M	OBC	OBC
5	104245	AKANKSHA SINGH	F	OBCF	OBC
6	104234	BHARATRAM MEHAR	M	SC	SC
7	111800	KESHAV RAIDAS	M	SC	SC
8	108880	RAHUL KUMAR ARMO	M	ST	ST
9	112071	PRACHI GHURE	F	SCF	SC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	102363	NITESH DAGDI	M	OBC
2	102218	ABHISHEK KACHHWAH	M	OBC
3	109407	NEETESH JAIN	M	EWS
4	104919	URJA PATEL	F	OBC
5	113277	PRASHANT KUMAR	M	SC
6	104464	RAKESH AHIRWAR	M	SC
7	108626	SATYAM UIKEY	M	ST
8	111715	ANTIM JATAV	F	SC

4. सहायक यंत्री (सिविल) (जल संसाधन विभाग)

पद विवरण तालिका

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	10	4	6	4	3	27
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	3	1	2	1	1	
कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद					2	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	110123	SHIVSHANT TRIPATHI	M	UNR	UNR
2	113088	SAUR SHRIVASTAVA	M	UNR	UNR
3	112772	PRAKHAR SINGH	M	UNR	UNR
4	100016	LOVELESH GUPTA	M	UNR	UNR
5	112859	SANDEEP SAHU	M	UNR	OBC
6	104659	SHUBHAM KUMAR TIWARI	M	UNR	UNR
7	102376	IQBAL SHEIKH	M	UNR	OBC
8	102216	RAHUL PATIDAR	M	OBC	OBC
9	102274	SOMBRAT ARJARIYA	M	EWS	EWS
10	107326	RAGHVENDRA PAL	M	OBC	OBC
11	105303	RAMAGYA GUPTA	F	UNRF	UNR
12	112302	AAKASH SHARMA	M	EWS	EWS
13	111265	JIGYASHA JAIN	F	UNRF	UNR
14	104265	SAMIKSHA SHUKLA	F	UNRF	UNR

(शेष अगले पृष्ठ पर)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

दंत शल्य चिकित्सक परीक्षा-2022

परीक्षा दिनांक 03.07.2022 (रविवार)

अतिरिक्त परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्रमांक 10453/20/2021/अनु.-10 **इंदौर, दिनांक : 30.11.2022**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर विज्ञापन क्रमांक-01/2022/01.02.2022 ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 14.03.2022, (अ) सूचना-पत्र क्रमांक 02/05/2021, दिनांक 13.04.2022 (परीक्षा आयोजन की सूचना), (ब) विज्ञप्ति क्रमांक 1559/पेड/2022/प.नि., इंदौर, दिनांक 12.05.2022 (स) सूचना-पत्र क्रमांक 04/16/2021 एवं 01/01/2022 दिनांक 18.05.2022, (परीक्षा स्थगन की सूचना), (द) शुद्धि पत्र क्रमांक 02/01/2022, दिनांक 24.05.2022 (रोज़गार पंजीयन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आयु सीमा में छूट तथा ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना), (इ) शुद्धि पत्र क्रमांक 06.16.2021, दिनांक 24.05.2022 (परीक्षा आयोजन की सूचना संबंधी), (फ) विज्ञप्ति क्रमांक 4030/पेड/2022/प.नि., इंदौर, दिनांक 27.06.2022 (परीक्षा आयोजन के संबंध में सूचना) के अंतर्गत उपरोक्त परीक्षा जिला मुख्यालय-इंदौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर स्थित केंद्रों पर दिनांक 03.07.2022 (रविवार) को एक सत्र में दोपहर 12.00 बजे से 03.00 बजे तक आयोजित की गई थी।

02/ आयोग द्वारा उपरोक्त दंत शल्य चिकित्सक परीक्षा-2022 परीक्षा का परिणाम आयोग की विज्ञप्ति क्रमांक-7823/20/2021/अनु.-10 दिनांक 10.10.2022 एवं अतिरिक्त परीक्षा परिणाम विज्ञप्ति क्रमांक 7998/20/2021/अनु.-10 के माध्यम से दिनांक 13.10.2022 को घोषित किया गया था।

03/ तकनीकी त्रुटिवश आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) श्रेणी के साक्षात्कार हेतु वंचित अभ्यर्थियों हेतु पूर्व घोषित परीक्षा परिणाम के अनुक्रम में यह अतिरिक्त परीक्षा परिणाम घोषित किया जा रहा है। अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या निम्नानुसार है-

मुख्य भाग-अ

श्रेणी	कुल विज्ञापित पद	03 गुना + समान अंक	
		पूर्व में दिनांक 10.10.2022 एवं 13.10.2022 को घोषित परीक्षा परिणाम में प्राप्त अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या	अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में प्राप्त अर्ह अभ्यर्थियों की संख्या
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	19	13	2

04/ दंत शल्य चिकित्सक परीक्षा-2022 के अतिरिक्त परीक्षा परिणाम में मुख्य भाग-अ के लिये प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाये गये कुल-2 आवेदकों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
DENTAL SURGEON EXAMINATION 2022 PART A (MAIN) ADDITIONAL
Roll Number Wise List of Candidates Qualified for Interview

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	100569	2.	102918

अभिलेख प्रेषित करने हेतु निर्देश :-

01. उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।
02. उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
03. व्यक्तिगत विवरण-01 मूल प्रति व 5-छायाप्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
04. अनुप्रमाणन-फॉर्म 03 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
05. शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
06. घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा में विवर्जित होने संबंधी-01 मूल प्रति) (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
07. अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
08. हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा की अंकसूची।
09. बी.डी.एस. प्रत्येक वर्ष की अंकसूचियां एवं उपाधि या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कोई समतुल्य उपाधि एवं प्रत्येक वर्ष की अंकसूचियां। (प्रोविजनल उपाधि भी मान्य)
10. मध्यप्रदेश दंत चिकित्सा परिषद में स्थायी पंजीयन प्रमाण-पत्र।
11. मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की प्रति (प्रमाण पत्र में गोल सील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख आवश्यक है।)
12. आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मध्यप्रदेश शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने का दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (केन्द्र शासन की सेवाओं हेतु मान्य जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे। मध्यप्रदेश शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण पत्र मान्य होंगे।)
13. ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी की पात्रता रखने वाले आवेदक ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र।
14. मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में मध्यप्रदेश रोज़गार कार्यालय के जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति।
15. महिला आवेदकों हेतु विवाहोपरांत/उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति।
16. दिव्यांगजन होने की स्थिति में दिव्यांगता विषयक मेडिकल बोर्ड का वैधता प्रमाण-पत्र जिसमें दिव्यांगता के प्रकार एवं दिव्यांगता के प्रतिशत का स्पष्ट उल्लेख हो। (इस प्रमाण-पत्र की वैधता अवधि समाप्त न हुई हो।)
17. भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में भूतपूर्व सैनिक होने का प्रमाण-पत्र की प्रति।
18. शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति। (अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त न हुआ हो, तो विभाग को अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु प्रस्तुत पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करें।)
19. अन्य कोई प्रमाण पत्र (यदि हो, जिसका ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख हो की छायाप्रति।)

05/ उपरोक्तानुसार क्रम में प्रमाण पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर **दिनांक 30.12.2022 तक** आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन आवेदकों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही आवेदक को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की तिथि पृथक से घोषित की जाएगी।

महत्वपूर्ण टीप :-

01. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि **आवेदक दंत शल्य चिकित्सक परीक्षा-2022** के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं, तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
02. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
03. महिला आरक्षण में आरक्षित वर्ग की वे महिला अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
04. **दंत शल्य चिकित्सक परीक्षा-2022** के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी। साक्षात्कार की विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर जारी कर दी जाएगी।
05. **न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।**
06. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणामस्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
07. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह प्रत्याशियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा।
08. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई भी तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है, तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।
09. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी.-5901/2019 एवं संबंधित अन्य याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
10. आवेदकों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख दिनांक 30.12.2022 तक निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,
सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी एरिया
इंदौर (म.प्र.)-452001

लिफाफे पर **दंत शल्य चिकित्सक परीक्षा-2022** के साक्षात्कार हेतु अभिलेख अवश्य लिखें।

जी-19986/47847/2022 **उप परीक्षा नियंत्रक**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

15	107582	TUSHAR MARAVI	M		ST	ST
16	107256	DHARAM DAS AHIRWAR	M		SC	SC
17	107570	ARCHANA DEVI LODHI	F		OBCF	OBC
18	105835	KAPIL KUMAR	M		SC	SC
19	109222	AAYUSHI PACHPANDE	F	प्रावधिक	EWSF	EWS
20	103202	RAVINDRA KUMAR	M		ST	ST
21	103722	OMPRAKASH BHIDE	M		ST	ST
22	100878	SAKSHI TANTWAY	F		SCF	SC
23	103652	TARUN MORYA	M		ST	ST
24	111454	PRAMOD JATAV	M	प्रावधिक	SCHO	अस्थिबाधित SC
25	105331	SARITA EVANE	F		STF	ST
26	101106	KIRAN JAMRA	F		STF	ST
27	108978	KAPIL CHOUKSEY	M		OBCHO	अस्थिबाधित OBC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	108430	SATYAM PATEL	M	OBC
2	106869	MEEN KUMAR CHATURVEDI	M	UNR
3	102158	GAJRAJ SINGH CHAUHAN	M	OBC
4	111969	NAVIN PATIDAR	M	OBC
5	111492	HIMANSHU MISHRA	M	EWS
6	104880	SIDDHARTH JAIN	M	EWS
7	112640	SHIKHA PANDEY	F	UNR
8	111623	AMRITA AGNIHOTRI	F	UNR
9	104245	AKANKSHA SINGH	F	OBC
10	104234	BHARATRAM MEHAR	M	SC
11	111800	KESHAV RAIDAS	M	SC
12	107320	PRATIBHA GUPTA	F	EWS
13	108880	RAHUL KUMAR ARMO	M	ST
14	100178	GAURAV DAWAR	M	ST
15	112326	SONAL KUREEL	F	SC
16	103790	SHIVANI DAWAR	F	ST
17	104027	DIVYA THAKUR	F	ST
18	111447	LAXMI NARAYAN TIWARI	M	अस्थिबाधित UNR
19	105094	PARAS WAMANKER	M	अस्थिबाधित SC

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हो। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया गया है।
2. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्युटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
3. घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
4. विभागवार विज्ञापित पदों में से लोक निर्माण विभाग के लिए पुनरीक्षित कुल 12 पदों में से दृष्टिबाधित दिव्यांग हेतु 01 पद विज्ञापित है, परन्तु दृष्टिबाधित दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने के कारण दृष्टिबाधित दिव्यांग-01 पद रिक्त रहा है। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों में से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अतः कुल 01 पद दृष्टिबाधित दिव्यांग के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग से रिक्त रखा गया है।

सचिव

जी-19875/47826/2022 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

मध्यप्रदेश और मणिपुर के मध्य

पर्यटन सहित अन्य क्षेत्रों में आदान-प्रदान बढ़ाने के प्रयास होंगे

इंफाल, मध्यप्रदेश और मणिपुर के मध्य पर्यटन, सांस्कृतिक और अन्य क्षेत्रों में परस्पर आदान-प्रदान बढ़ाने के प्रयास होंगे। मणिपुर एक खूबसूरत राज्य है। यह बेहतरीन राज्यों में से एक है। सुंदर वन, जल और जन-सम्पदा से परिपूर्ण भारत का मुकुट मणि राज्य है। मध्यप्रदेश और मणिपुर में काफी साम्य भी है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मणिपुर के इंफाल में राजकीय उत्सव संगाई महोत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बॉक्सिंग में मैरीकॉम से लेकर अन्य खेलों के प्रतिभावान खिलाड़ी मणिपुर का माथा ऊंचा किए हुए हैं। नेताजी सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिंद फौज ने हिंदुस्तान की धरती पर सबसे पहले तिरंगा मणिपुर में ही फहराया था। इस नाते मणिपुर का विशेष महत्व है। मणिपुर, देश ही नहीं दुनिया के सबसे अच्छे राज्यों में से एक बन जाये। जो मणियों से भरा हो उसे हिंदी में मणिपुर कहते हैं। यह सचमुच में अद्भुत प्रदेश है। यहाँ के मंदिर भी अद्भुत हैं।

श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व में मणिपुर विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में मणिपुर अग्रणी है। आने वाले दस वर्ष में मणिपुर हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा टूरिज्म डेस्टिनेशन होगा। मणिपुर के 14 स्थानों से एक साथ प्रारंभ इस उत्सव के उद्घाटन से केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री जी किशन रेड्डी भी जुड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर विकास के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ता जाये, ऐसी शुभकामनाएं मध्यप्रदेशवासियों की हैं। मणिपुर का सौंदर्य अभिभूत करने वाला है। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की सुंदरता भी कम नहीं है। उन्होंने मणिपुर के रहवासियों को पर्यटन के लिए मध्यप्रदेश आने का आमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर के जो विद्यार्थी मध्यप्रदेश में अध्ययनरत हैं, उनकी चिंता करना मुख्यमंत्री के नाते मेरा दायित्व है। मुख्यमंत्री ने मणिपुर राज्य के व्यंजनों की भी प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 12 वर्ष से प्रारंभ इस उत्सव का यह 11वां वर्ष है। कोविड की वजह से उत्सव की निरंतरता प्रभावित हुई थी। मुख्यमंत्री ने गत 21 नवम्बर से प्रारंभ 10 दिवसीय उत्सव के सातवें दिन इसमें हिस्सा लेते हुए मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह को उत्सव के लिए बधाई दी।

मध्यप्रदेश में वित्तीय प्रबंधन क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास सराहनीय

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मध्यप्रदेश में वित्तीय और लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में वित्तीय और लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन (पीएएम) के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। राज्य की जीएसडीपी की वृद्धि दर विगत 10 वर्षों में राष्ट्रीय जीडीपी वृद्धि दर से अधिक रही है। वर्ष 2021-22 में मध्यप्रदेश की आर्थिक वृद्धि दर 19.74 प्रतिशत रही, जो देश में सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2025 तक देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर पहुंचाने के लक्ष्य की पूर्ति की दिशा में भी मध्यप्रदेश के प्रयास सराहनीय हैं। ये बातें केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने भोपाल स्थित मंत्रालय में वित्त विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रेजेन्टेशन को देखने के बाद कहीं।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। विशेष रूप से वित्तीय प्रबंधन के मामले में राज्य ने अनेक नवाचार कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को प्रदेश में तेजी से गति प्रदान कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही स्व-रोज़गार के प्रयास भी बेहतर हो रहे हैं, जिससे स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत में मध्यप्रदेश अपना बेहतर योगदान दे रहा है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा जीएसडीपी में वृद्धि के लिये विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिए गठित राज्य स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में वर्ष 2025-26 तक देश की अर्थव्यवस्था में 550 बिलियन डॉलर के राज्य के योगदान का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य पूर्ति के लिये मध्यप्रदेश सरकार जीएसडीपी टास्क फोर्स की अनुशंसाओं के अनुरूप राज्य के आर्थिक एवं समग्र विकास के लिए आर्थिक रणनीतियां तैयार की गई हैं।

श्री चौहान ने कहा कि अर्थव्यवस्था के संरचनात्मक परिवर्तन के लिये ज्ञान आधारित उद्योगों जैसे सेमी कंडक्टर एवं जीव विज्ञान उद्योगों को प्रोत्साहन देना, उद्योगों का विकेंद्रीकरण, फार्मास्यूटिकल खाद्य प्रसंस्करण एवं टेक्सटाइल्स उद्योगों में क्लस्टर और लॉजिस्टिक हब तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन द्वारा राजकोषीय मापदण्डों का निरंतर पालन किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2005-06 से वर्ष 2018-19 तक राज्य में लगातार राजस्व आधिक्य, वर्ष 2010-11 से वर्ष 2019-20 तक ऋण जीएसडीपी का अनुपात 25 प्रतिशत की सीमा में तथा ऋणों का ब्याज भुगतान कुल राजस्व का 10 प्रतिशत की सीमा में रहा। वर्ष 2020-21 में कोविड के दुष्प्रभाव के कारण राजकोषीय मापदण्ड प्रभावित हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अनुपयोगी शासकीय परिसंपत्तियों के निर्वतन एवं प्रबंधन के लिये वर्ष 2020 में लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग का गठन किया गया है। परिसंपत्तियों का निर्वतन ऑनलाइन पारदर्शी प्रक्रिया से किया जा रहा है। ईपीएफओ को 14.50 करोड़ रुपये का भुगतान कर जब्त 8 परिसंपत्तियों को विमुक्त कराया गया। इस वित्तीय वर्ष में शासकीय परिसंपत्तियों के निर्वतन एवं विनिवेश के फलस्वरूप 600 करोड़ रुपये की प्राप्ति का लक्ष्य रखा गया है।

श्री चौहान ने बताया कि इस वर्ष नई आबकारी नीति लागू करने के फलस्वरूप आबकारी राजस्व में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है। वाणिज्यिक कर विभाग की डेटा विश्लेषण इकाई द्वारा, चिन्हित करदाताओं द्वारा अपात्र आईजीएसटी के आईटीसी का रिवर्सल कराया गया, इसके फलस्वरूप प्रदेश को अक्टूबर माह में 694 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राजस्व प्राप्ति हुई।

गांव का विकास ही देश का विकास - परिवहन मंत्री

सागर, राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि गांव का विकास देश के विकास की पहली सीढ़ी है। श्री राजपूत 30 नवम्बर को सागर के ग्राम बरोदिया-बल्लभ, लुहर्रा, बमूरा, बसियाभौती एवं ननऊ गांव में विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। उन्होंने कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण भी किया। श्री राजपूत ने गांव में पंचायत भवन, तालाब निर्माण, स्कूल भवन की मरम्मत एवं मंगल भवन के निर्माण जैसे अनेक कार्यों का भूमि-पूजन भी किया।

श्री राजपूत ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी वर्गों को सम्मान और किसानों के लिये किसान सम्मान निधि जैसी अनेक जन-हितैषी योजनाएं बनाई हैं। पक्की सड़कें, स्कूल भवन, अस्पताल जैसी मूलभूत सुविधाएं गांव-गांव में उपलब्ध हैं। सरकार ने छात्र-छात्राओं के लिये निःशुल्क साइकिल उपलब्ध कराई है। हर गांव में घर-घर पानी पहुंचाने का काम लगभग अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के हर गांव के हर घर में नल से जल पहुंचाया जाये।

जल जीवन मिशन की परियोजनाओं को जल्द पूर्ण करें - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, जल जीवन मिशन में स्वीकृति के लिए शेष रही परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृत कर ग्रामों में पानी पहुंचाना सुनिश्चित करें। जनता के पैसे का सदुपयोग हो। परियोजनाओं के निर्माण में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा। मंत्रालय के अधिकारी ग्राम सभाओं में जाएं और क्षेत्र भ्रमण कर प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित कार्यालय में मिशन की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर जल सर्टिफिकेशन में प्रदेश 34 प्रतिशत के साथ देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। बुरहानपुर के बाद अब अगले चरण में निवाड़ी और इंदौर जिले में हर घर नल से जल पहुंचाने का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कर लिया जाएगा। मिशन लोगों की जिंदगी बदलने का अवसर है, इसे जनअभियान बनायें। प्रदेश में पेयजल नमूनों की जांच बेहतर तरीके से हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समूह एवं अन्य सभी जल प्रदाय योजनाओं को पूर्ण करने की कार्यवाही जल्दी से हो। परियोजनाएं पूर्ण होने पर गांव में उत्सवी माहौल में लोकार्पण किया जाये।

श्री चौहान ने कहा कि लोकार्पण कार्यक्रम में मंत्री, प्रभारी मंत्री, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी पहुंचें। मैं भी वर्चुअल माध्यम से जुड़ूंगा और एक गांव में भी जाऊंगा। उन्होंने कहा कि दिसम्बर माह में राजगढ़ जिले की गोरखपुरा परियोजना पूर्ण होगी, जिससे 145 ग्रामों को लाभ होगा। इन सभी 145 ग्रामों को जोड़कर लोकार्पण की तैयारी करें। इसी तरह आगे भी कार्यक्रम करते रहें। प्रदेश में लगभग 3 हजार ग्रामों के लिए सितम्बर 2023 तक पूर्ण होने वाली। परियोजनाओं के लोकार्पण सतत रूप से हों। इसी तरह शिलान्यास के कार्यक्रम भी किये जायेंगे।

मध्यप्रदेश स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल

भोपाल, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने भोपाल में आत्मनिर्भर हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर्स पर केंद्रित कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये कहा है कि इस वर्ष प्रदेश में 226 नई स्वास्थ्य संस्थाएं शुरू की जायेंगी। ऐसे ग्रामीण क्षेत्र, जहां अभी स्वास्थ्य संस्थाएं नहीं हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर स्वास्थ्य संस्था शुरू की जायेगी। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिविल अस्पताल शामिल रहेंगे। आत्मनिर्भर हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स मध्यप्रदेश स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ कर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने का संकल्प और आदर्श हेल्थ एण्ड वेलनेस पद्धति के विमोचन कार्यक्रम को टाटा ट्रस्ट की सहयोगी संस्था कलेक्टिव्स फॉर इंटीग्रेटेड लाइवली हुड इनिशिएटिव्स द्वारा आयोजित किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में स्वास्थ्य को प्राथमिकता पर रखा है। स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिये निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में एक लाख 50 हजार हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स बनाये जा रहे हैं। इसमें से मध्यप्रदेश में 10 हजार से अधिक हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स बनाने के लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त किया जा चुका है। डॉ. चौधरी ने कहा कि प्रदेश ने रिकॉर्ड साढ़े 3 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बना कर देश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

डॉ. चौधरी ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्रों को हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर के रूप में विकसित कर आवश्यक जाँचें और 97 प्रकार की दवाइयां निःशुल्क दी जा रही हैं। इन केंद्रों पर प्रशिक्षित सीएचओ द्वारा उपचार दिया जा रहा है। एनसीडी क्लीनिक पर शुगर, बी.पी. आदि की जांच कर समय पर उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। स्वास्थ्य डॉ. चौधरी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों को सुदृढ़ किया जा रहा है। सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान से अस्पतालों में जरूरत के उपकरण और मरम्मत आदि के कार्य करवाये गये हैं। प्रदेश में निजी अस्पतालों को आयुष्मान योजना में इंपैनल्ड किया गया है। आयुष्मान कार्डधारी नागरिक एक वर्ष में 5 लाख रुपये तक का उपचार निजी अस्पतालों में प्राप्त कर सकते हैं। शासकीय अस्पतालों में भी उन्हें उपचार प्राप्त करने की सुविधा है।

स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि प्रदेश में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स की देश में सबसे अच्छी स्थिति है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देने के लिये पिछले वर्ष स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया गया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

दत्तोपंत ठेंगड़ी ने समाज को संगठित करने की दिशा में अद्भुत कार्य किया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में दत्तोपंत ठेंगड़ी स्मृति राष्ट्रीय व्याख्यानमाला-2022 को संबोधित करते हुये।

भोपाल, भारत प्राचीन, अद्भुत और महान राष्ट्र है। भारत ने ही दुनिया को ज्ञान का प्रकाश दिया है। भारत का स्थान सभ्यता और संस्कृति में सबसे आगे रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 9.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है। दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद की तरह दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने भी समाज को संगठित करने की दिशा में अद्भुत कार्य किया। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में '21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में भारत का आर्थिक सामर्थ्य विषय पर दत्तोपंत ठेंगड़ी स्मृति राष्ट्रीय व्याख्यानमाला-2022' को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह राष्ट्र और समाज के लिए अनुशासित हो। दत्तोपंत जी ने कहा था प्रकृति का दोहन करो शोषण नहीं। उनके विचार अभी भी प्रासंगिक हैं। भारत फिर से विश्व गुरू के पथ पर अग्रसर है। भारत का सामर्थ्य दुनिया देख रही है। भारत दुनिया के कई देशों को खाद्यान्न भेज रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश के वैज्ञानिक चमत्कार कर रहे हैं। आज का भारत वैभवशाली और सम्पन्न भारत बन रहा है। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमने आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने का तय किया है।

कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि राष्ट्रऋषि श्री ठेंगड़ीजी की स्मृति में व्याख्यानमाला में हिस्सा लेना मेरा सौभाग्य है। ठेंगड़ी जी को भारत में विभिन्न संस्थानों के निर्माण और विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए हमेशा याद किया जाएगा। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि ब्रिटिश शासन काल के कठिन समय में भी उन्होंने जो कार्य किया, वह सराहनीय है। उन्होंने भारतीय मजदूर संघ के लिए संघर्ष किया। श्रमिकों के कल्याण से ही देश का कल्याण है। अधिवक्ताओं के लिए संगठन भी उन्हीं की देन है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए पहले आत्मविश्वास चाहिए, इसकी भावना राष्ट्रऋषि श्री ठेंगड़ीजी की प्रेरणा से मिलती है। आर्थिक सुधार के लिए दत्तोपंत जी ने अभूतपूर्व कार्य किए। उन्होंने कहा कि देश में दत्तोपंत जी के विजन का पालन करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। दत्तोपंत जी का लक्ष्य सभी वर्गों को आगे बढ़ाने का था। कम्यूनिज्म, कैपिटलिज्म का अंत करने में दत्तोपंत जी की भूमिका रही है। स्व-रोज़गार के क्षेत्र में भारत में स्टार्टअप तेजी से बढ़ रहे हैं। स्टार्टअप की क्रांति भारत के युवाओं की है।

संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि श्रद्धेय ठेंगड़ी जी ऐसे महापुरुष हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे श्रमिक जगत के अधिपति माने जाते हैं। वे कई भाषाओं के जानकार और साहित्यकार, विचारक, दार्शनिक, विधिवेत्ता के रूप में जाने जाते हैं। वे सम्पूर्ण समाज के विकास के पक्षधर थे। संस्थान के सचिव श्री दीपक शर्मा ने कहा कि पिछले एक दशक की आर्थिक नीतियों के कारण देश बदल रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि भारत ही दुनिया की सारी समस्याओं का हल है। भारत दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। दुनिया भारत की ओर देख रही है।

सामाजिक समरसता के भाव को जीवन में उतारने की जरूरत - राज्यपाल

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये कहा है कि विश्वविद्यालय सदैव ज्ञान का केंद्र रहे हैं। इनका काम मात्र डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि युवाओं को देश की एकता, अखंडता, राष्ट्र निर्माण और विकास का कर्णधार बनाना है। शिक्षा संस्थानों को सुदृढ़, अखण्ड और विकसित राष्ट्र निर्माण के लिए सही रास्ता दिखाने एवं मार्गदर्शन का काम करना चाहिए। राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा वंचित वर्ग के कल्याण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर राज्य में अनुसूचित जनजाति के जननायकों को चिन्हित कर उचित सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालय उच्च गुणवत्तापूर्ण शोध एवं शिक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करें।

राज्यपाल ने कहा कि मेरी अपेक्षा है कि विश्वविद्यालय समाज के साथ जुड़कर, सामुदायिक विकास तथा युवाओं में अधिक और सशक्त नेतृत्वशीलता विकसित कर शाश्वत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय योगदान करें। राज्यपाल ने स्नातकों द्वारा ली गयी प्रतिज्ञा को उद्धृत करते हुए मादक पदार्थों के सेवन और भ्रष्टाचार से दूर रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमें सामाजिक समरसता के भाव को जीवन में उतारने की जरूरत है। बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन-दर्शन को आत्मसात कर एक स्वस्थ समाज की स्थापना करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय उपलब्ध भौतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए समाज के कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर, शासन द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं को उनके लक्षित समूह तक पहुंचाने में महती भूमिका अदा करेगा।

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि युवाओं को आगे आकर भारत के गौरवशाली अतीत को पुनर्स्थापित करने की शुरुआत करनी चाहिए। तत्कालीन सामाजिक एवं जातिगत बुराइयों से निकल कर भारत को कैसे आगे ले जाना है, इस चिंता को साकार रूप देने में बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

शिल्प गुरू और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए मध्यप्रदेश के शिल्पकार

भोपाल, मध्यप्रदेश के धार जिले के श्री मोहम्मद यूसुफ खत्री को बाघ प्रिंट हस्त-शिल्प विरासत के संरक्षण के लिए वर्ष 2017 का शिल्प गुरु पुरस्कार प्रदान किया गया है। विज्ञान भवन दिल्ली में उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ और केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल ने उन्हें स्वर्ण पदक और ताम्र पत्र से सम्मानित किया। समारोह में वर्ष 2017, 2018 और 2019 के शिल्प गुरु पुरस्कार और राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

धार जिले के श्री मोहम्मद नसीर को साड़ी हस्त-ब्लॉक प्रिंटिंग शिल्प और श्री मुबारिक खत्री को बांस दरी पर्दों पर हस्त ब्लॉक प्रिंट तथा नीमच जिले के स्व. श्री प्रदीप झरिया और श्री पवन कुमार झरिया को विलुप्त तारापुर हस्त-छप्पा छपाई कला के लिए वर्ष 2017 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्व. श्री प्रदीप झरिया का पुरस्कार उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनुसुइया झरिया ने ग्रहण किया। धार जिले के श्री मोहम्मद बिलाल खत्री को बांस चटाई हस्त-ब्लॉक प्रिंट के लिए वर्ष 2018 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को ताम्र पत्र प्रदान किये।

विज्ञान भवन दिल्ली में पुरस्कार विजेता शिल्पकारों की हस्त-कला के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रदर्शनी भी लगाई गई।

मंडला की तीन ग्राम पंचायत के बैगा समुदाय को दिये गये हैबिटेट राइट्स

भोपाल, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासियों को हैबिटेट राइट्स दिये जा रहे हैं। मंडला जिले की जनपद पंचायत बिछिया की तीन ग्राम पंचायत कन्हारीकला, चंगरिया और मेढ़ाताल के बैगा समुदाय के हैबिटेट राइट्स (प्राकृतिक पर्यावास के अधिकार) के दावे ग्राम पंचायत एवं उपखण्ड स्तरीय वनाधिकार समिति की अनुशंसा के बाद जिला स्तरीय वनाधिकार समिति द्वारा स्वीकृति जारी कर दी गई है। तीनों पंचायत में बैगा समुदाय के लोगों के लिये जननांकीय निर्धारक, आर्थिक/जीवन उर्पाजन के लिये प्रयोजन, सांस्कृतिक/धार्मिक, औषधि एवं कंदमूल आदि के लिये सीमा का विस्तार और खसरा निर्धारित किया गया है। इन ग्राम पंचायतों के 541 बैगा परिवारों को 664 हेक्टेयर वनभूमि एवं 435 हेक्टेयर राजस्व भूमि (बड़े-छोटे झाड़) के जंगल में, इस प्रकार कुल 1099 हेक्टेयर भूमि में हैबिटेट राइट्स प्रदान किये जाने की मान्यता दी गई है।

जिला समिति द्वारा स्वीकृत क्षेत्रों में ग्राम पंचायत कन्हारीकला, चंगरिया और मेढ़ाताल के बैगा समुदाय के लोग अनुषांगिक प्रयोजनों के लिये सांस्कृतिक मान्यताओं के स्थलों, संसाधनों तक आने-जाने के उपयोग, वन/राजस्व वन क्षेत्रों से प्राप्त काष्ठ, लघु-वनोपज, गैर कृषि खाद्य, चारागाह, औषधि, जलाऊ लकड़ी का संग्रहण तथा संसाधनों तक पहुंच के लिये आवागमन, परम्परागत तरीके से ग्राम की सीमाओं के अंदर नदी, नालों में मछली पकड़ने, सांस्कृतिक-धार्मिक प्रयोजन के स्थलों तक पहुंच एवं उपयोग, आजीविका के लिये खाद्य आदि संग्रहण एवं संसाधनों तक पहुंच के लिये आवागमन और बैगा परम्पराओं के अनुसार विभिन्न बीमारियों/प्राकृतिक प्रकोप के उपचार हेतु उनके औपधिक ज्ञान अनुसार औपधियों तक पहुंचने एवं संग्रहण के लिये स्थलों का चिह्नाकंन किया गया है।

हैबिटेट राइट्स के प्रस्ताव/दावा पर पहले ग्राम सभा एवं उपखण्ड स्तरीय वनाधिकार समिति द्वारा कार्यवाही पूर्ण की गई। प्रस्ताव दावा निराकरण के लिए अनुशंसा सहित जिला स्तरीय वनाधिकार समिति को भेजा गया। प्रस्ताव पर जिला स्तरीय समिति द्वारा विस्तृत समीक्षा एवं चर्चा की गई। इसमें संबंधित ग्राम पंचायतों के बैगा समुदाय एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों के समक्ष दावे से संबंधित सभी जानकारियां पढ़कर सुनाई गईं। बैगा समुदाय के लोगों द्वारा सभी तथ्यों पर सहमति व्यक्त कर तैयार किये गये नजरी नक्शे का भी समिति के समक्ष परीक्षण कर मानचित्र पर स्थल सत्यापन किया गया। समिति के सभी उपस्थित सदस्यों, उपखण्ड स्तरीय समिति के प्रतिनिधि एवं बैगा समुदाय की सहमति के बाद जिला स्तरीय समिति द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार हैबिटेट राइट्स के दावे को सर्व सम्मति से मान्य करने की स्वीकृति दी गई।

मण्डला जिले में इसके पूर्व मवई जनपद के अमवार में हैबिटेट राइट प्रदान किये जा चुके हैं। शासन की मंशा के अनुसार जल, जंगल एवं जमीन का वास्तविक अधिकार बैगा समुदाय को दिया जा रहा है।

पूर्ण हो रही गो-शालाओं में गो-वंश रखने का कार्य तेजी से हो - मुख्यमंत्री

गो-शालाओं में गोबर गैस के लिये लगाये जायेंगे संयंत्र

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में गो-संवर्धन बोर्ड की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में गो संवर्धन बोर्ड की बैठक को संबोधित करते हुये कहा है कि पूर्ण हो रही गो-शालाओं को तेजी से गो-वंश से भरा जाए। शेष गो-वंश रखने के लिए भी समाधान ढूंढ़ लिया जाए। प्रदेश में ऐसे बड़े स्थान चिन्हित करें जहां अधिक संख्या में गो-वंश को रखा जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गायों को सड़क एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर खुले में नहीं रख सकते हैं। इसलिए गो-शालाओं का निर्माण तेजी से करें। उन्होंने कहा कि गोबर धन योजना में गो-शालाओं में गोबर गैस संयंत्र लगाए जाएंगे। इससे गो-शालाएं स्वावलंबी बनेंगी। अधिकारी रोडमैप बनाकर कार्य करें। श्री चौहान ने कहा कि गो-वंश के लिए पर्याप्त राशि की व्यवस्था करें।

गो अभयारण्य की स्थापना के लिये लें एनजीओ का सहयोग

बैठक में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर गो अभयारण्य की स्थापना पर भी चर्चा की गई। श्री चौहान ने कहा कि गो-अभयारण्य की स्थापना के लिए एनजीओ का सहयोग लिया जाएगा। एनजीओ के माध्यम से गो-शालाओं का संचालन भी किया जाएगा। जहां बड़ी मात्रा में दान राशि आती है, ऐसे मंदिरों के सहयोग से गो-शालाओं को राशि दी जाए।

मुख्यमंत्री ने आचार्य श्री विद्यासागर जीवदया (गो-सेवा) सम्मान योजना के पुरस्कार वितरण पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के पुरस्कार वितरण के लिए तिथि एवं समय निर्धारित कर लिया जाए। बैठक में पशुपालन मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल, पशु संवर्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

चार लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को मिला व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का लाभ

भोपाल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति अंतर्गत मध्यप्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में स्नातक प्रथम वर्ष के 4 लाख 15 हजार 136 विद्यार्थी ने परपंरागत विषयों के साथ अपनी पसंद के व्यावसायिक पाठ्यक्रम की भी शिक्षा प्राप्त की है। यह पाठ्यक्रम उन्हें रोज़गार एवं स्व-रोज़गार के नए अवसर प्राप्त करने में सहयोगी होगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में एमएसएमई विभाग के साथ एमओयू किया गया था। भविष्य में विद्यार्थियों को रोज़गार के सुगम अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से पर्यटन और खनिज विभाग के साथ भी अनुबंध किया जायेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्नातक प्रथम वर्ष में 25 व्यावसायिक पाठ्यक्रम को शामिल किया गया है। इसमें सभी विद्यार्थियों को निर्धारित विषयों में से किसी एक विषय में एक साल का डिप्लोमा पूर्ण करना होगा।

पाठ्यक्रम के लिये शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में व्यावसायिक विषय के पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी उच्च शिक्षा विभाग के उन विषय विशेषज्ञों को दी गई थी, जिनके मूल विषय में इन पाठ्यक्रमों की आधारभूत विषय-वस्तु आती है। शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को इन विषयों का अध्ययन कराने वाले शिक्षकों को विभाग द्वारा इसके लिए नरोन्हा प्रशासन अकादमी में वरिष्ठ एवं अनुभवी विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

यह है प्रमुख विषय

निर्यात-आयात प्रबंधन, जीएसटी के साथ ई-अकाउंटिंग और कराधान, वित्त सेवाएं और बीमा, खुदरा प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग, ब्रिकी कौशल, अकाउंटिंग और टैली कोर्स, जैविक खेती, बागवानी, वर्मी कम्पोस्टिंग, डेयरी प्रबंधन, चिकित्सा निदान, डेस्कटॉप प्रकाशन (डीटीपी), सौंदर्य और स्वास्थ्य कल्याण, औषधीय पौधे, पोषण और आहार, वेब डिजाइनिंग, इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजी, सुरक्षा सेवाएं, हस्तशिल्प, खाद्य संरक्षण और प्रसंस्करण, व्यक्तित्व विकास, पर्यटन-परिवहन और यात्रा सेवाएं, कार्यालय प्रक्रिया और व्यवहार।

अपने शहर के विकास और प्रगति में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सागर जिले के गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुये।

सागर, गौरव दिवस सरकारी नहीं, जन-जन का आयोजन है। किसी भी शहर, गांव अथवा क्षेत्र का विकास केवल सरकार नहीं कर सकती, जब तक उसके साथ समाज का पूरा सहयोग न हो। अपने शहर, गांव, क्षेत्र के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। साथ ही इस पावन दिवस पर पांच संकल्प लें - अपने जन्म-दिन पर एक पौधा जरूर लगायेंगे, आंगनवाड़ियों में सहयोग देंगे, बेटी के जन्म पर खुशियां मनायेंगे, पानी की प्रत्येक बूंद बचायेंगे और शहर को नशामुक्त बनायेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर में सागर गौरव दिवस समारोह में कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सागर के विकास में सर डॉ. हरिसिंह गौर के सहयोग को भुलाया नहीं जा सकता। अद्भुत थे गौर बाबा, उन्होंने सागर को ज्ञान का सागर दिया। वे संविधान निर्माण सभा के सदस्य और प्रसिद्ध कानूनविद् थे। उन्होंने अपना सारा धन सागर विश्वविद्यालय बनाने के लिये खर्च कर दिया। इस विश्वविद्यालय में आचार्य रजनीश और सुदर्शन जी जैसी अनेक हस्तियां पढ़ी हैं। मेरा सागर से गहरा रिश्ता है। मुझे भी कुछ समय सागर विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र की पढ़ाई करने का अवसर प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी एक वर्ष में सागर में 4770 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य कराये जायेंगे। स्मार्ट सिटी योजना में सागर का इंदौर एवं भोपाल नगरों की तरह ही महानगर के रूप में विकास किया जा रहा है।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक क्रांति हो रही है। प्रदेश में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की पढ़ाई हिन्दी में किये जाने का ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। मेधावी बेटे-बेटियों की उच्च शिक्षा की पढ़ाई की फीस सरकार भर रही है। प्रदेश में बेटियों की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लाड़ली लक्ष्मी योजना-2.0 शुरू की गई है। मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहां बेटियों के साथ गलत कार्य करने वालों को फांसी की सजा दी जाती है। माफियाओं और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार गरीबों को तत्काल वित्तीय सहायता देने के लिये माइक्रो फायनेंस योजना प्रारंभ करने जा रही है, जिसमें 5 हजार रुपये की तुरंत सहायता दी जायेगी। इस राशि को हितग्राही बिना ब्याज के अपनी सुविधानुसार वापस कर सकेगा।

श्री चौहान ने कहा कि सागर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिये राजघाट बांध की ऊंचाई दो मीटर बढ़ाई जायेगी। इस पर लगभग 200 करोड़ रुपये अतिरिक्त व्यय आयेगा, जिसका प्रावधान अगले वित्त वर्ष में कर दिया जायेगा। तीर्थ-दर्शन योजना में अयोध्या के लिये ट्रेन भी चलाई जायेगी।

केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हर गांव, हर शहर का गौरव दिवस मनाने की जो परिकल्पना दी है, वह अत्यंत सराहनीय है। इससे क्षेत्रों का समग्र विकास तो होगा ही, साथ ही हर व्यक्ति क्षेत्र के प्राचीन गौरव को जान सकेगा।

जल जीवन मिशन में करीब 55 लाख ग्रामीण परिवार हुए लाभान्वित

भोपाल, जल जीवन मिशन में अब तक मध्यप्रदेश के 7 हजार 62 ग्रामों के हर परिवार को नल से जल उपलब्ध करवाया जा चुका है। इनमें से केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सर्वाधिक सर्टिफाइड घोषित ग्रामों की संख्या में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश के 2 हजार 396 ग्राम सर्टिफाइड हैं।

मिशन में मध्यप्रदेश के 54 लाख 86 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों के घर पर नल कनेक्शन से जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी है। करीब 50 हजार करोड़ रुपये लागत की जल प्रदाय योजनाओं पर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के लिए मिशन में ग्रामीण आबादी को दिए जाने वाले नल कनेक्शन के सम्पूर्ण लक्ष्य में 45.69 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की जा चुकी है।

देश में 20 लाख से अधिक वार्षिक लक्ष्य वाले 12 बड़े राज्यों में प्रदेश ने अपना अच्छा स्थान लगातार बनाये रखा है। इन 12 राज्यों में सर्वाधिक ग्रामों के शत-प्रतिशत 'हर घर जल' उपलब्ध करवाने में प्रदेश दूसरे पायदान पर है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में संचालित 41 हजार 373 आंगनवाड़ी और 71 हजार 423 शालाओं में नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की गई है।

नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये मध्यप्रदेश संकल्पबद्ध

भोपाल, नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये निरंतर प्रयास जारी हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। ये बातें लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने भोपाल में मुस्कुराता बचपन उन्मुखीकरण-सह-प्रशस्ति वितरण समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये कहीं।

डॉ. चौधरी ने कहा कि प्रदेश में नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्र का सुदृढ़ीकरण किया गया है। डायलिसिस की सुविधा, सीटी स्कैन, सोनोग्राफी जांच सहित अनेक सुविधाएँ स्वास्थ्य संस्थाओं को उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं में उपचार के लिये जरूरी जांच, साधन और उपकरण उपलब्ध करवाये गये। स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य संस्थाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान में स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रमुखों को बजट उपलब्ध कराते हुए काम कराने के अधिकार दिये गये। इससे संस्थाओं में भवन मरम्मत और जरूरी सामग्री की उपलब्धता सहित अन्य कार्यों को किया गया है। डॉ. चौधरी ने कहा कि शासकीय अस्पतालों में उपचार की बेहतर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है। कोरोना काल की विपरीत परिस्थितियों में शासकीय अस्पतालों ने बेहतर कार्य कर प्रमाणित किया है और नागरिकों का भरोसा अर्जित किया है।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी दस्तक अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित करते हुये।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश में नम्बर वन राज्य बनायेंगे। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दस्तक अभियान में बेहतर कार्य किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले ने गांव में घर-घर दस्तक देकर प्रदेश को एनीमिया मुक्त बनाने और अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. चौधरी ने दस्तक अभियान, आईडीसीएफ और शिशु स्वास्थ्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया।

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने कहा कि जिला एवं विकासखण्ड में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्मुखीकरण निरंतर होने वाली प्रक्रिया है। अधिकारी-कर्मचारियों को अपनी क्षमताओं के अधिकतम उपयोग से सौंपे गये दायित्वों को शत-प्रतिशत पूरा करना चाहिये। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर अभियान को जनआंदोलन के रूप में क्रियान्वित किया जाये। मिशन संचालक एनएचएम श्रीमती दास ने बताया कि केंद्र शासन के निर्देशानुसार दस्तक और सांस अभियान संचालित किया जाता है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में
खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर,
छिन्दवाड़ा, बीना, धार
एवं अशोकनगर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कैरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

चर्चा

मौलिका पांडे

भारतीय छात्रा ने महारानी राष्ट्रमंडल निबंध प्रतियोगिता जीती

मशहूर पर्यावरणविद् पद्मश्री जादव मोलाई पायेंग के जीवन पर आधारित सच्ची कहानी के लिए 13 वर्षीय छात्रा मौलिका पांडे ने महारानी राष्ट्रमंडल निबंध प्रतियोगिता को जीता है। छात्रा ने लंदन जाकर पुरस्कार ग्रहण किया। उत्तराखंड की मौलिका पांडे अपने निबंध 'द मोलाई फॉरेस्ट' को लेकर जूनियर रनर अप रहीं। उन्हें महारानी कंसर्ट कैमिला ने पुरस्कृत किया। इस पुरस्कार कार्यक्रम में भारत, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के विभिन्न स्थानों से आए 13 से 17 साल के कई प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया।

ऑस्ट्रेलिया

हिंद महासागर में नुकीले दांतों वाला जीव मिला

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने हिंद महासागर में करीब 5 किलोमीटर की गहराई में रहने वाले ऐसे जीव की खोज की है, जिसके दांत जन्म के समय से ही आरी की तरह तेज और नुकीले होते हैं। यह जीव छिपकली जैसा दिखता है। ऑस्ट्रेलिया के म्यूजियम विक्टोरिया रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों को समुद्र की गहराई में चमगादड़ जैसी मछलियां, अंधी ईल और लिजर्ड फिश भी दिखाई दी हैं।

फ्रांस

फीजैंट आइलैंड का हर छह महीने में बदलता है देश का नाम

फीजैंट स्पेन और फ्रांस के बीच सीमा पर एक छोटा सा द्वीप है। इसका स्वामित्व छह महीने फ्रांस और 6 महीने स्पेन के पास रहता है। यानी इस द्वीप के देश का नाम साल में दो बार बदलता है। बिदासोआ नदी पर स्थित आइलैंड पर अधिकार को लेकर लंबी लड़ाई के बाद 1660 में यह तय हुआ था कि इसका मालिकाना हक बदलता रहेगा। यह द्वीप प्रत्येक वर्ष 1 फरवरी से 31 जुलाई तक स्पेन का 1 अगस्त से 31 जनवरी तक फ्रांस का होता है।

टी.जी. सीताराम

एआईसीटीई के अध्यक्ष नियुक्त हुए

आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक टी.जी. सीताराम को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार सीताराम तकनीकी शिक्षा नियामक के प्रमुख के रूप में तीन साल तक कार्य करेंगे। सीताराम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष जगदीश कुमार से इस पद का प्रभार ग्रहण करेंगे।

अमेरिका का गीनो

दुनिया का सबसे बुजुर्ग डॉग बना

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स ने कैलिफोर्निया के गीनो नामक डॉग को दुनिया का सबसे बुजुर्ग डॉग घोषित किया है। गीनो के मालिक 40 वर्षीय एलेक्स वुल्फ ने कहा कि उन्होंने 2002 में गीनो को गोद लिया था। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स ने बताया कि गीनो का जन्म 24 सितंबर 2000 को हुआ था। इसके पहले सबसे बुजुर्ग डॉग का रिकॉर्ड अमेरिका के ही टोबीकीथ के नाम था। टोबीकीथ जीवित है।

डॉक्टर पूर्णिमा देवी बर्मन को

संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरणीय सम्मान

भारतीय वन्यजीव विज्ञानी डॉक्टर पूर्णिमा देवी बर्मन को संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' से सम्मानित किया गया है। बर्मन को पारिस्थितिक तंत्र के क्षरण की रोकथाम के लिए की गई परिवर्तनकारी गतिविधि के लिए यह सम्मान दिया गया है। असम निवासी बर्मन को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के इस साल के 'चैंपियंस ऑफ दी अर्थ' पुरस्कार की इंटरप्रेन्योरशिप विजन (उद्यमिता दृष्टिकोण) श्रेणी में सम्मानित किया गया है।

फ्रांस में

सबसे बड़ी गोल्ड फिश मिली

यूके के एक मछुआरे को फ्रांस में मछली पकड़ने के दौरान सबसे बड़ी गोल्ड फिश मिली है। इसका वजन 32 किलो से अधिक है। इससे पहले 2019 में अमेरिका के जैसन फुगेट को 13 किलो से अधिक वजन की गोल्ड फिश मिली थी।

जर्मनी

32 साल से जंगल में अकेले रह कर पेड़ों की रखवाली करता शख्स मिला

जर्मनी के घने जंगलों में 56 वर्षीय फ्रेंडमंट सॉनमेन 32 साल से अकेले रह रहे हैं। यहां न बिजली है न ही पानी है और न ही अन्य सुविधाएं हैं। वे पास के झरने से पानी लाते हैं। पौधे लगाते हैं और जंगल की रखवाली करते हैं। सॉनमेन के अनुसार यह जंगल उनके दादा के समय के हैं, जिनकी देखभाल जरूरी है। फिलहाल उनके साथ यहां 8 विदेशी भी रह रहे हैं।

खालिद जावेद को

प्रतिष्ठित जेसीबी साहित्य पुरस्कार - 2022 मिला

प्रख्यात उर्दू उपन्यासकार खालिद जावेद को वर्ष 2022 का प्रतिष्ठित जेसीबी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें 'द पैराडाइज ऑफ फूड' के लिए पुरस्कृत किया गया है। इस रचना का अनुवाद बारां फारुकी ने किया है। उनकी रचना का मुकाबला बुकर पुरस्कार से सम्मानित गीतांजलि श्री के उपन्यास 'टॉम्ब ऑफ सैंड' के अलावा 3 अन्य रचनाकारों से था। पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। जेसीबी के संस्थापक जोसेफ बैमफोर्ड ने डिजिटल माध्यम से पुरस्कार की घोषणा की है।

विलियम शेक्सपीयर

चार सौ वर्ष पुरानी तस्वीर की कीमत 1 करोड़ पाउंड

महान नाटककार विलियम शेक्सपीयर की 400 साल पुरानी तस्वीर को 1 करोड़ पाउंड (करीब 96 करोड़ रुपये) में बेचा जा रहा है। माना जा रहा है कि शेक्सपीयर की ऐसी एकमात्र तस्वीर है, जिसे उनके जीवित रहते बनाया गया था। इसे तत्कालीन राजा जेम्स प्रथम के दरबारी चित्रकार रॉबर्ट ब्लैक ने बनाया था। इस पर हस्ताक्षर और 1608 का वर्ष अंकित है। खुली नीलामी की बजाय इसे सौदे के तहत (निजी सौदे से) बेचा जायेगा।

सुनील कुमार

अमेरिकी विश्वविद्यालय के नये प्रेसिडेंट बने

अमेरिका में भारतीय मूल के शिक्षाविद् सुनील कुमार को मैसाचुसेट्स स्थित टफ्ट्स विश्वविद्यालय का अगला प्रेसिडेंट नियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में शैक्षणिक मामलों के वरिष्ठ वाइस प्रेसिडेंट के रूप में कार्यरत हैं। वे अगले वर्ष जुलाई में यह पद संभालेंगे। उन्होंने मंगलुरु विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में स्नातक की शिक्षा पाने के बाद बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान से कम्प्यूटर विज्ञान एवं ऑटोमेशन में मास्टर डिग्री हासिल की है।

इटली के

प्रसिचे शहर में घर खरीदने के लिए धनराशि दे रही है सरकार

इटली के दक्षिण - पूर्व में एक शहर है प्रेसिचे। यहां के प्रशासन ने घोषणा की है कि शहर के खाली पड़े मकानों को खरीद कर बसने वाले लोगों को 25 लाख रुपये (30 हजार यूरो) दिये जायेंगे। प्रेसिचे के पार्षद अल्फ्रेडो पालिस ने कहा कि शहर की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए यह प्रयोग किया जा रहा है। योजना के तहत 1991 से पहले बने कई खाली मकानों में लोगों को दोबारा बसाने की तैयारी है।

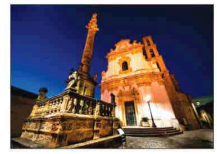

अरुण गोयल

चुनाव आयुक्त नियुक्त हुए

अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। वह 1985 बैच के पंजाब कैडर के अधिकारी हैं। वह मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय के साथ निर्वाचन आयोग का हिस्सा होंगे। उनकी नियुक्ति की घोषणा केंद्र सरकार द्वारा की गई है।

अनवर इब्राहिम

मलेशिया के नये प्रधानमंत्री बने

मलेशिया के नये प्रधानमंत्री के रूप में अनवर इब्राहिम ने शपथ लेकर पदभार ग्रहण कर लिया है। किंग सुल्तान अब्दुल्ला ने उन्हें नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। अनवर इब्राहिम 1990 के दशक में उप-प्रधानमंत्री थे। वे काफी समय से इंडोनेशिया में विपक्ष के नेता रह चुके हैं। 19 नवंबर को हुए चुनाव में अनवर के समर्थन वाले गठबंधन पकतान हरापात ने 82 सीटें जीती थीं। ज्ञात रहे कि अनवर इब्राहिम भ्रष्टाचार और सोडोमी के आरोप में एक दशक तक जेल में रहे थे।

रूस के राजदूत ने

रूस-भारत मित्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हिंदी में भाषण दिया

भारत और रूस की दोस्ती को 75 साल हो गए हैं। इस मौके पर नई दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में रूस के राजदूत डेनिस एलिपोव ने हिंदी भाषा में भाषण दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में आत्मीयता के साथ सांस्कृतिक मित्रता का भी भाव है। उन्होंने दोनों देशों की मित्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर एक प्रतीकात्मक संदेश ज्ञापन भी जारी किया।

अमेरिका में

ब्लॉगर ने मेट्रो स्टेशन का सफर कर बनाया गिनीज रिकॉर्ड

अमेरिका में वाशिंगटन डीसी के सभी मेट्रो स्टेशनों का 8 घंटे 54 मिनट में सफर करके नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। ट्रेवल ब्लॉगर लुकास वॉल ने अमेरिका के दूसरे सबसे व्यस्त रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 97 मेट्रो स्टेशनों का सफर किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने कहा कि लुकास ने 9 घंटे से कम के अपने समय के पिछले रिकॉर्डधारक स्कॉट बेनेट की तुलना में लगभग 1 घंटे अधिक समय लिया। बेनेट ने दिसंबर 2019 में 7 घंटे 59 मिनट में अपनी यात्रा पूरी की थी। लेकिन उसके बाद से छह नए स्टेशन जुड़े हैं।

नीदरलैंड्स में

बुलेट शेप की सुपर सबमरीन से पानी के भीतर का नजारा दिखा

नीदरलैंड्स की कंपनी यू-बोट वोर्क्स ने इको टूरिज्म के लिए एक बुलेट के शेप की सबमरीन 'सुपर सब' तैयार की है। किसी इलेक्ट्रिक कार की तरह यह आसानी से पानी के भीतर चलती है। इसमें एक समय में 3 लोग बैठकर पानी के भीतर के नजारों का आनंद उठा सकते हैं। लगभग 18 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से यह पानी में 300 मीटर गहराई तक जा सकती है। साल 2021 में इसे दुनिया के सामने लाया गया था।

रियर एडमिरल एएन प्रमोद ने

महाराष्ट्र नेवल एरिया के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्यभार संभाला

रियर एडमिरल संदीप मेहता, वीएसएम ने आईएनएस कुंजली परेड ग्राउंड में आयोजित एक भव्य औपचारिक परेड में महाराष्ट्र नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग की बैटन रियर एडमिरल एएन प्रमोद को सौंपी। 1 जुलाई 1990 को भारतीय नौसेना में नियुक्त रियर एडमिरल प्रमोद एक योग्य नेवल एयर ऑपरेशन्स ऑफिसर और संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ हैं। वह प्रतिष्ठित नौसेना अकादमी, गोवा, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन और नेवल वॉर कॉलेज, गोवा के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने भारतीय नौसेना के जहाजों अभय, शार्दुल एवं सतपुड़ा और नेवल एयर स्टेशन, आईएनएस उत्क्रोश की भी कमान संभाली।

स्मृति शेष

रसना के संस्थापक पिरोजशॉ खंबाटा का निधन

रसना समूह के संस्थापक और चेयरमैन अरीज पिरोजशॉ का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह पारसी ईरानी जरथ्रोस्ती विश्व गठबंधन के चेयरमैन भी रहे थे। 1970 के दशक में शुरू रसना दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्ट ड्रिंक कंसंट्रेट निर्माता कंपनी है।

भारतीय फुटबॉल के पूर्व कप्तान बाबू मणि का निधन

भारतीय फुटबॉल के पूर्व कप्तान बाबू मणि का 59 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1984 के नेहरू कप टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में पर्दापण किया था। उन्होंने 55 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह एएफसी एशियाई कप क्वॉलीफाई करने वाली पहली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर

उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021

परीक्षा दिनांक 16.10.2022 (रविवार)

परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्रमांक - 10349/39/2022/अनु.-10 **इन्दौर, दिनांक : 29.11.2022**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर द्वारा उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

[01] विज्ञापन क्रमांक - 05/2021/23.06.2021 ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 04.08.2021।

[A] सूचना क्रमांक 01/05/2021, दिनांक 05.07.2021 (उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) तथा उप पुलिस अधीक्षक (कम्प्यूटर)। परीक्षा-2021 उप पुलिस अधीक्षक (कम्प्यूटर) के पद हेतु आवेदन प्रक्रिया लंबित रखे जाने की सूचना।

[B] शुद्धि पत्र क्रमांक 01/05/2021, दिनांक 08.07.2021 (उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) तथा उप पुलिस अधीक्षक (कम्प्यूटर) परीक्षा 2021)।

[C] सूचना पत्र क्रमांक 01/05/2021, दिनांक 22.11.2021, (उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 परीक्षा स्थगन की सूचना)।

[D] सूचना पत्र क्रमांक 01/2021, दिनांक 23.11.2021 (आयोग द्वारा जारी विज्ञापनों हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने के संबंध में)।

[E] सूचना पत्र क्रमांक 02/05/2021, दिनांक 13.04.2022 (उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021, राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 एवं दंत शल्य चिकित्सक परीक्षा-2022 परीक्षा आयोजन की सूचना)।

[F] संशोधित सूचना पत्र क्रमांक 02/05/2021, दिनांक 18.04.2022 (राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2021 एवं दंत शल्य चिकित्सक परीक्षा-2022 ऑफलाइन परीक्षा आयोजन की सूचना)

[G] शुद्धि पत्र क्रमांक 02/05/2021, दिनांक 30.05.2022 (उप पुलिस अधीक्षक रेडियो परीक्षा 2021 हेतु रोज़गार पंजीयन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु आयु सीमा छूट तथा ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना)।

[H] शुद्धि पत्र क्रमांक 03/05/2021, दिनांक 01.09.2022 (उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 परीक्षा के आयोजन विषयक सूचना)।

[I] विज्ञप्ति क्रमांक 860/2022/प.नि., दिनांक 16.10.2022 (उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 (केल्कुलेटर उपयोग के संबंध में)।

02 उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 प्रदेश के 04 जिला मुख्यालयों इंदौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर के केन्द्रों पर दिनांक 16.10.2022 (रविवार) को एक सत्र में दोपहर 12.00 बजे से 03.00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03 उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :-

उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो)/DSP (RADIO)

क्र.	पद का नाम	रिक्त पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षित पदों की संख्या					रिक्तियों में से मध्यप्रदेश की मूल निवासी दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पदों की संख्या				कुल पदों की संख्या
		UR	SC	ST	OBC	EWS	UR	SC	ST	OBC	EWS	OH	VH	HH	MD	
1.	उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो)	4	2	3	3	1	1	1	1	1	-	-	-	-	-	13

04 राज्य सेवा परीक्षा 2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के "पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022" के प्रकाश में आयोग द्वारा अपनी बैठक में दिनांक 29.09.2022 के निर्णय क्र.-26 में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन करते हुए राज्य सेवा एवं अन्य भर्ती परीक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया :-

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जाए :-

1. सर्वप्रथम सभी विज्ञापनों में अन्य पिछड़ा वर्ग के वर्तमान विज्ञापित पदों को 27 प्रतिशत मान्य करते हुए उन्हें 14 प्रतिशत मुख्य भाग हेतु एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग हेतु गणना कर पृथक-पृथक किया जाए। साथ ही समस्त विभागों से 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के विज्ञापित पदों का विभाजित विवरण मांग लिया जाए।
2. उपरोक्त विभाजित 14 प्रतिशत पदों को अन्य वर्गों हेतु विज्ञापित पदों में जोड़कर कुल विज्ञापित पदों के 87 प्रतिशत पदों को मुख्य भाग लेकर परीक्षा परिणाम घोषित किया जाए।
3. उपरोक्त (1) की गणना के अनुसार प्राप्त अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष 13 प्रतिशत पदों के लिए अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को लेकर विज्ञापित पद संख्या के आधार पर प्रावधिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जाए। सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पात्रतानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शार्टलिस्टेड) प्रावधिक अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
4. समस्त चयन प्रक्रियाओं में साक्षात्कार आयोजन के समय तक संबंधित विभागों से सामान्य प्रशासन विभाग के संदर्भित पत्र के संदर्भ में पुनरीक्षित अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विभाजित पद विवरण सहित सभी पदों का विज्ञापित पद विवरण अनिवार्यतः मांग लिया जाए। विभागों से पुनरीक्षित पद विवरण प्राप्त होने के उपरांत विज्ञापित पदों के मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के पदों की विज्ञप्ति प्रकाशित की जाए।
5. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का वचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।
6. साक्षात्कार के उपरांत माननीय न्यायालय को वस्तुस्थिति से अवगत करवाते हुए अंतिम परीक्षा परिणाम जारी करने के पूर्व पूर्वानुमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाए।
7. तत्पश्चात् मुख्य भाग (87 प्रतिशत) का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर अनुशंसा संबंधित विभागों को प्रेषित की जाए।
8. प्रावधिक भाग का अंतिम चयन परिणाम दोनों वर्गों (अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग) के लिए तैयार कर दो पृथक-पृथक सीलबंद लिफाफों में रख दिया जाए। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के पश्चात् जिस भी वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में निर्णय होता है वह लिफाफा खोलकर चयन परिणाम घोषित कर विभागों को अनुशंसा प्रेषित की जाए।
9. सभी लंबित लिखित परीक्षाओं/साक्षात्कार होने वाले या सम्पन्न हो चुके भर्ती परीक्षाओं के परिणाम यथाशीघ्र घोषित किए जाएं।
10. उपरोक्त प्रक्रिया का पालन करने के पूर्व सामान्य प्रशासन विभाग के संदर्भित पत्र का उल्लेख करते हुए परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया से संबंधित विज्ञप्ति प्रकाशित की जाए।
11. समस्त परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका डब्ल्यू.पी.-5901/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन होंगे।

05. उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार दो भागों में है - (अ) मुख्य भाग (87 प्रतिशत) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु रखे जाने हैं)। तदानुसार अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद-3 है जिसका मुख्य भाग में 14 प्रतिशत के मान से 2 पद तथा प्रावधिक भाग में 13 प्रतिशत के मान से 1 पद लिया गया है।

मुख्य भाग-अ

मुख्य भाग-अ के लिए उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 हेतु उपरोक्त पदों के 03 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल अभ्यर्थियों की श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार है :-

श्रेणी	03 गुना+समान अंक
अनारक्षित (UR)	15
अनुसूचित जाति (SC)	7
अनुसूचित जनजाति (ST)	6
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	9
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	3
कुल	**40**

उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 के परीक्षा परिणाम में मुख्य भाग-अ के लिए प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाए गए **कुल-40** आवेदकों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (RADIO) EXAM 2021 PART A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES QUALIFIED FOR INTERVIEW

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	100063	11.	101412	21.	102163	31.	103048
2.	100288	12.	101413	22.	102229	32.	103280
3.	100676	13.	101465	23.	102325	33.	103298
4.	100702	14.	101677	24.	102412	34.	103322
5.	100726	15.	101695	25.	102529	35.	103368
6.	100733	16.	101714	26.	102603	36.	103380
7.	101013	17.	101763	27.	102649	37.	103695
8.	101091	18.	101809	28.	102808	38.	103792
9.	101094	19.	101812	29.	102912	39.	103944
10.	101378	20.	101960	30.	103024	40.	104049

प्रावधिक भाग-ब

उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 के परीक्षा परिणाम में प्रावधिक भाग-ब हेतु उपरोक्त पदों के 03 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल अभ्यर्थियों की श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार है :-

श्रेणी	03 गुना+समान अंक
अनारक्षित (UR)	3
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	3
कुल	**6**

उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 के परीक्षा परिणाम में प्रावधिक भाग-ब के लिए प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह पाए गए **कुल-6** आवेदकों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (RADIO) EXAM 2021 PART B (PROVISIONAL)
ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES QUALIFIED FOR INTERVIEW

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	101377	3.	101828	5.	103672
2.	101659	4.	103177	6.	103931

अभिलेख प्रेषित करने हेतु निर्देश :-

01 उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।
02 उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
03 व्यक्तिगत विवरण-01 मूल प्रति व 5-छायाप्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
04 अनुप्रमाणन-फॉर्म 03 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
05 शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
06 घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा में विवर्जित होने संबंधी-01 मूल प्रति) (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
07 अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
08 हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा की अंकसूची।
09 किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रानिकी/टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में स्नातक उपाधि अथवा उसके समकक्ष उपाधि।
10. मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की प्रति (प्रमाण पत्र में गोल सील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख आवश्यक है।)
11 आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मध्यप्रदेश शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने का दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (केन्द्र शासन की सेवाओं हेतु मान्य जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे। मध्यप्रदेश शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण पत्र मान्य होंगे।)
12 ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी की पात्रता रखने वाले आवेदक ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र।
13 मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने के स्थिति में मध्यप्रदेश रोज़गार कार्यालय के जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति।
14 महिला आवेदकों हेतु विवाहोपरांत/उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति।
15 शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति। (अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त न हुआ हो, तो विभाग को अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु प्रस्तुत पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करें।)
16 अन्य कोई प्रमाण पत्र (यदि हो, जिसका ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख हो की छायाप्रति।)

06 उपरोक्तानुसार क्रम में प्रमाण पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर दिनांक 30.12.2022 तक आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन आवेदकों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग
पश्चिम परिक्षेत्र, इंदौर

गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर

E-mail ID : cepwdwest@mp.nic.in, Phone No. : 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 09/सा/40/निविदा/2022-23 **इंदौर, दिनांक : 23.11.2022**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 1. बंगाली चौराहे इंदौर से बिचौली मर्दाना (व्हाया मयंक ब्लू वाटर पार्क) मार्ग का उन्नयन (2/1.5 लेन से 4 लेन) का कार्य कुल लंबाई 2.71 कि.मी.। (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल क्रमांक	जिला	अनुमानित राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2022_PWDRB_233391_1	इंदौर	1065.76	1000000/-	30,000/-	18 माह वर्षाकाल सहित

2. भाण्डाखापर अखोली बोरझाड मार्ग कि.मी. 0 से 7/2 (Part of mdr-MP-MDR-47-02) विद्युत लाइन एवं ट्रान्सफार्मर शिफ्टिंग सहित निर्माण कार्य कुल लंबाई 6.14 कि.मी.। (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWDRB_233393_1	अलिराजपुर	780.46	780460/-	20,000/-	16 माह वर्षाकाल सहित

3. उपसंभाग खरगोन के अंतर्गत बिस्टान सिरबेल तेनसेमली मार्ग का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWDRB_233394_1	खरगोन	1198.01	1000000/-	30,000/-	18 माह वर्षाकाल सहित

महायोग 3044.23 लाख

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि एवं समय दिनांक 08.12.2022, 17:30 तक** निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती हैं।

निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जावेगा।

सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जावे।

मुख्य अभियंता

जी-19915/47830/2022 **लो.नि.वि. पश्चिम परिक्षेत्र, इंदौर**

कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य
मध्यप्रदेश

क्र./शिक्षा शाला/सी.एम. राइज़/2022/23446 **भोपाल, दिनांक : 25.11.2022**

विज्ञापन

जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित 95 सी.एम. राइज़ विद्यालयों में शैक्षणिक पदों हेतु जनजातीय कार्य/स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों से अध्यापन के लिये ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं इस प्रक्रिया में नवनियुक्त माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक भी आवेदन कर सकते हैं।

विस्तृत विज्ञापन तथा शर्तें, ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया **www.tribal.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन विभागीय **MPTAASC पोर्टल पर दिनांक 16.12.2022 तक** किए जा सकेंगे।

नोट : सी.एम. राइज़ विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को शाला में बने रहने के लिए चयन प्रक्रिया में आवेदन करना अनिवार्य होगा।

अपर संचालक

जी-19784/47821/2022 **जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही आवेदक को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की तिथि पृथक से घोषित की जाएगी।

महत्वपूर्ण टीप :-

01. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक है। यदि अभ्यर्थी उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं, तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
02. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
03. महिला आरक्षण में आरक्षित वर्ग की वे महिला अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
04. उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी। साक्षात्कार की विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर जारी कर दी जाएगी।
05. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
06. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणामस्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
07. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह प्रत्याशियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा।
08. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई भी तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है, तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।
09. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी.-5901/2019 एवं संबंधित अन्य याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
10. आवेदकों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख दिनांक 30.12.2022 तक निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया,
इंदौर (म.प्र.) - 452001

लिफाफे पर **उप पुलिस अधीक्षक (रेडियो) परीक्षा-2021** के साक्षात्कार हेतु अभिलेख अवश्य लिखें।

जी-19873/47824/2022 **उप परीक्षा नियंत्रक**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग छिंदवाड़ा

E-mail : eepwd1chhind@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 12/व.ले.लि./2022-23/ **छिंदवाड़ा, दिनांक : 21.11.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से डाउनलोड की जा सकेंगी।

स. क्र.	टेंडर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1.	233594	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	आयोजना मद अंतर्गत कन्हरगांव-डोमरी-मुजावर पश्चिमी रैयत मार्ग लं. 7.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। मय विद्युतीकरण पोल शिफ्टिंग एवं झूलते हुये विद्युत तारों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**	487.20	487200/-	15,000/-	12 माह वर्षाऋतु सहित
2.	233596	छिंदवाड़ा	नवीनीकरण कार्य	वार्षिक संधारण मद से लो.नि.वि. उपसंभाग क्र.2 छिंदवाड़ा अंतर्गत 05 मार्गों पर बी.टी. रिनुवल का कार्य कुल लं. 10.02 कि.मी. (1) छिंदवाड़ा रिंग रोड (मुलताई रोड खूनाझिर रोटरी) से रिंग रोड कुकड़ाचिमन ग्राम तक इमलीखेड़ा जंक्शन रोड चैनेज कि.मी. 1, 2, 4, 8, 9, 10/6 = 5.52 कि.मी. (2) झिरिया पहुंच मार्ग कि.मी. 1 एवं 2 = 2.00 कि.मी. (3) करेर पहुंच मार्ग कि.मी. 1 से 3/2 = 2.20 कि.मी. (4) उमरानाला रेस्ट हाउस पहुंच मार्ग कि.मी. 1/2 = 0.20 कि.मी. एवं (5) लावाघोघरी रेस्ट हाउस पहुंच मार्ग कि.मी. 1/2 (100) मी. = 0.10 कि.मी. कार्य **(प्रथम आमंत्रण)**	225.65	225700/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु छोड़कर
3.	233597	छिंदवाड़ा	नवीनीकरण कार्य	वार्षिक संधारण मद से लो.नि.वि. उपसंभाग सौसर अंतर्गत 03 मार्गों पर बी.टी. रिनुवल का कार्य। 1. जामसांवली हनुमान मंदिर पहुंच मार्ग लं. 0.80 कि.मी. 2. पांढुर्णा रजोलाकलां मार्ग लं. 2.00 कि.मी. 3. मारूड इटावा मार्ग लं. 4.00 कि.मी. कुल लं. 6.80 कि.मी. कार्य। **(छठवां आमंत्रण)**	61.34	61400/-	10000/-	3 माह वर्षाऋतु छोड़कर

कुल योग :- 774.19 लाख

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 08.12.2022 समय 5.30 बजे तक** है। ऑनलाइन प्राप्त निविदा ऑफर को मान्य किया जायेगा। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-19661/47820/2022 **लो.नि.वि. (भ/स) संभाग छिंदवाड़ा (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग रायसेन (म.प्र.)

ई-मेल : eepwdraisen@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 07482-222051

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 27/व.ले.लि./रायसेन/2022-23 **रायसेन, दिनांक : 25.11.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 1. भोपाल सांची मार्ग से वनखेड़ी व्हाया सेमरा मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 4.32 कि.मी.।

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
2022_PWDRB_235070	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	417.73	
2. ग्राम दादरोद से सिंगपुर इमालिया आदिवासी टोला तक मार्ग लंबाई 3.81 कि.मी. का निर्माण कार्य।					
2022_PWDRB_235071	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	356.73	
3. बड़ोद से साचेत मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 4.41 कि.मी.।					
2022_PWDRB_235073	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	326.44	
4. दीवानगंज बरजोरपुर मार्ग से कढ़ैया सी.सी. मार्ग का निर्माण लंबाई 2.77 कि.मी.।					
2022_PWDRB_235075	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	311.38	
5. बरेली उपसंभाग अंतर्गत क्षतिग्रस्त बोर्ड एवं पुलिया मरम्मत कार्य।					
2022_PWDRB_235078	रायसेन	मरम्मत कार्य	द्वितीय	19.00	
6. सुनारी एवं सांची पहुंच मार्ग पर बी.टी. नवीनीकरण कार्य लंबाई 1.90 कि.मी.।					
2022_PWDRB_235086	रायसेन	नवीनीकरण कार्य	द्वितीय	18.33	
7. बरेली उपसंभाग अंतर्गत शासकीय आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य।					
2022_PWDRB_235091	रायसेन	मरम्मत कार्य	द्वितीय	17.50	
8. ढकना चपना मार्ग पर बी.टी. नवीनीकरण कार्य लंबाई 1.40 कि.मी.।					
2022_PWDRB_235098	रायसेन	नवीनीकरण कार्य	द्वितीय	12.19	
			योग	**1479.30**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **30.11.2022 से 17.12.2022 (17:30) बजे अंतिम तिथि** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-19942/47845/2022 **लोक निर्माण विभाग, रायसेन, संभाग रायसेन**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-2
लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल
दूरभाष - 0755-2465467

क्रमांक 05/व.ले.लि./सी.2/2022-23 भोपाल, दिनांक : 28.11.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन के तहत पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. विन्ध्याचल भवन स्थित आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय भवन में आंतरिक रिनोवेशन कार्य।

एन.आई.टी. क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य की अनुमा. लागत (रु. लाखों में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	भौतिक रूप में एनक्लोप प्रस्तुत करने का कार्यालय
44/व.ले.लि. दिनांक 28.11.2022	2022_CPA_234909_1	रु. 156.73 लाख (रु. एक करोड़ छप्पन लाख तिहत्तर हजार)	रु. 1,56,730/-	रु. 12,500/-	केवल ऑनलाइन प्रस्तुत करना है।

उपरोक्त वेबसाइट से ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं ऑनलाइन प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 13.12.2022 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
राजधानी संभाग क्रमांक-2, लोक निर्माण विभाग
जी-19872/47823/2022 ई-5, अरेरा कॉलोनी, भोपाल दूरभाष - 0755-2465467

कार्यालय प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स, भोपाल
ISO:9001:2008
E-mail :petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

पत्र/प्रशि/न.स-36/2022/ भोपाल, दिनांक.....

प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड द्वारा आयोजित पटवारी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु विज्ञापन

प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड द्वारा पटवारी पद पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे उम्मीदवार जो इस परीक्षा हेतु तैयारी करना चाहते हैं उनके लिए परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र श्यामला हिल्स भोपाल में निःशुल्क प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण हेतु निम्न शर्तों के अधीन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

1. आवेदक म.प्र. राज्य का अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य हो।
2. आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रुपये 6.00 लाख से अधिक न हो।
3. आवेदक के प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड द्वारा आयोजित पटवारी परीक्षा हेतु आवेदन करना अनिवार्य होगा अन्यथा उसका प्रवेश निरस्त किया जावेगा एवं दिये गए शासकीय लाभ की उनसे वसूली की जावेगी।
4. केन्द्र में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष व अधिकतम 35 वर्ष है।
5. आवेदक ने स्नातक परीक्षा न्यूनतम 55 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण की हो।
6. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
7. प्रवेश के समय मूल टी.सी. जमा करना अनिवार्य होगा। टी.सी. जमा ना करने की अवस्था में शासन द्वारा देय किसी भी सुविधा का लाभ प्रशिक्षणार्थी को नहीं दिया जायेगा।
8. प्रशिक्षण में प्रवेश की सूचना अभ्यर्थियों को उनके E MAIL-ID पर दी जायेगी।
9. प्रशिक्षण अवधि 03 माह रहेगी, जो प्रशिक्षण प्रारंभ होने की संभावित दिनांक 15 दिसम्बर 2022 से 14 मार्च 2023 तक रहेगी।

उपरोक्तानुसार पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक अभिलेखों की छायाप्रतियों के साथ **दिनांक 12 दिसम्बर 2022 तक** संस्थान के **E-mail : petcsc.bpl@gmail.com** अथवा डाक से या व्यक्तिगत रूप से परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में सम्पर्क कर सकते हैं, अधिक जानकारी के लिये परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 पर सम्पर्क कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल (म.प्र.)

कार्यालय प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स, भोपाल
ISO:9001:2008
E-mail :petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

पटवारी परीक्षा प्रशिक्षण

Photograph

1. पूरा नाम (1) हिन्दी में .....
   (2) अंग्रेजी में .....
2. पिताजी का नाम .....
3. माता का नाम .....
4. जन्म दिनांक .....
5. पत्र व्यवहार का पता .....
   जिला ..... पिन कोड .....
6. स्थायी पता.....
   ग्राम ..... तहसील .....
   जिला ..... पिनकोड .....
7. जाति .....
8. उपजाति .....
9. परिवार के मुखिया का व्यवसाय .....
10. मुखिया की वार्षिक आय .....
11. स्वयं का मो.नं. .....
12. पिता का मो.नं. .....
13. स्वयं का व्यवसाय/सर्विस यदि हो तो .....
14. स्वयं की वार्षिक आय .....
15. भाई-बहन सर्विस/व्यवसाय में हो तो पद व आय सहित उनका विवरण देवें। .....
16. आवेदक का ई-मेल आईडी .....
17. आवेदक का आधार कार्ड क्र. .....
18. शैक्षणिक योग्यता -

क्र.	शिक्षा (संकाय सहित)	विषय	मण्डल/वि.वि.	प्रतिशत	रिमार्क
01	हाईस्कूल				
02	हायर सेकेण्डरी				
03	स्नातक				

19. यदि पूर्व में किसी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए हैं तो प्रशिक्षण केन्द्र का नाम.....प्रशिक्षण का प्रकार.....तथा प्रशिक्षण लेने का वर्ष.....तथा समयावधि.....में.....तक
20. संलग्न किये जाने वाले अभिलेख
    1. हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी, स्नातक अंकसूची की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
    2. आय प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, निवासी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
    3. आधार कार्ड की छायाप्रति।

घोषणा पत्र

मैं.....घोषणा करता हूं/करती हूं कि आवेदन पत्र में मेरे द्वारा दी गई समस्त जानकारी पूर्णतः सत्य है। जानकारी गलत या अमान्य होने की स्थिति में मेरा आवेदन पत्र निरस्त किया जा सकेगा जिसकी संपूर्ण जवाबदेही मेरी स्वयं की होगी।

हस्ताक्षर आवेदनकर्ता .....
नाम .....
मोबाइल नंबर .....

जी-19878/47827/2022

CORRIGENDUM

1. Ref Job vacancy.....
2. Interview for short listed applicant for the post of Director AWPO Regional Office, Bhopal is scheduled to be conducted on 18 Jan 23 instead of 28 Dec 22.

R-47828/2022

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, संभाग-ग्वालियर
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू. क्र.-06/2022-23/817 भोपाल, दिनांक : 24.11.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-ग्वालियर की ओर से निम्नलिखित जिलों में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों मय सी.एच.ओ. आवास निर्माण कार्य हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	जिला चिकित्सालय, उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन की संख्या	अनुमानित लागत राशि रुपये लाख में	समय सीमा
1.	2022_DHS_234575	ग्वालियर	02	120.62	09 माह वर्षाकाल सहित
2.	2022_DHS_234576	गुना	03	131.63	12 माह वर्षाकाल सहित
3.	2022_DHS_234577	शिवपुरी	03	131.63	12 माह वर्षाकाल सहित

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 28.11.2022 से 12.12.2022 समय 17:30 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-19909/47829/2022 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, संभाग-ग्वालियर

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 14/मु.अ.(सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2022-23 **भोपाल, दिनांक : 24.11.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. दमोह शहर में दमोह-पथरिया मार्ग एवं बीना-कटनी रेलखण्ड के कि.मी. 1126/7-9 में समपार क्रमांक-58 पर तीन गुल्ली के पास रेल्वे ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2022_PWDRB_234206_1	दमोह	पुल कार्य	द्वितीय	3033.96	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. सागर जिले के सागर शहर में रेल्वे स्टेशन से छावनी परिषद को जोड़ने वाला मार्ग एवं बीना-कटनी रेल्वे सेक्शन के कि.मी. 1050/7-8 में समपार क्रमांक-26 पर रेल्वे ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_234207_1	सागर	पुल कार्य	प्रथम	2281.51	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. दमोह जिले के दमोह-हिन्डोरिया-पटेरा मार्ग में एवं बीना-कटनी रेलखण्ड के कि.मी. 1133/8-9 के समपार क्रमांक-65 पर रेल्वे ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_234208_1	दमोह	पुल कार्य	प्रथम	2228.13	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. दमोह जिले के दमोह-कटनी मार्ग पर बीना-कटनी रेलखण्ड के कि.मी. 1137/1-3 के समपार क्रमांक-67 पर पहुंच मार्ग सहित रेल्वे ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_234209_1	दमोह	पुल कार्य	प्रथम	2135.51	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. सागर जिले के रहली विधानसभा अंतर्गत हरसिद्धी माता मंदिर से बूढ़ी रानगिर माता मंदिर के बीच देहार नदी पर उच्चस्तरीय (केवल स्टेड) पुल पहुंच मार्ग एवं सुरक्षा कार्य।

2022_PWDRB_234210_1	सागर	पुल कार्य	प्रथम	2042.52	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. रीवा जिले के बरहा पटना मार्ग के कि.मी. 1/4 में बीहर नदी (नावघाट) पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2022_PWDRB_234211_1	रीवा	पुल कार्य	चतुर्थ	947.69	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. छतरपुर जिले के बड़ामलहरा-कायन-सिलारो मार्ग में काठन नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य एवं परिवर्तित मार्ग सहित कार्य।

2022_PWDRB_234212_1	छतरपुर	पुल कार्य	तृतीय	591.41	केवल ऑनलाइन
		कुल योग		**13260.73**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 16.12.2022, (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-19861/47822/2022 लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल

सहरिया देवलोक

उत्पत्ति

सहरिया शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'सवर' शब्द से हुई है। प्राचीन संस्कृत साहित्य में 'सवर' शब्द का प्रयोग शिकारी अरण्यवासियों के लिए किया गया है। सहरिया कोलारियन परिवार भीलों की उपशाखा माने जाते हैं अर्थात सहरिया स्वयं को भीलों का छोटा भाई मानते हैं। एक किंवदंती के अनुसार सहरिया अपने आपको महर्षि वाल्मीकि की संतान एवं वंशज मानते हैं तथा महर्षि वाल्मीकि को ही अपना पितृ पुरुष मानते हैं।

एक अन्य किंवदंती के अनुसार सहरिया एवं भील दो बहिनों भीलनी एवं सीरिया की संतान हैं। बड़ी बहिन भीलनी से भील और छोटी बहिन सीरिया से उत्पन्न संतान सहरिया है। सहरिया शब्द की उत्पत्ति फारसी भाषा के 'सहर' शब्द से हुई है जिसका अर्थ है जंगल इसलिए मूलतः जंगल में रहने के कारण इन्हें सहरिया कहा गया है। वैसे तो सहरिया की उत्पत्ति के संबंध में कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं मिलता है, किन्तु सहरिया की उत्पत्ति के संबंध में अनेक कथायें प्रचलित हैं। सहरिया को 'सेहर,' 'सैर', 'संवर', 'सऔंर' 'सहरा' आदि नामों से भी जाना जाता है।

निवास

सहरिया लोग मध्यप्रदेश के मुरैना, ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, भिंड, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सागर, विदिशा, रायसेन और सीहोर जिलों में पाये जाते हैं। प्रत्येक जिले में इनकी जनसंख्या पृथक-पृथक है। ग्वालियर संभाग के शिवपुरी जिले में तथा चम्बल संभाग अंतर्गत श्योपुर जिले में इनकी जनसंख्या अधिक पाई जाती है। भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के मुरैना, ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर जिलों में निवासरत सहरिया को विशेष पिछड़ी जनजाति के अंतर्गत मान्य किया है।

सहरिया देवलोक अर्थात देवी-देवता

सहरिया जनजाति में विभिन्न प्रकार के रीति रिवाजों, परम्परा, देव आराधना, देवी-देवताओं में आस्था आदि से संबंधित प्रथा को सहरिया देवलोक के नाम से जाना जाता है, अर्थात सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति में देवलोक प्रथा प्रचलन में है। सहरिया लोग ईश्वर में आस्था रखते हैं और उनके विविध रूपों में पूजा-अर्चना करते हैं। सहरिया सामान्य रूप से धार्मिक स्वभाव के व्यक्ति होते हैं। उनके धार्मिक स्वभाव और व्यवहार को देखते हुए भारत की बहु देववादी सनातन संस्कृति की ही एक कड़ी कहा जा सकता है। **रसेल एवं हीरालाल** ने सहरियाओं (संवरा) के धर्म के बारे में लिखा है कि ये लोग कई नामों से भवानी की तथा दूल्हा देव (जिन्हें शेर ने मारा था) की पूजा करते हैं।

इस जनजाति में देवलोक प्रथा के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के देवी-देवताओं की पूजा समय-समय पर निर्धारित मान्यताओं अनुसार की जाती है। सहरिया गांवों में देवी-देवताओं के चबूतरे बनवाते हैं। देवी-देवताओं के पूजन के प्रति सहरिया समुदाय का अनुराग एवं प्रेम-भाव कुछ अधिक ही पाया जाता है। हिन्दुओं की भांति सहरिया भी शक्ति के उपासक होते हैं। सहरिया समाज के देवस्थान और चबूतरा बहुत बड़े और आकर्षक नहीं होते हैं। इनकी पूजन की पद्धति काफी आडंबरहीन और दिखावा से दूर है।

सहरिया भगवान को विभिन्न देवी-देवता के रूप में मानते हैं। बुजुर्ग सहरिया मुखियाओं के अनुसार भगवान एक ईश्वर है जिन्होंने सम्पूर्ण ब्रह्मांड की रचना की है। इन्हीं भगवान को कुछ सहरिया ब्रह्मा, कुछ शिव, तथा कुछ सहरिया लोग विष्णु के रूप में मानते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि इनमें राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती, राम-लक्ष्मण और हनुमान तथा लक्ष्मी और गणेश दुर्गा का भी ध्यान करते हैं। सहरिया लोग हिन्दुओं के समान पूजा में गणेश जी को पहले पूजते हैं और हनुमान को आदरपूर्वक पूजते हैं।

सहरिया देवलोक की मान्यता के अनुसार सहरिया समाज में भगवान के पश्चात स्थानीय देवताओं से बढ़कर कोई दूसरा देवता नहीं होता है अर्थात सहरिया स्थानीय देवी-देवताओं पर अधिक विश्वास करते हैं। सहरिया देवलोक के अंतर्गत स्थानीय देवता सहरिया जाति के गुनिया, ओझा, भोपा और बड़वा के माध्यम से धर्म का मार्ग प्रशस्त करते हैं। हिन्दुओं के साथ लगातार प्रभाव एवं सम्पर्क में रहने के कारण सहरिया जनजाति के लोगों ने हिन्दू धर्म पद्धति के बहुत से रीति-रिवाजों को अपना लिया है। सहरिया जनजाति में धर्म की उत्पत्ति उनकी आस्था अनुष्ठान के केन्द्र में होती है। संवरों के टोटकों को 'सवरी मंत्र' भी कहा जाता है। ये मंत्र संघर्ष में मरे हुए व्यक्तियों की आत्मा की शांति में सहायक होते हैं। सहरिया देवलोक के अंतर्गत निम्नलिखित देवी-देवताओं की मान्यतायें प्रचलित हैं :-

(01) वाल्मीकि - सहरिया जनजाति वाल्मीकि को अपना आदिगुरु के रूप में मानती है एवं उनके पक्के मंदिर को पवित्र तीर्थस्थल मानती है।

(02) बीजासन माता - बीजासन माता सहरिया बच्चों की रक्षा करती हैं और सभी प्रकार के कष्ट दूर करती हैं। नवरात्रि में बीजासन माता के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रहती है। सहरिया लोग शिकार के लिए जाते समय भी सुरक्षा के लिये बीजासन माता की आराधना करते हैं।

(03) ठाकुर देव - ठाकुर देव या ठाकुर बाबा बच्चों या बड़ों की रक्षा करने वाले प्रमुख ग्राम देवता हैं। इनके छोटे बच्चे तथा बूढ़े व्यक्तियों में अनेक प्रकार की बीमारियां पाई जाती हैं। ठाकुर देव की स्थापना गांव के एक ओर किसी पेड़ के नीचे की जाती है। जब कोई सहरिया रोगी व्यक्ति ठीक हो जाता है तो ठाकुर देव की पूजा 'भोपा' के कहे अनुसार की जाती है।

(04) परीत देव- परीत देव दिवंगत पूर्वजों के प्रति स्थाई आदर भाव के प्रतीक माने जाते हैं। सहरिया परिवार के किसी भी गोत्र में सबसे प्रिय बुजुर्ग या प्रतिष्ठित व्यक्ति की अगर मृत्यु हो जाती है तो उस व्यक्ति का उसके ही खेत में दाह संस्कार किया जाता है और उसको परीत बाबा मानने लगते हैं। परीत देव एक प्रकार से पारिवारिक देवता होते हैं। प्रत्येक अमावस्या और पूर्णिमा को उनके परिवार द्वारा दूध, नारियल, फूल, बताशे चढ़ाकर उनकी परिवार के सदस्यों को सुख-समृद्धि प्रदान करने के उद्देश्य से पूजा की जाती है।

(05) नाहर देव - सहरिया लोगों में नाहरसिंह देव के पूजन की परंपरा भी पुरानी है। नाहर देव शेर देवता हैं, जो जंगल में सहरियाओं की रक्षा करते हैं। शेर जंगल का राजा रहता है। ये लोग नाहर को शेर भी कहते हैं। नाहरदेव की स्थापना सहराने के बाहर जंगल और खेतों की सीमा पर करते हैं तथा कार्तिक और दशहरे के समय पूजा करते हैं।

(06) भैरो देव - भैरो देव का स्थान प्रत्येक सहरिया गांवों में पाया जाता है। भैरो बाबा की स्थापना किसी पेड़ के नीचे या खुले चबूतरे पर एक सिंदूर लगे लम्बे गोल पत्थर के रूप में होती है। भैरो या भैरव का अर्थ भय को हरण कर जगत का पोषण करने वाला माना जाता है। भैरो देव भगवान शिव के गण माने जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि भैरो में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की शक्ति समाहित रहती हैं। सहरिया समाज में ऐसी मान्यता है कि बांझ स्त्रियां भैरो बाबा से पुत्र प्राप्ति की मनोकामना करती हैं। भैरो बाबा की पूजा में पहले बकरा या मुर्गा की बलि देते थे, लेकिन वर्तमान में नारियल, अगरबत्ती, धूप, प्रसाद चढ़ाते हैं।

(07) कंकाली देवी - सहरिया समाज में ऐसी मान्यता है कि कंकाली माता महामारी या दैवीय प्रकोप से बचाती हैं। सहरिया गांव में कंकाली देवी का पूजा स्थान होता है जिसका पुजारी भोपा होता है जो कि देवी माँ की साधना करता है। त्योहार आदि विशेष अवसरों पर देवी स्थान पर भोपा के शरीर में भाव आते हैं। भाव आते समय 'भोपा' से सहरिया लोग अपने गूढ़ प्रश्न करते हैं और भोपा उनके प्रश्नों का उत्तर देता है। सहरिया लोगों का विश्वास रहता है कि भाव के समय देवी माता भोपा या पुजारी के माध्यम से पूछे गये प्रश्नों का सही-सही उत्तर देती हैं।

(08) दरेठ देव - दरेठ की पूजा निःसंतान दम्पति करते हैं। इन्हें संतान देने वाला देवता भी कहा जाता है। सहरिया समाज के लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों का मुण्डन संस्कार दरेठ देवता के स्थान (चबूतरा) पर करते हैं। दरेठ देव को सहरिया समाज के चौहान गोत्र का कुल देवता भी माना जाता है।

(09) घास भैरो जी देवता - घास भैरो की पूजा का प्रचलन वर्षों से चला आ रहा है, जिसको मनाने के लिए सभी ग्रामवासी इकट्ठे होकर पैसा, चंदा एकत्रित करके भादों के माह में सामान्यतः जोड़ी बैलों का प्रबंध किया जाता है। इसके साथ ही धूपाडों (धूप), नारियल, शराब, अगरबत्ती, शुद्ध घी आदि सभी सामग्री का उपयोग घास भैरो को मनाने के लिए किया जाता है।

(10) गैलहारी देवी - गैलहारी माता का स्थान गांव के बाहर होता है। गैलहारी माता भूत-प्रेतों से सहरिया गांव अर्थात 'सहराना' की रक्षा करती हैं। सहरिया लोगों को विश्वास है कि गैलहारी देवी बुरी आत्माओं तथा भूत-प्रेतों को गांव में प्रवेश करने नहीं देती हैं। इसके अतिरिक्त गांव में फैली बीमारी से भी रक्षा करती हैं। गैलहारी माता की पूजन-अर्चना सहरिया सामूहिक तौर पर भादों के महीने में करते हैं।

(11) तेजाजी महाराज - तेजाजी मूलतः राजस्थान के लोक देवता के साथ-साथ सहरियाओं के भी इष्ट देव हैं। तेजाजी का जन्म 29 जनवरी सन् 1074 को राजस्थान के नागौर जिले में खरनाल ग्राम में एक जाट परिवार में हुआ था। तेजाजी के माता-पिता भगवान शंकर के उपासक थे और नाग देवता के आशीर्वाद से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी। तेजाजी गायों के रक्षक थे।

वे एक सत्यवादी तथा अपने वचनों पर अटल रहते थे उनकी वचनबद्धता का प्रमाण यह है कि एक बार तेजाजी ने युद्ध भूमि से घायल अवस्था में लोटकर स्वयं को एक सर्प के समक्ष प्रस्तुत कर दिया था तथा घावों से उनके शरीर पर सर्प को अपना दंश रखने को जगह नहीं मिलने पर तेजाजी ने अपना मुंह खोलकर जीभ को सर्प के सामने निकाल दी और सर्प ने उसी जीभ पर अपना दंश रखकर उनको डसा था जिससे उनकी वहीं पर मृत्यु हो गई थी।

तेजाजी ने जाति-पांति की बुराई दूर कर लोगों को सद्मार्ग पर लाने के लिए अथक प्रयत्न किये। लगभग 70 वर्ष से सहरिया लोग भी तेजाजी की पूजा बड़े श्रद्धा भाव से एवं व्यापक रूप में करते हैं। राजस्थान के सीमावर्ती जिले मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना में तेजाजी महाराज के प्रति ये अगाध श्रद्धा रखते हैं।

(12) हीरामन देवता - सहरिया के 'खडैया' गोत्र में हीरामन कुल देवता के रूप में पूजे जाते हैं जिनकी पूजा भादौ सुदी पंचमी को की जाती है। हीरामन देवता का एक चबूतरा होता है। हीरामन देवता की पूजा पशुरक्षक देवता के रूप में की जाती है तथा सर्प के काटने पर इनके नाम से बंध बांधे जाते हैं। सहरिया समुदाय का विश्वास है कि हीरामन बाबा की कृपा से उनके पशु बीमारियों से, चोरी होने से तथा जंगली जानवरों से सुरक्षित रहते हैं एवं दुधारु पशु पर्याप्त दूध देते हैं।

(13) कैला देवी - कैला माता का अत्यंत प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर राजस्थान के करौली जिले में स्थित है जो अरावली की पहाड़ियों में काली सिंध नदी जो कि बनास की सहायक नदी के तट पर चंबल के बीहड़ों के पास स्थित प्रसिद्ध शक्ति पीठ है। सहरिया लोग कैला देवी को मां दुर्गा का अवतार मानते हैं। ये लोग मां कैला के अनन्य भक्त होते हैं तथा कार्य सिद्ध पश्चात मां कैला देवी की पूजा करते हैं।

(14) भूमिया या धरती के देव - भूमिया देव सहरियाओं के आदि देव माने जाते हैं। भूमिया देव को ग्राम देवता के नाम से भी जाना जाता है। प्रत्येक 'सहराना' के बीच प्रायः नीम के पेड़ के नीचे एक चबूतरा बना होता है जिसे सहरिया लोग 'ओटला' भी कहते हैं, पर सादा पत्थर स्थापित कर भूमिया देव को स्थापित किया जाता है। सहरिया लोगों में मान्यता है कि भूमिया देव की पूजा से गांव के लोगों में संकटों और रोग, बीमारी आदि से निजात मिलती है। यह गांव के संरक्षक देवता माने जाते हैं।

(15) कारस देव - सहरिया समाज में कारस देव की पूजा पशुधन की रक्षा करने, झाड़-फूंक करने तथा विष को सोखने वाले देवता के रूप में की जाती है। सहरिया जनमानस का मानना है कि एक घर में कारसदेव तथा दूसरे घर में उनके भाई सूरज पाल प्रतिष्ठित रहते हैं। कारस देव की पूजा में प्रसाद, नारियल एवं सफेद निशान (ध्वजा) चढ़ाया जाता है। पूजा के समय कारस देव के नाम का दरबार लगता है। सहरिया समुदाय के किसी प्रतिष्ठित या भोपा के सिर पर कारस देव की सवारी (भाव) आती है जो उपस्थित भक्तों की समस्याओं को सुनकर झाड़-फूंक के द्वारा निराकरण करता है।

(16) बरवासन माता - बरवासन माता सहरिया समाज के 'बरोदिया' या 'पारदियों' गोत्र के सहरिया लोगों की देवी होती हैं। बरवासन माता का स्थान बरगद के पेड़ के नीचे रहता है। अगर कहीं पर बरगद का पेड़ होता है तो 'बरोदिया' या 'पारदियों' गोत्र के सहरिया उसे नमन करते हैं तथा उस पेड़ से इस प्रकार बचकर निकलते हैं कि उसका कोई पत्ता या फल या डाली या तना तथा पत्ता आदि इनके पैर के नीचे न आ जाये।

बसाहट एवं रहन-सहन

सहरिया बस्ती को अर्थात जहां पर सहरिया निवास करते हैं। उनके गांव को 'सहराना' कहते हैं। इनके मकान चूल्हे के आकार के बने होते हैं और बीच में मिला-जुला चूल्हा होता है। सहरिया घरों में मुख्य दरवाजे की चौखट, देहरी, आंगन, रसोईघर आदि होते हैं। सहरिया समाज की स्त्रियां गेरु मिट्टी, पीली मिट्टी और अन्य बाजार से खरीदे गये रंगों से रंगकर इन्हें मांगलिक और आकर्षक बनाती है।

धार्मिक वातावरण एवं त्योहार

सहरिया समाज एक प्रकार की वन्य जाति होने के कारण इनका मूल धर्म 'जनजातीय' था। सहरिया लोग हिन्दुओं के साथ लम्बे समय से साथ-साथ रहने से ये लोग हिन्दू धर्म से ओत-प्रोत हो गये हैं। इनके प्रमुख त्योहार निम्नलिखित हैं -

(01) रक्षाबंधन - हिन्दू समाज की भांति ही सहरिया लोग रक्षाबंधन को मनाते हैं। सहरिया लोग इसे 'श्रावणी' या 'सलूनों' भी कहते हैं। इस त्योहार के अंतर्गत राखी या रक्षासूत्र का अधिक महत्व है। इस दिन हिन्दुओं की भांति ही सहरिया परिवारों में बहन अपने भाइयों को राखी बांधकर माथे पर तिलक लगाती हैं।

(02) जन्माष्टमी - भगवान श्री कृष्ण त्याग, संघर्ष, स्वाभिमान, पुरुषार्थ, साहस, धैर्य, आत्मविश्वास, अन्याय के विरुद्ध लड़ने आदि की प्रेरणा स्वरूप सहरिया लोग हिन्दुओं की भांति ही भाद्रपक्ष माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को श्री कृष्णा जन्माष्टमी के रूप में मनाते हैं। सहरिया स्त्री-पुरुष रात्रि के बारह बजे कृष्ण भगवान की आरती के पश्चात प्रसाद ग्रहण कर व्रत खोलते हैं।

(04) शारदीय नवरात्रि - हिन्दुओं की भांति ही सहरिया स्त्री-पुरुष भी कुंवार माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से प्रारम्भ नवरात्रि में देवी मां की आराधना करते हैं। इन नौ दिनों में शक्ति के नौ रूपों की पूजा की जाती है। इन नवरात्रि में आध्यात्मिक एवं मानसिक शक्ति का संचय करने के लिए व्रत, उपवास, ध्यान, संयम, साधना आदि की जाती है।

लोक गीत एवं लोक नृत्य

लोक गीतों में रसिया फाग, लहंगी, तेजादी, वाजना, रागनी फाग, हल्दी गीत, मण्डप के समय का गीत, जेवनार, बन्ना-बन्नी, बारात अगवानी तथा गारगीत बधाई, कन्हैया गीत, लगोंटिया आदि प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त संस्कार गीत, ऋतु गीत, गोठलीला, पाण्डव कथा, लंगुरिया, जानकी विवाह गीत, चकिया गीत, सगड़ावत-बगड़ावत कथा गायन से भी इनकी अत्यधिक रुचि रहती है।

खान-पान

सहरिया भी ज्वार, बाजरा, मक्का और चने का भोजन नियमित रूप से करने के साथ ही कंदमूल तथा हरी सब्जियों का आहार भी लेते हैं। वनस्पतियों का ज्ञान सहरिया लोगों को विरासत में मिला हुआ जान पड़ता है। भोजन में रोटी के साथ ही कढ़ी भी इनकी पसंद मानी जाती है। सहरिया स्त्रियां विभिन्न प्रकार की चटनी बनाने में निपुण होती हैं। विभिन्न प्रकार के त्योहारों पर सहरिया परिवारों में बेसन और बाटियां भी बनाते हैं। सहरिया लोग मद्यपान, मांसाहार और मछली पकड़ने का कार्य भी करते हैं।

कृषि और वनोपज

सहरिया जनजाति के लोग वर्षा के आधार पर वर्ष में बदल-बदल कर एक ही बार फसल लेते हैं। वे एक वर्ष रबी की फसल तो उसके अगले वर्ष में खरीफ की फसल बोते हैं। कृषि संबंधी कार्यों में सहरिया लोगों की स्त्रियां और बच्चे भी सहयोग करते हैं। सहरिया जनजाति के लोग मौसम के अनुसार महुआ, तेन्दूपत्ता, गोंद, हर्रा, लाख, आंवला, चिरौंजी, गुल्ली, कोसा आदि वनोपज एकत्रित करते हैं। वनोपज संग्रहण में पूरा सहरिया परिवार शामिल रहता है, क्योंकि वनोपज सहरिया लोगों का आर्थिक आधार माना जाता है।

- लालजीराम मीना
(जनजातीय अनुसंधान विषय विशेषज्ञ अनुसंधान अधिकारी, श्री बादल भोई राज्य जनजातीय संग्रहालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE : 101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE-452007 (M.P.), Phone : (0) 2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in, GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850
No. MPIDC/R.O./IND/Tech/2022/9256 Date : 03.12.2022

NOTICE INVITING TENDER

Tender for the following work have been proceeded on the e-procurement system – http://www.mptenders.gov.in as mention below -

S. No.	Name of work	PAC (Rs.)	Cost of Tender Form	EMD	Last Date of Submission
1.	Jungle clearance of IT Park-3, near crystal IT Park, Ring road, Indore	Rs. 68754/-	Rs. 1180/- i/c GST	Rs. 1375/-	19.12.2022

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
M.P. Madhyam/107537/47852/2022 EXECUTIVE ENGINEER

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक-2023

भारत जलवायु सुरक्षा में जी-20 देशों में शीर्ष पर

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI -2023) में भारत दो स्थानों की छलांग लगाकर 63 देशों की सूची में 8वीं रैंक हासिल किया है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में पिछले साल भारत की 10वीं रैंकिंग थी। कॉप 27 में जारी किए गए जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, डेनमार्क, स्वीडन, चिली और मोरक्को जैसे छोटे देश चौथे, पांचवें, छठवें और सातवें रैंकिंग पर हैं। इस रिपोर्ट में किसी भी देश को पहला, दूसरा और तीसरा स्थान नहीं दिया गया है। रिपोर्ट में भारत उभरती सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में सबसे ऊपर है। जलवायु परिवर्तन के प्रदर्शन के आधार पर बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में भारत को शीर्ष 5 देशों में शामिल किया गया है, जबकि जी-20 देशों में भारत टॉप पर है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शक सूचकांक में दुनिया में सबसे अधिक प्रदूषित देश चीन 13 पायदान खिसककर 60 देशों की सूची में 51वें स्थान पर आ गया है, जबकि अमेरिका तीन पायदान चढ़कर 52वें स्थान पर है। वहीं जलवायु परिवर्तन सूचकांक में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देश की बात करें तो इसमें ईरान 63वें, सऊदी अरब 62वें और कजाकिस्तान 61वें नंबर पर हैं।

भारत जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा पर है

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल की तरह भारत ने अपना प्रदर्शन बरकरार रखा है। भारत 2030 तक उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करने के लिए सही ट्रैक पर है। भारत ने ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन और ऊर्जा उपयोग करने की श्रेणी में उच्च रैंकिंग हासिल की है, जबकि जलवायु नीति और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भारत ने मध्यम रेटिंग प्राप्त की है। नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और ऊर्जा दक्षता कार्यक्रमों के लिए भारत दुनिया के अन्य देशों की तुलना में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के कार्यक्रमों को तेजी से लागू कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब G-20 देशों की अध्यक्षता करेगा और दुनिया को जलवायु शमन नीतियों में ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को दिखाने का एक उपयुक्त समय होगा।

जलवायु संरक्षण प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) का मूल्यांकन

इस सूचकांक का मूल्यांकन 14 संकेतकों के साथ चार श्रेणियों में किया जाता है।

1. ग्रीन हाउस गैस (GHG) उत्सर्जन (40 प्रतिशत)
2. नवीकरणीय ऊर्जा (20 प्रतिशत)
3. ऊर्जा उपयोग (20 प्रतिशत)
4. जलवायु नीति (20 प्रतिशत)

जलवायु संरक्षण प्रदर्शन सूचकांक क्या है?

जर्मनी की जर्मन वॉच, न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क इंटरनेशनल संस्था द्वारा जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) रिपोर्ट जारी की जाती है। इसकी शुरुआत 2005 में हुई। यह रिपोर्ट हर साल जारी होती है। सीसीपीआई 62 देशों और यूरोपीय संघ के जलवायु संरक्षण प्रदर्शन को ट्रैक करने के लिए एक स्वतंत्र निगरानी तंत्र है।

जलवायु संरक्षण प्रदर्शन सूचकांक का उद्देश्य

इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय जलवायु राजनीति में पारदर्शिता बढ़ाना है। साथ ही जलवायु संरक्षण प्रयासों और अलग-अलग देशों द्वारा की गई प्रगति की तुलना करने में सक्षम बनाना है। साथ ही यह दुनिया में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के 92 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार 62 देशों पर नजर रखना है।

शून्य उत्सर्जन के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदम

भारत ने वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से 50% स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता के लक्ष्य की भी घोषणा की है, जो 40% के मौजूदा लक्ष्य को बढ़ाता है, जोकि पहले ही लगभग हासिल कर लिया गया है। जलवायु परिवर्तन से निपटने की कुंजी के रूप में लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (LIFE) के लिये जन आंदोलन सहित संरक्षण और संयम की परंपराओं एवं मूल्यों के आधार पर जीवन जीने के स्वस्थ तथा टिकाऊ तरीके को आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है, वहीं आर्थिक विकास के संबंधित स्तर पर अन्य लोगों द्वारा अपनाए गए मार्ग की तुलना में जलवायु के अनुकूल और स्वच्छ मार्ग को अपनाने की मुहिम चलाई गई है।

भारत द्वारा वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50% संचयी विद्युत शक्ति स्थापित क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है जो हरित जलवायु कोष (GCF) सहित प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और कम लागत वाले अंतर्राष्ट्रीय वित्त की मदद से संभव होगा। वर्ष 2030 तक अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण के माध्यम से 2.5 से 3 बिलियन टन CO2 के बराबर अतिरिक्त कार्बन संचय करने की भी योजना है।

जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों विशेष रूप से कृषि, जल संसाधन, हिमालयी क्षेत्र, तटीय क्षेत्रों और स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन के लिये विकास कार्यक्रमों में निवेश बढ़ाकर जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत ने दुनिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा स्थापना पहलों में से एक की शुरुआत की है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (EESL) ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिये राष्ट्रीय संवर्धित ऊर्जा दक्षता मिशन (NMEEE) के तहत कई पहलें की हैं।

प्रतिपूरक वनीकरण कोष अधिनियम, 2016 के तहत बनाए गए प्रतिपूरक वनीकरण प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) कोष में जमा राशि का उपयोग जल्द ही वनों की कटाई की भरपाई करने और पेड़ों की स्थानिक प्रजातियों को शामिल करने वाले हरित आवरण को बहाल करने के लिये किया जाएगा। हाल ही में भारत ने ग्रे और ग्रीन हाइड्रोजन के लिये हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन की भी घोषणा की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'पंचामृत'

क्लाइमेट चेंज पर हुए वैश्विक मंथन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए पांच अमृत तत्व रखना चाहता हूं। उन्होंने पंचामृत की सौगात दी थी, जो इस प्रकार हैं :-

1. भारत, 2030 तक अपनी गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाएगा।
2. भारत, 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकता, नवीकरणीय ऊर्जा से पूरी करेगा।
3. भारत 2030 तक के कुल प्रोजेक्टेड कार्बन एमिशन में एक बिलियन टन की कमी करेगा।
4. 2030 तक भारत, अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन इंटेन्सिटी को 45 प्रतिशत से भी कम करेगा।
5. वर्ष 2070 तक भारत, नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करेगा।

ये पंचामृत, क्लाइमेट एक्शन में भारत का एक अभूतपूर्व योगदान होंगे। भारत सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा के मामले में अग्रणी देशों में से एक है। अपनी सुधारात्मक, पर्यावरण के अनुकूल नीतियों के साथ, देश ने विश्व को दिखाया है कि सुदृढ़ पर्यावरण नीतियां भी सुदृढ़ अर्थव्यवस्था की राह आसान कर सकती हैं। भारत में सतत गतिशीलता की दिशा में बड़ी प्रगति के रूप में, इलेक्ट्रिक वाहन अब नई वास्तविकता बन रहे हैं। इसके साथ ही एक वैश्विक लीडर के रूप में उभर रहा भारत, भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए तैयारी कर रहा है।

अन्य प्रमुख जानकारी

- देश में हरित हाइड्रोजन की दिशा में तेजी से काम हो रहे हैं। केंद्र सरकार ने 3000 करोड़ रुपये की लागत से हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की है।
- देश में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भी सरकार द्वारा विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को तेजी से अपनाने और उनका विनिर्माण करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।
- हरित राजमार्गों (ग्रीन हाइवे) का निर्माण किया जा रहा है। ये राजमार्ग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, कार्बन फुटप्रिंट और गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में काम करते हैं।
- देशभर में 1 जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध प्रभावी हो गया है।
- भारत अक्षय ऊर्जा में उभरता हुआ ग्लोबल लीडर है, विश्व की चौथी सबसे बड़ी स्वच्छ ऊर्जा क्षमता वाला देश है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

अफ्रीकन चीतों से मिली श्योपुर जिले को नई पहचान

श्योपुर, मध्यप्रदेश के चंबल संभाग का एक जिला है। इसका गठन 25 मई, 1998 को मुरैना से अलग कर किया गया था। मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग में स्थित इस जिले के दक्षिण से उत्तर तक राजस्थान, उत्तर-पूर्व में मुरैना जिला, पूर्व में ग्वालियर जिला, दक्षिण-पूर्व में शिवपुरी जिला स्थित है।

श्योपुर, जिला मुख्यालय सीप नदी के किनारे पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि क्षेत्र के शासक गौड़ राजपूत, शिव के उपासक थे तथा इन्होंने इस क्षेत्र में कई शिव मंदिरों का निर्माण करवाया, जिसके चलते इस क्षेत्र को श्योपुर कहा जाता है।

श्योपुर जिले में कूनो - पालपुर नेशनल पार्क स्थित है, यहां हाल ही में अफ्रीका से चीते लाए गए हैं, जो भारत में लुप्त हो चुके थे। इसके कारण यह जिला अब देश भर में प्रसिद्ध हो गया है। जिले की कराहल तहसील में सहरिया जनजाति के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं। श्योपुर के ऐतिहासिक किला परिसर में ही सहरिया जनजाति का देश का एकमात्र संग्रहालय स्थित है। श्योपुर जिला काष्ठकला के लिए भी पहचाना जाता है।

इतिहास

श्योपुर का पहला ऐतिहासिक उल्लेख एक अभिलेख में मिलता है, जिसे निमात-उल्लाह ने बनाया था, जिसमें कहा गया है कि 1570 ई. में सिकंदर लोधी की एक सेना को राज डूंगर के समर्थन में श्योपुर और अवंतगढ़ भेजा गया था, जो बाद में इस्लाम धर्म में परिवर्तित हो गए। रणथंभौर के राय सुरजन से संबंधित श्योपुर का किला उस समय अकबर को सौंप दिया गया था, जब वह चित्तौड़ की ओर जा रहा था।

वर्ष 1398 में यह ग्वालियर के तोमरों के अधीन रहा। इसके बाद यह क्षेत्र मुगलों के अधीन आया। मुगलों के पतन के बाद यहां गौड़ राजाओं का शासन रहा, जिनके शासन काल में श्योपुर में किला, मानपुर, काशीपुर में गढ़ी महलों का निर्माण हुआ, जिनके अद्भुत भित्ति चित्र आज भी देखे जा सकते हैं।

खडगराय कृत गोपांचल आख्यान में श्योपुर का जिक्र आया है, जिसके अनुसार राजा अजयपाल ने 1194 से 1219 ई. तक श्योपुर को अपनी राजधानी बनाकर राज किया था। वर्ष 1301 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर को जीतते समय हम्मीरदेव द्वारा शासित 10 किलों को भी जीत लिया। बाद में श्योपुर मेवाड़ के राणाओं के आधिपत्य में आ गया। वर्ष 1489 में मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी ने इसे जीतकर अपनी सल्तनत का हिस्सा बना लिया। वर्ष 1542 में श्योपुर किला शेरशाह के अधीन हो गया। शेरशाह द्वारा बनवाया गया ईदगाह और उसके पुत्र इस्लाम शाह द्वारा निर्मित उसके सिपहसालार का विशाल मकबरा एक दर्शनीय स्थल है। बाद में बूंदी के राजा सुर्जन सिंह हाड़ा ने इसे जीतकर अजमेर सूबे के अंतर्गत रणथम्भौर रियासत का हिस्सा बना दिया। ऐसा माना जाता है कि श्योपुर किले को राजा विट्ठल दास गोपावत के पुत्र अनिरूद्ध गौड़ गोपावत ने वर्ष 1584 में बनवाना प्रारम्भ किया, जिसे राजा नरसिंह गौड़ ने वर्ष 1631 में पूर्ण कराया। राधा वल्लभ मंदिर से मिले वर्ष 1809 के अभिलेख में ग्वालियर के महाराजा दौलत राव सिंधिया के सेनापति जॉन बैप्टिस्ट और श्योपुर के राजा राधिक दास के मध्य हुए युद्ध का वर्णन है।

अर्थव्यवस्था

श्योपुर जिले की मुख्य फसल गेहूँ है। सरसों, जिले का सबसे महत्वपूर्ण तेल बीज है। भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 50 प्रतिशत भाग खेती के लिए उपलब्ध है। जिले में लगभग 58.74 प्रतिशत खेती योग्य क्षेत्र सिंचित है। नहर, सिंचाई का प्रमुख स्रोत है। काष्ठ कला (वुडकार्विंग) श्योपुर जिले की पहचान बन चुकी है। यहां के शिल्पकारों द्वारा बारीक नक्काशीदार डिज़ाइनों के साथ बनाई जाने वाली खूबसूरत वस्तुओं की देश भर में मांग है। जिले में लकड़ी के पाइप, मुखौटे, खिलौने, दरवाजे, स्टैंड, खिड़कियां, स्मारक, फूलदान और पालना आदि सहित विभिन्न सजावटी वस्तुएं और फर्नीचर बनाने के कई लघु उद्योग चल रहे हैं। हस्तकला का यहां की अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान है।

जिला प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन - 25 मई 1998
2. संभाग - चंबल
3. जिला मुख्यालय - श्योपुर
4. क्षेत्रफल - 6606 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या - 687,861 (पुरुष - 361,784, महिलाएं- 326,077)
6. लिंग अनुपात - 901
7. जनघनत्व - 104 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता - 57.43%
9. तहसीलें - (श्योपुर, बड़ोदा, विजयपुर, कराहल, बीरपुर)
10. विकासखंड - 3
11. ग्राम पंचायत - 225
12. ग्राम - 585
13. नगर पंचायत - 2
14. नगर पालिका - 1
15. विधानसभा क्षेत्र - 2 (श्योपुर, विजयपुर)
16. लोकसभा क्षेत्र - 1 (मुरैना-श्योपुर लोकसभा सीट)
17. भाषा एवं बोली - हिन्दी, ब्रज

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

1. श्योपुर जिले में तीन नदियों चंबल, सीप, बनास नदी का संगम होता है, जिसे रामेश्वर त्रिवेणी संगम कहा जाता है। श्योपुर शहर से 40 किलोमीटर दूर स्थित संगम पर लक्ष्मीनाथ और रामेश्वर महादेव का मंदिर और सिंधिया शासकों द्वारा बनाया गया डाक बंगला भी स्थित है। 12 फरवरी 1948 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अस्थि कलश भी यहां विसर्जित किया गया था, जो इसके महत्व को रेखांकित करता है।
2. श्योपुर से 45 किलोमीटर दूर राजा मानसिंह द्वारा बनाया गया किला स्थित है। यह बाद में गौड़ राजाओं के आधिपत्य में आ गया था। सन 1809 ई. में दौलतराव सिंधिया ने इसे जीत लिया। किले में स्थित मानेश्वर महादेव मंदिर तथा राग रागनियों के चित्र महत्वपूर्ण हैं। जिले में खीची राजाओं द्वारा निर्मित बड़ौदा किले में शीश महल, हवा महल, शंकर महल आदि दर्शनीय हैं।
3. सीप एवं कलवाल नदी के संगम पर बना श्योपुर का किला प्रस्तर शिल्प का बेजोड़ नमूना है। यहां स्थित पुरातत्व संग्रहालय में 425 बेशकीमती मूर्तियों का भी संग्रह किया गया है। यहां स्थित गूजरी महल, नरसिंह महल, दरबार हॉल, राजा इन्द्र सिंह और राजा किशोरदास की छतरियां आज भी आकर्षण का केंद्र हैं। जिले की विजयपुर तहसील में स्थित माझोला दुर्ग भी दर्शनीय है।
4. जिले में सीप नदी पर स्थित बंजारा डैम के बारे में किंवदंती है कि इसे लख्खी बंजारे द्वारा बनाया गया था, परन्तु इस डैम के निर्माण का वास्तविक प्रमाण सन 1728 ई. में राजा इन्द्रसिंह गौड़ द्वारा बनवाए जाने का मिलता है। बाद में जानकोजीराव सिंधिया के समय इस डैम की ऊंचाई बढ़ाई गयी थी, जिसका शिलालेख बंजारा डैम की दीवार पर लगा हुआ है।
5. श्योपुर के निकट स्थित डोब कुंड नामक स्थान में जैन तीर्थंकरों की चौबीसी है। यहां कलश में खड़े स्तंभ वास्तुशिल्प का अनुपम उदाहरण हैं। यहां चौबीसी के मध्य एक कुंड बना हुआ है, जिसमें मूर्तियां डूबी हुई हैं।
6. जिले में, राजस्थान सीमा के पास, दो स्थान हैं, जो पौराणिक व्यक्तित्वों से जुड़े हैं। इनमें से एक ग्राम इटोनवारी के नाम से जाना जाता है, जिसे ध्रुव के पिता राजा उदयनपाद द्वारा स्थापित किया गया था। कहा जाता है कि ध्रुव ने इसी स्थान पर तपस्या की थी। इस स्थान को ध्रुव कुंड के नाम से जाना जाता है। इसी के पास के दूसरे गाँव रामेश्वर में परशुराम ने तपस्या की थी।

- रीता मोदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं।)

खेलों की दुनिया में कॅरियर के बहुआयामी अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

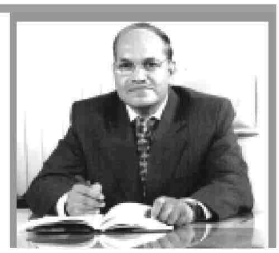

खेल अभिरुचि के साथ-साथ एक कॅरियर भी है। इस समय खेलों से पूरी दुनिया जुड़ गई है और खेलों की दुनिया में कॅरियर के बहुत बेहतर बहुआयामी अवसर देश और दुनिया में उपलब्ध हैं। खेलों में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए स्पोर्ट्स आज एक बेहतरीन कॅरियर विकल्प बनकर उभरा है। खेलों का महत्व इसी बात से पता चल जाता है कि कुछ वर्षों पहले तक माता-पिता अपने बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट बनाना चाहते थे, परंतु वर्तमान में वे अपने बच्चों को खेलों की दुनिया में भी कॅरियर के लिए आगे बढ़ा रहे हैं। आज भारत ही नहीं, समूचे विश्व में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों द्वारा खेलों का प्रायोजन करने से वैश्विक स्तर पर खेलों को काफी बढ़ावा मिल रहा है। खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए कई स्तर पर खेल अकादमियों की स्थापना की गई है।

खेलकूद के कॅरियर में टेक्नोलॉजी का महत्व

टेक्नोलॉजी के विकास के कारण आज खिलाड़ियों की मनोदशा एवं मनोविज्ञान को समझना कहीं अधिक आसान हो गया है। इससे स्पोर्ट्स साइंस की उपयोगिता एवं भूमिका कई गुना बढ़ गई है। वस्तुतः स्पोर्ट्स साइंस एक विज्ञान है, जिसके तहत मानव शरीर एवं मन का अध्ययन किया जाता है कि वह एक्सरसाइज करने या खेलने के दौरान किस प्रकार से कार्य करता है। इसके अंतर्गत स्पोर्ट्स एवं ह्यूमन एनाटॉमी, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, मोटर कंट्रोल, स्पोर्ट्स ट्रेनिंग, फिजिकल एजुकेशन, न्यूट्रिशन, योग आदि विषयों की पढ़ाई होती है। स्पोर्ट्स साइंस के अध्ययन से स्टूडेंट्स समझ पाते हैं कि एक खिलाड़ी विभिन्न परिस्थितियों, दबाव एवं तनाव आदि में किस तरह परफार्म करता है। इससे प्रोग्राम डिजाइनिंग, मॉनीटरिंग एवं ट्रेनिंग सभी स्तरों पर लाभ होता है।

स्पोर्ट्स सेक्टर का बढ़ता बाजार आकार

दुनिया की प्रसिद्ध ऑनलाइन एजुकेशन,

ट्रेनिंग एवं एम्प्लायबिलिटी कंपनी स्पोर्जो के एक महत्वपूर्ण अध्ययन के अनुसार, अब स्पोर्ट्स सेक्टर के बढ़ते बाजार आकार के कारण भी स्पोर्ट्स में कॅरियर बढ़ रहे हैं। स्पोर्ट्स सेक्टर के तहत स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी का बाजार छलांगें लगाकर बढ़ रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार भारत के स्पोर्ट्स सेक्टर का कारोबार अगले 5 साल में 5 गुना रफ्तार से बढ़ेगा और 2027 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके बाद भी बाजार और तेजी से बढ़ने की रिपोर्टें सामने आ रही हैं। ऐसे में खेलकूद में कॅरियर लगातार बढ़ने की संभावनाएं हैं।

खेलकूद के कॅरियर की जरूरी स्किल्स

यदि आप खेलों में अपना उज्ज्वल कॅरियर बनाना चाहते हैं तो खेलों के प्रति

आपका रुझान होना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही साथ शारीरिक स्तर पर खेल लायक आपका व्यक्तित्व होना भी जरूरी है। अर्थात इस प्रोफेशन के लिए सबसे बड़ी चीज है कि आपकी बॉडी कितनी एथेलेटिक और ऊर्जा से भरपूर है। आपका शरीर पूर्णतः फिट होना जरूरी है। शारीरिक तथा मानसिक दोनों स्तर पर स्टेमिना मजबूत होना चाहिए। प्रतिस्पर्धी क्षमता और नेतृत्व करने का माद्दा भी इस क्षेत्र में उन्नति के लिए नितांत आवश्यक है। विपरीत परिस्थितियों से मुकाबला करने के लिए खिलाड़ियों को हमेशा आत्मविश्वास, आत्मानुशासन, दृढ़ इच्छाशक्ति, धैर्य, एकाग्रता और कभी हार न मानने जैसे गुणों से युक्त होना चाहिए। खेलकूद के कॅरियर में डिग्री के साथ-साथ कौशल की अहमियत भी होती है। स्टूडेंट्स को टीम वर्क, मैनेजमेंट, मोटिवेशन, कम्युनिकेशन एवं एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल्स पर खास ध्यान देना होता है।

खेलकूद में कॅरियर के विविध आयाम

खेलकूद के क्षेत्र में कॅरियर के विभिन्न आयाम उभरकर दिखाई दे रहे हैं। खेलों के बढ़ते महत्व को देखते हुए खेल गतिविधियों को संचालित करने के लिए पब्लिक रिलेशन, मीडिया, हेल्थ - फिटनेस, इवेंट मैनेजमेंट, जर्नलिज्म, सेल्स, मार्केटिंग, लीगल, फाइनेंस आदि क्षेत्रों से जुड़े प्रशिक्षित लोगों की मांग में भी बहुत इजाफा हुआ है। आज स्पोर्ट्स इंडस्ट्री आर्थिक रूप से समृद्ध एवं ग्लैमरस कॅरियर विकल्प के रूप में उभरी है। केवल खिलाड़ियों के लिए ही नहीं अपितु अन्य पेशेवरों के लिए भी खेल की दुनिया में रोज़गार के असीमित अवसर हैं। इनमें स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट, कोच, टीम मैनेजर, फिजिकल ट्रेनर, फिटनेस ट्रेनर, रेफरी एवं अंपायर, न्यूट्रिशनिस्ट, साइकोलॉजिस्ट, इवेंट आर्गेनाइजर, सेल्स मैनेजर, मार्केटिंग डायरेक्टर और कमेंटेटर जैसे विकल्प प्रमुख हैं। इसके अलावा विमानन, पेट्रोलियम, रेलवे और बैंक जैसे कई बड़े सरकारी एवं निजी संस्थानों में भी खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रकार की नियुक्तियां होती हैं, जिनके माध्यम से खेल के साथ-साथ नौकरी भी की जा सकती है। फिजियोथेरेपी में स्पेशलाइजेशन करके किसी खेल संगठन या अस्पताल के साथ जुड़ सकते हैं या अपना क्लिनिक शुरू कर सकते हैं।

खेलकूद के कोर्स संबंधी शैक्षणिक जरूरतें

सामान्यतया 12वीं के बाद खेलकूद से संबंधित डिग्री कोर्स बीपीएड में प्रवेश लिया जा सकता है। इसके अलावा एम.पी.एड., एम.फिल. खेल में पीएच.डी. की सुविधा भी उपलब्ध है। स्पोर्ट्स साइंस एवं न्यूट्रिशन में पीजी डिप्लोमा किया जा सकता है। इसके लिए विज्ञान विषय में

भी महत्वपूर्ण है कि क्रिकेट, टेनिस, मुक्केबाजी, कुश्ती, हॉकी, फुटबॉल, बैडमिंटन सहित अन्य खेलों में प्रोफेशनल खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कोचिंग देने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण कार्य करता है। यह संस्थान देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में फिजिकल एजुकेशन और स्पोर्ट्स साइंस संबंधी कई सर्टिफिकेट, डिप्लोमा तथा डिग्री स्तर के कोर्स भी संचालित करता है।

कहां से करें खेलकूद में कॅरियर संबंधी कोर्स

मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न प्रदेशों में स्थित विश्वविद्यालयों और खेलकूद से जुड़े विभिन्न इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन में खेलकूद संबंधी विशेष कोर्स उपलब्ध हैं। आप अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप उपयुक्त कोर्स और उपयुक्त खेलकूद संस्थान का चयन करके खेलकूद के क्षेत्र में कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. इस वर्ष वर्ल्ड शूटिंग चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई थी?
(अ) स्पेन
(ब) मिस्र (इजिप्ट)
(स) दक्षिण कोरिया
(द) जापान

2. एडिनसन मवानी किस देश के दिग्गज फुटबॉलर हैं?
(अ) ऊरूग्वे (ब) कोलंबिया
(स) चिली (द) अर्जेंटीना

3. इनमें से कौन-सी एक विधा मार्शल आर्ट से संबंधित नहीं है?
(अ) कुराश (ब) सेपक टकरा
(स) वुशु (द) सांबो

4. आईसीसी ने अक्टूबर माह में किस खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है?
(अ) सूर्यकुमार यादव
(ब) सिकंदर रजा
(स) विराट कोहली
(द) जोस बटलर

5. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में टेनिस में महिला एकल वर्ग की स्वर्ण पदक विजेता है?
(अ) सेरेना विलिसम्स
(ब) नाओमी ओसाका
(स) इलिना स्वितोलिना
(द) बेलिंडा बेनकिक

6. दिग्गज कार रेसर एलेन प्रोस्ट कितनी बार फॉर्मूला-वन चैम्पियन बने हैं?
(अ) एक बार (ब) तीन बार
(स) चार बार (द) सात बार

7. भारत ने कितनी बार क्रिकेट एशिया कप का खिताब जीता है?
(अ) पांच बार (ब) सात बार
(स) आठ बार
(द) इनमें से कोई नहीं

8. आईसीसी क्रिकेट वर्ल्डकप-2011 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे?
(अ) सचिन तेंदुलकर
(ब) महेंद्र सिंह धोनी
(स) युवराज सिंह
(द) गौतम गंभीर

9. फीफा वर्ल्डकप-2018 में गोल्डन बूट अवॉर्ड विजेता हैरी केन किस देश के लिए खेलते हैं?
(अ) इंग्लैंड (ब) ब्राजील
(स) क्रोएशिया (द) कोलंबिया

10. परिमार्जन नेगी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) कबड्डी (ब) हॉकी
(स) टेनिस (द) शतरंज

11. इनमें से कौन-सा खिलाड़ी हॉकी इंडिया के नए अध्यक्ष बने हैं?
(अ) दिलीप तिर्की (ब) सरदार सिंह
(स) एस.वी. सुनील
(द) धनराज पिल्लै

12. पैरा तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया किस राज्य से संबंधित हैं?
(अ) महाराष्ट्र (ब) मध्यप्रदेश
(स) बिहार (द) झारखंड

13. इस वर्ष ओस्ट्रावा ओपन में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी हैं?
(अ) बारबोरा क्रेजिकोवा
(ब) ईगा स्वितेक
(स) एनेट कोंटावेट
(द) विक्टोरिया अजारेंका

14. वर्ष 2023 में कौन-सा राज्य खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी करेगा?
(अ) गुजरात (ब) मध्यप्रदेश
(स) उत्तर प्रदेश (द) कर्नाटक

15. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने फीफा का बेलोन डि ओर पुरस्कार जीता है?
(अ) लियोनल मेसी
(ब) साडियो माने
(स) करीम बेंजेमा
(द) मोहम्मद सालाह

16. विश्व जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में पुरुष एकल वर्ग के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी हैं?
(अ) शंकर मुथुसामी
(ब) किम यंग जाइ
(स) झू येजिन
(द) कोउ कुआन लिन

17. एलेक्जेंडर ज्वेरेव किस देश के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) जर्मनी (ब) यूक्रेन
(स) सर्बिया (द) स्विट्जरलैंड

18. वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलियाई टीम के नए कप्तान बने हैं?
(अ) डेविड वॉर्नर (ब) स्टीव स्मिथ
(स) पैट कमिंस (द) एलेक्स कैरी

19. इस वर्ष किस देश ने सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट जीता है?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) भारत
(स) मलेशिया (द) जापान

20. इस वर्ष बर्लिन मैराथन रेस में पुरुष वर्ग में विजेता बने हैं?
(अ) इलियुड किपचोगे
(ब) केनेनिसा बेकेले
(स) डेनिस किमेटो
(द) इनमें से कोई नहीं

21. टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए दोहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं?
(अ) गुंडप्पा विश्वनाथ
(ब) पॉली उमरीगर
(स) सी.के. नायडू
(द) इनमें से कोई नहीं

22. इस वर्ष वर्ल्ड टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित कि गई है?
(अ) जापान (ब) मलेशिया
(स) चीन (द) हंगरी

23. राफेल नडाल किस देश के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) कनाडा
(ब) बेलारूस
(स) अर्जेंटीना
(द) स्पेन

24. इनमें से किस खिलाड़ी ने बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप में सबसे ज्यादा पांच बार खिताब जीते हैं?
(अ) लिन डेन
(ब) ली चोंग वेई
(स) केंटो मोमोटा
(द) इनमें से कोई नहीं

25. ब्राजील ने ओलिंपिक खेलों में फुटबाल में कितनी बार स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) एक बार
(ब) दो बार
(स) तीन बार
(द) पांच बार

उत्तर

1. (ब), 2.(अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (द), 6. (स), 7. (ब), 8. (स), 9. (अ), 10.(द), 11.(अ),12. (ब), 13. (अ), 14.(ब), 15.(स), 16. (द), 17. (अ), 18.(स), 19.(ब), 20.(अ), 21. (ब), 22.(स), 23.(द), 24.(अ), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में
दो हजार वॉलेंटियर देंगे अपनी सेवायें

भोपाल, मध्यप्रदेश में 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022' का आयोजन 31 जनवरी से 11 फरवरी, 2023 तक 8 जिलों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, बालाघाट, मंडला और खरगोन में होगा। इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स के 5वें संस्करण के सफल आयोजन में सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा, इसमें वॉलेंटियर्स की भूमिका अति महत्वपूर्ण है।

श्रीमती सिंधिया ने कहा कि प्रदेश के सभी 8 जिले, जहां पर खेलो इंडिया गेम्स के इवेंट निर्धारित हैं, इसमें 18-25 आयु वर्ग के लगभग 2000 विद्यार्थी वॉलेंटियर्स के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। इसके लिए 30 नवंबर तक रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चली। साथ ही 5 दिसंबर तक विद्यार्थियों का संबंधित रजिस्ट्रार एवं प्राचार्य द्वारा सत्यापन किया जायेगा। वॉलेंटियर्स का रजिस्ट्रेशन mygov पोर्टल पर गूगल फॉर्म के माध्यम से किया गया है।

ऋतुराज ने एक ओवर में लगाये सात छक्के

अहमदाबाद, भारत के युवा क्रिकेटर ऋतुराज गायकवाड़ ने घरेलू क्रिकेट में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ऋतुराज ने विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में महाराष्ट्र के लिए खेलते हुए उत्तरप्रदेश के खिलाफ एक ओवर में सात छक्के लगाने का कारनामा किया है। वे लिस्ट-ए क्रिकेट में एक ओवर में सात छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। मैच में पारी का 49वें ओवर में स्पिनर शिवा सिंह ने किया, इस ओवर में ऋतुराज ने सभी गेंदों पर छक्के लगाए। ओवर की पांचवीं गेंद नो बॉल थी, जिस पर भी ऋतुराज ने छक्का जड़ा। इस ओवर में कुल 43 रन बने। इसके साथ ही लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरी बार एक ओवर में 43 रन बने हैं। इससे पहले वर्ष 2018-19 में न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में नॉर्दन डिस्ट्रिक्ट के दो बल्लेबाजों ने मिलकर एक ओवर में 43 रन बनाये थे। ऋतुराज ने इस मैच में 220 रनों की पारी खेली। मैच में महाराष्ट्र ने 50 ओवरों में 330 रन बनाये। इसके जवाब में उत्तरप्रदेश 272 रन ही बना सका।

श्रीलंका ने चमिका करुणारत्ने पर लगाया एक वर्ष प्रतिबंध

कोलंबो, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अनुभवी खिलाड़ी चमिका करुणारत्ने पर एक वर्ष का प्रतिबंध लगाया है। बोर्ड ने कहा कि करुणारत्ने ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप के दौरान खिलाड़ियों के करार के कई नियमों का उल्लंघन किया है। करुणारत्ने को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से एक वर्ष के लिए निलंबित किया गया है। बोर्ड ने यह निर्णय तीन सदस्यीय पैनल द्वारा की गई अनुशासनात्मक जांच के बाद लिया है। पैनल ने बोर्ड की कार्यकारी समिति को सिफारिश की थी कि खिलाड़ी को चेतावनी दी जाए कि वह आगे से ऐसा न करे। साथ ही ऐसी सजा दी जाए जिसका ज्यादा असर उसके क्रिकेट कैरियर पर न पड़े। इसके अलावा करुणारत्ने पर पांच हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। करुणारत्ने ने श्रीलंका के लिए एक टेस्ट मैच, 18 वन-डे और 38 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं।

न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर 1-0 से जीती वन-डे सीरीज

क्राइस्टचर्च, भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई तीन मैचों की वन-डे सीरीज में न्यूजीलैंड ने जीत दर्ज की है। सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। इसके बाद सीरीज का दूसरा और तीसरा मैच बारिश के कारण पूरा नहीं खेला जा सका और अनिर्णित घोषित किया गया, जिसके कारण न्यूजीलैंड ने यह सीरीज 1-0 से जीत ली है।

सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। कप्तान शिखर धवन (72) और शुभमन गिल (50) की सलामी जोड़ी ने भारत को धीमी लेकिन मजबूत शुरुआत दिलाई। सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 23.1 ओवर में 124 रन जोड़े। इस स्कोर पर दोनों बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव भी ज्यादा देर पिच पर टिक नहीं पाए और आउट हो गए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन ने भारत की पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 94 रनों की साझेदारी की। संजू सैमसन ने 36 और श्रेयस अय्यर ने 80 रनों की पारी खेली। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने अंतिम ओवरों में तेजतर्रार पारी खेलते हुए 16 गेंदों में 37 रन बनाए। भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 306 रन बनाये।

जीत के लिए मिले 307 रनों के विशाल लक्ष्य के जवाब में न्यूजीलैंड ने सधी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज फिन एलन (22) और डेवोन कॉन्वे (24) ने पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। भारतीय गेंदबाजों ने 20 ओवर में 88 रन पर 3 विकेट झटककर न्यूजीलैंड को दबाव में ला दिया था। इसके बाद कप्तान केन विलियमसन और टॉम लॉथम ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और मैच में जबरदस्त वापसी की। पहले दोनों बल्लेबाजों ने संभलकर खेलते हुए रन बनाये। पिच पर टिकने के बाद लॉथम ने भारत के अनुभवहीन गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बनाए।

मैच में लॉथम ने अपने वन-डे कैरियर का सातवां शतक बनाया। लॉथम ने 104 गेंदों में 145 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान लॉथम ने 19 चौके और 5 छक्के लगाए। वहीं विलियमसन ने मैच में टिकाउ पारी खेलते हुए 94 रन बनाए और टीम को जीत दिलाकर ही लौटे। न्यूजीलैंड ने 47.1 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष बनेंगी पी.टी. उषा

नई दिल्ली, भारत की महान एथलीट पी.टी. उषा भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) की नई अध्यक्ष होंगी। उषा का अध्यक्ष बनना तय हो गया है। आईओए अध्यक्ष पद के लिए पी.टी. उषा ने नामांकन दाखिल किया। उषा के साथ उनकी टीम के सदस्यों ने अन्य पदों के लिए भी आवेदन किए हैं। अध्यक्ष पद के लिए उषा के अलावा किसी ने भी नामांकन दाखिल नहीं किया है, ऐसे में उषा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय हो गया है। 10 दिसम्बर को आईओए में विभिन्न पदों के लिए मतदान के बाद पी.टी. उषा के नाम की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

पूरन ने वेस्टइंडीज टीम की कप्तानी से दिया इस्तीफा

सेंट लूसिया, वेस्टइंडीज की सीमित ओवर प्रारूप की क्रिकेट टीम के कप्तान निकोलस पूरन ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। पूरन ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया है। पूरन को इसी वर्ष मई में कीरोन पोलार्ड के संन्यास लेने के बाद वन-डे और ट्वेंटी-20 टीम का कप्तान बनाया गया था। पूरन की कप्तानी में वेस्टइंडीज की टीम आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में पहले राउंड में स्कॉटलैंड और आयरलैंड से हार गई थी। इसके कारण टीम सुपर-12 राउंड में भी जगह नहीं बना पाई थी।

भारतीय मुक्केबाजों ने विश्व युवा चैम्पियनशिप में जीते 11 पदक

ला नुसिया, भारत के युवा मुक्केबाजों ने स्पेन में आयोजित आईबीए विश्व युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय मुक्केबाज ने टूर्नामेंट में 4 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित 11 पदक अपने नाम किए है। युवा मुक्केबाजों के इस प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। पदक तालिका में उज्बेकिस्तान ने पहला स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता में भारत के 7 मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई थी। प्रतियोगिता में मिनिमम वेट भारवर्ग में विश्वनाथ सुरेश ने फिलीपींस के रोनेल सुयोम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद लाइट वेल्टर वेट भारवर्ग में भारत के वंशज ने जॉर्जिया के दिमुर कजाइया को हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके बाद रिंग में उतरे अशीष को वेंटम वेट भारवर्ग के फाइनल में जापान के युता सकाई के हाथों हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

महिला वर्ग में भारत के लिए फ्लाई वेट भारवर्ग में देविका घोरपड़े ने स्वर्ण पदक जीता। देविका ने इंग्लैंड की लॉरेन मैक्की को हराया। वहीं लाइट वेल्टर वेट भारवर्ग में रवीना ने नीदरलैंड्स की मेगन डि क्लेयर को हराकर स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग में भावना शर्मा ने मिनिमम वेट भारवर्ग में रजत पदक जीता।

कनाडा ने पहली बार जीता डेविस कप का खिताब

मलागा, कनाडा ने टेनिस का विश्वकप कहे जाने वाले प्रतिष्ठित टूर्नामेंट डेविस कप का खिताब अपने नाम किया है। स्पेन के मलागा में खेले गए डेविस कप के फाइनल में कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर पहली बार खिताब पर कब्जा जमाया।

कनाडा ने डेविस कप में सेमीफाइनल में इटली को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में क्रोएशिया को हराया था। फाइनल मुकाबले के पहले एकल मैच में कनाडा के डेनिस शापोवालोव का सामना ऑस्ट्रेलिया के थानासी कोकिनाकिस के बीच हुआ जिसमें शापोवालोव ने 6-2, 6-4 से जीत दर्ज कर कनाडा को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे एकल मैच में फेलिक्स ऑगर एलियासिमे ने एलेक्स डि मिनॉर को 6-3, 6-4 से हराकर कनाडा की बढ़त को 2-0 कर दिया। लगातार दो मैच में जीत दर्ज करने के बाद युगल मुकाबले की जरूरत नहीं पड़ी और कनाडा ने खिताब 2-0 से अपने नाम कर लिया।

- **कनाडा डेविस कप टूर्नामेंट जीतने वाला 16वां देश है।**
- **कनाडा वर्ष 2019 में भी डेविस कप के फाइनल में पहुंचा था, लेकिन स्पेन के हाथों हार गया।**
- **अमेरिका के नाम सबसे ज्यादा 32 बार डेविस कप जीतने का रिकॉर्ड है।**
- **ऑस्ट्रेलिया 28 बार बन चुका है डेविस कप का चैम्पियन।**

आईसीसी ने
ट्वेंटी-20 विश्वकप के फॉर्मेट में किया बदलाव

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वर्ष 2024 में आयोजित होने वाले ट्वेंटी-20 विश्वकप की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। आईसीसी ने ट्वेंटी-20 विश्वकप-2024 के लिए फॉर्मेट में बदलाव किया है। आईसीसी ने कहा कि विश्वकप-2024 में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। यह विश्वकप वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जायेगा।

आईसीसी ने बताया कि अगला ट्वेंटी-20 विश्वकप हाल ही में सम्पन्न हुए विश्वकप से काफी अलग होगा। इस विश्वकप में कोई क्वालिफाइंग राउंड नहीं होगा और ना ही सुपर-12 राउंड होगा। आईसीसी ने कहा कि अभी ट्वेंटी-20 विश्वकप में 16 टीमें हिस्सा लेती थीं। इनमें से 8 टीमें सीधे सुपर-12 के लिए क्वालिफाई करती हैं, जबकि 8 टीमें प्रारंभिक राउंड में खेलती थीं, इनमें से टॉप-4 टीमें सुपर-12 राउंड में पहुंचती थीं। अब आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। इन 20 टीमों को 5-5 टीमों के चार ग्रुप में बांटा जायेगा। ये टीमें आपस में एक-एक मैच खेलेंगी। प्रत्येक ग्रुप से दो टॉप टीमें सुपर-8 राउंड में प्रवेश करेंगी। सुपर-8 राउंड में इन टीमों को 4-4 के दो ग्रुप में विभाजित किया जायेगा। सुपर-8 राउंड में ये टीमें अपने-अपने ग्रुप में आपस में एक-एक मैच खेलेंगी। इन दोनों ग्रुप में टॉप पर रहने वाली दो-दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल होगी। इसके अलावा सेमीफाइनल में जीत दर्ज करने वाली टीमें विश्व ट्वेंटी-20 चैम्पियन बनने के लिए खिताबी मुकाबला खेलेंगी।

आईसीसी ने कहा कि ट्वेंटी-20 विश्वकप-2024 में टीमों ने अपनी जगह बनाना शुरू कर दिया है। इस विश्वकप के लिए अब तक 12 टीमों ने जगह पक्की कर ली है। आईसीसी ने कहा कि वेस्टइंडीज और अमेरिका को बतौर मेजबान विश्वकप में जगह मिल गई है, जबकि आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप-2022 में सुपर-12 राउंड की शीर्ष आठ टीमों को अगले विश्वकप में डायरेक्ट एंट्री मिली है। इन टीमों में भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और नीदरलैंड शामिल है। इनके अलावा नवम्बर 2022 में आईसीसी रैंकिंग के आधार पर अफगानिस्तान और बांग्लादेश को भी इस विश्वकप में जगह मिली है।

आईसीसी ने कहा कि अभी ट्वेंटी-20 विश्वकप में 8 टीमों की जगह शेष है। इन टीमों का फैसला रीजनल क्वालिफिकेशन के आधार पर होगा। इस क्वालिफिकेशन में एशिया, यूरोप और अफ्रीका से 2-2 टीम क्वालिफाई करेंगी, जबकि अमेरिका और पूर्वी एशिया प्रशांत क्षेत्र से 1-1 टीम को विश्वकप में जगह मिलेगी।

मैनचेस्टर यूनाइटेड से अलग हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो

लंदन, पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड से अलग हो गए हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने रोनाल्डो के क्लब छोड़ने को लेकर एक बयान जारी किया है। बयान के अनुसार मैनचेस्टर यूनाइटेड और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बीच इसे लेकर आपसी समझौता हुआ है। क्लब ने रोनाल्डो को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। रोनाल्डो का कुछ समय से मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्रबंधक टेन हैग से विवाद चल रहा था, इसी के चलते मैनचेस्टर यूनाइटेड से रोनाल्डो अलग हो गए हैं। रोनाल्डो मौजूदा समय के सबसे बेहतरीन फुटबॉलर हैं। रोनाल्डो के नाम अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड दर्ज है। रोनाल्डो वर्ष 2003 से 2009 और 2021 से 2022 तक मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए खेला है। रोनाल्डो वर्ष 2009 से 2018 तक रियल मैड्रिड और वर्ष 2018 से 2021 तक जुवेंटस क्लब के लिए भी खेल चुके हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

• कंबोडिया का मार्शल आर्ट •

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

कंबोडिया का पारंपरिक मार्शल आर्ट 'कुन लबोकेटर' को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया है। कंबोडिया के संस्कृति और ललित कला मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया, यह एक बड़ी सफलता है, जो कि कंबोडियाई प्रधानमंत्री सैमडेच टेको हुन सेन के सुदृढ़ नेतृत्व में सरकार द्वारा किए गए उच्च प्रतिबद्धता और मजबूत प्रयासों से संभव हुई है। सेन ने हमेशा राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों की रक्षा और प्रचार किया है। यूनेस्को की वेबसाइट पर पोस्ट की गई एक समाचार विज्ञप्ति के अनुसार, कुन लबोकेटर को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में सूचीबद्ध किया गया है।

ई-कोर्ट परियोजना के तहत अनेक नई पहलों का शुभारंभ

आजादी का यह अमृतकाल देश के लिये 'कर्तव्यकाल' है : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सर्वोच्च न्यायालय में संविधान दिवस समारोह में सम्मिलित हुये और कार्यक्रम के दौरान ई-कोर्ट परियोजना के तहत अनेक नई पहलों का शुभारंभ किया, जिसमें वर्चुअल जस्टिस क्लॉक, जस्टिस मोबाइल एप 2.0, डिजिटल कोर्ट और एस3वीएएएस वेबसाइट शामिल हैं। संविधान दिवस पर बधाई देते हुये प्रधानमंत्री ने स्मरण किया कि 1949 में इसी दिन, स्वतंत्र भारत ने अपने नये भविष्य की आधारशिला रखी थी। प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में इस वर्ष संविधान दिवस मनाये जाने की महत्ता का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने स्मरण कराया कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत की विकसित होती अर्थव्यवस्था और उसकी अंतर्राष्ट्रीय छवि के प्रकाश में पूरा विश्व उसे आशा के साथ देख रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी स्थिरता के बारे में शुरुआती संशयों को दूर करते हुये भारत पूरी शक्ति से आगे बढ़ रहा है तथा अपनी विविधता पर उसे अत्यंत गर्व है। उन्होंने इस सफलता के लिये संविधान को श्रेय दिया। प्रधानमंत्री ने इस क्रम को आगे बढ़ाते हुये प्रस्तावना के पहले तीन शब्दों 'वी द पीपुल' का उल्लेख किया, और कहा, 'वी द पीपुल' एक आह्वान है, एक प्रतिज्ञा है, एक विश्वास है। संविधान की यह भावना, उस भारत की मूल भावना है, जो दुनिया में लोकतंत्र की जननी रहा है।

- वर्चुअल क्लॉक अदालत के स्तर पर न्याय आपूर्ति प्रणाली के लिये जरूरी आंकड़ों को दर्शाने की पहल है, जिसमें मुकदमों का विवरण, मुकदमों के निस्तारण और अदालती स्तर पर एक दिन/सप्ताह/महीने के आधार पर लंबित मुकदमों की जानकारी मिलेगी।
- जस्टिस मोबाइल एप 2.0 न्यायिक अधिकारियों के लिये है, जिसकी सहायता से वे न केवल अपनी अदालत में लंबित और निस्तारित मुकदमों की स्थिति जान सकते हैं और उसका प्रबंध कर सकते हैं, बल्कि अपने अधीन कार्यरत न्यायिक अधिकारियों की अदालतों के बारे में भी जान सकते हैं।
- डिजिटल कोर्ट की पहल के तहत न्यायाधीश के लिये अदालती दस्तावेजों को डिजिटल रूप में देखने की व्यवस्था है, जिससे पेपरलेस अदालतों की शुरुआत हो जायेगी।
- एस3डब्ल्यूएएएस वेबसाइट एक प्रारूप है, जिसके तहत सम्बंधित जिला न्यायालय के मदेनजर विशेष सूचना और सेवाओं के बारे में वेबसाइट पर हर जानकारी मिलेगी।

उन्होंने कहा, आधुनिक युग में, संविधान ने राष्ट्र की समस्त सांस्कृतिक और नैतिक भावनाओं को अंगीकार कर लिया है।

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि लोकतंत्र की जननी होने के नाते, देश संविधान के आदर्शों को मजबूत बना रहा है तथा जन-अनुकूल नीतियां देश के निर्धनों व महिलाओं को अधिकार सम्पन्न कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आम नागरिकों के लिये कानूनों को सरल और सुगम बनाया जा रहा है तथा न्यायपालिका समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिये अनेक पहलें कर रही है। अमृतकाल को 'कर्तव्यकाल' के रूप में उल्लेख करते हुये प्रधानमंत्री ने जोर देते हुये कहा कि आजादी के अमृत काल में जब देश अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा है और हम विकास के अगले 25 वर्षों की यात्रा पर निकल रहे हैं, तब राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का मंत्र ही सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री ने कहा, आजादी का अमृत काल देश के प्रति कर्तव्य का काल है। चाहे वह लोग हों या संस्थायें, हमारे दायित्व ही हमारी पहली प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि अपने 'कर्तव्य पथ' पर चलते हुये ही हम देश को विकास की नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।

युवा-केंद्रित भावना को रेखांकित करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान अपने खुलेपन, दूरदर्शी और अपने आधुनिक दृष्टिकोण के लिये जाना जाता है। उन्होंने भारत की विकास-यात्रा के सभी पक्षों में युवा शक्ति के योगदान व उसकी भूमिका को स्वीकार किया। युवाओं में समानता और सशक्तिकरण जैसे विषयों पर बेहतर समझ पैदा करने के लिये संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुये प्रधानमंत्री ने उस समय का स्मरण किया जब हमारे संविधान का मसौदा लिखा गया था तथा देश के सामने कैसी परिस्थितियां थीं।

ब्रिटेन-चीन

संबंधों का स्वर्ण युग समाप्त : सुनक

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि चीन के साथ संबंधों का तथाकथित 'सुनहरा युग' खत्म हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अपने पहले विदेश नीति भाषण में श्री सुनक ने कहा कि पिछले दशक के करीबी आर्थिक संबंध 'निष्कपट' थे। उन्होंने ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धियों के प्रति इच्छाधारी सोच को 'मजबूत व्यवहारिकता' के साथ बदलने की जरूरत पर बल देते हुए चीन के प्रति अपने देश के रुख को 'विकसित' करने का भी संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने शीत युद्ध बयानबाजी के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि चीन के वैश्विक महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। श्री सुनक ने पिछले महीने टोरी नेता और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से चीन पर लंदन के रुख को सख्त करने के लिए टोरी 'बैकबेंचर्स' के दबाव का सामना किया है।

लंदन में लॉर्ड मेयर के भोज के लिए श्री सुनक का यह भाषण देश में सख्त कोविड लॉकडाउन कानूनों के खिलाफ सप्ताहांत में चीन में विरोध प्रदर्शन के बाद आया है। इस संबंध में पुलिस ने कई गिरफ्तारियां की हैं और शंघाई में एक विरोध प्रदर्शन को कवर करते हुए बीबीसी के एक पत्रकार को हिरासत में भी ले लिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसे पीटा और मारपीट की और रिहा होने से पहले कई घंटों तक रोके रखा।

भारत-मलेशिया संयुक्त सैन्य अभ्यास हरिमऊ शक्ति-2022 मलेशिया के पुलाई में शुरू

भारत-मलेशिया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'हरिमऊ शक्ति-2022' 28 नवंबर को मलेशिया के क्लांग स्थित पुलाई में शुरू हो गया है, जो 12 दिसंबर, 2022 तक चलेगा। हरिमऊ शक्ति अभ्यास भारत और मलेशियाई सेना के बीच किया जाने वाला वार्षिक प्रशिक्षण अभ्यास है। यह 2012 से आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष इस अभ्यास में भारतीय सेना की गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट और मलेशियाई सेना की रॉयल मलय रेजिमेंट भाग ले रही हैं। इस दौरान वह अपने विभिन्न अभियानों से प्राप्त अनुभवों को एक-दूसरे के साथ साझा करेंगी ताकि दुर्गम वन क्षेत्रों में किए जाने वाले विभिन्न अभियानों की योजना बनाने और उन्हें पूरा करने के संबंध में पारस्परिक समन्वय को बढ़ाया जा सके। इस अभ्यास के दौरान वन क्षेत्रों में पारंपरिक अभियानों के लिए बटालियन स्तर की कमांड प्लानिंग एक्सरसाइज (सीपीएक्स) और कंपनी स्तर की फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज (एफटीएक्स) की जाएगी।

संयुक्त अभ्यास कार्यक्रम में बटालियन स्तर पर रसद की योजना बनाने के अलावा एक संयुक्त कमांड पोस्ट, संयुक्त निगरानी केंद्र की स्थापना, हवाई संपत्ति विशेषज्ञता, तकनीकी प्रदर्शन, दुर्घटना प्रबंधन और हताहतों को निकालना शामिल है। संयुक्त फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज, संयुक्त युद्ध चर्चा और संयुक्त प्रदर्शन दो दिवसीय अभ्यास के साथ समाप्त होंगे, जहां सामरिक कौशल बढ़ाने, बलों के बीच अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने और सेना से सेना के संबंधों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। हरिमऊ शक्ति अभ्यास भारतीय सेना और मलेशियाई सेना के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाएगा और इस तरह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए (आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते)

ईसीटीए के परिणामस्वरूप लगभग 10 लाख रोज़गार सृजित किए जाएंगे : श्री पीयूष गोयल

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि ऐतिहासिक भारत ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (भारत ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए) के तहत ऑस्ट्रेलिया द्वारा 100 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क समाप्त किए जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की संसद द्वारा समझौते के अनुमोदन के बाद ईसीटीए पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री गोयल ने यह बात कही। श्री गोयल ने कहा कि ईसीटीए अर्थव्यवस्था के कई सेक्टरों को, विशेष रूप से कपड़ा, रत्न एवं आभूषण तथा फार्मास्युटिकल्स को अत्यधिक बढ़ावा देगा। उल्लेखनीय है कि ईसीटीए के परिणामस्वरूप 10 लाख से अधिक रोज़गारों के सृजन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से भारत में सेवा क्षेत्र

के लिए भी नए अवसर खुलने की उम्मीद है और इससे छात्रों को प्रचुर लाभ मिलेगा जिन्हें ऑस्ट्रेलिया में काम करने का अवसर प्राप्त होगा। भारत के योग गुरुओं तथा शेफ के लिए 1800 का वार्षिक वीजा कोटा स्थापित किया जाना है।

श्री गोयल ने बताया कि यह समझौता दोनों देशों के बीच विश्वास और भरोसे को और विश्व में भारत के बढ़ते कद को परिलक्षित करता है। उन्होंने कहा कि ईसीटीए एक जीवंत लोकतंत्र वाले देश ऑस्ट्रेलिया, जिसने भारत के कई हितों को साझा किया था, के साथ भारत के संबंधों में और गहराई लाएगा। ऑस्ट्रेलिया-भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझीदार है और दोनों ही चार देशों के क्वाड, त्रिपक्षीय आपूर्ति श्रृंखला पहल तथा भारत-प्रशांत आर्थिक फोरम (आईपीईएफ) के हिस्से हैं। ईसीटीए के तहत सुविधा प्राप्त व्यापार संबंध साझा हितों तथा व्यापार सहयोगों के साथ दो जीवंत अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक साझीदारी पर एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा शुरू किया गया यह समझौता हमारे बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला है। ईसीटीए एक दशक के बाद किसी विकसित देश के साथ किया गया भारत का पहला व्यापार समझौता है।

ईसीटीए दोनों देशों के बीच व्यापार को प्रोत्साहित करने एवं सुधार लाने के लिए एक संस्थागत तंत्र उपलब्ध कराता है। पिछले एफटीए के विपरीत, पहली बार, पूरी तरह प्रत्येक उद्योग, मंत्रालयों, व्यापार संघों आदि के साथ व्यापक हितधारक परामर्शों के आधार पर निर्णय लिए गए। ऐसी उम्मीद है कि इस समझौते के साथ, कुल द्विपक्षीय व्यापार पांच वर्षों में वर्तमान 31 बिलियन डॉलर से बढ़कर 45-50 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। भारत के वस्तु व्यापार के 2026-27 तक 10 बिलियन डॉलर बढ़ जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, चूंकि श्रम केंद्रित सेक्टर लाभान्वित होंगे, ऐसी उम्मीद की जाती है कि इससे भारत में कम से कम 10 लाख अतिरिक्त रोज़गार सृजित होंगे, निवेश के लिए पर्याप्त अवसरों का निर्माण होगा और स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार, यह ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के लिए अधिक रोज़गारों का सृजन करेगा तथा भारत में अधिक प्रेषित राशि आएगी।

• मानवरहित स्पेसएक्स ड्रैगन कार्गो •

सफलतापूर्वक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा

मानवरहित स्पेसएक्स ड्रैगन कार्गो अंतरिक्ष यान फ्लोरिडा में खराब मौसम के कारण चार दिन की देरी के बाद सफलतापूर्वक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया है। यह जानकारी नासा ने दी। नासा के बयान के अनुसार स्पेसएक्स ड्रैगन कार्गो अंतरिक्ष यान स्वायत्त रूप से स्टेशन के हार्मनी मॉड्यूल के अंतरिक्ष बंदरगाह पर पहुंच गया है। ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी, जिसमें भोजन, वैज्ञानिक प्रयोगों और हार्डवेयर की आपूर्ति सहित 3.5 टन से अधिक सामान भरा हुआ था। अंतरिक्ष यान में सबसे महत्वपूर्ण आईआरओएसए नामक रोलआउट सौर सारणियों की एक नई जोड़ी है, जो आईएसएस के पुराने सौर पैनलों को अपग्रेड करेगा और अंतरिक्ष स्टेशन के ऊर्जा उत्पादन को आधुनिक बनाने में मदद करेगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।